खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । मंगलवार, 21 जनवरी, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-7 । अंक-20

हिंदुओं के पवित्र-महाकुंभ पर दूषित-मीडिया का दुष्चक्र जारी है

विश्व का सबसे बड़ा अनुष्ठान सारे प्रपंचों पर भारी है

शुभ-लाभ मंतव्य

हिंदुओं के पवित्र-महाकुंभ पर दूषित-मीडिया का दुष्चक्र जारी है। लेकिन विश्व का सबसे बड़ा अनुष्ठान सारे प्रपंचों पर भारी पड़ रहा है। महाकुंभ में व्यवधान पैदा करने के लिए जिस तरह षडयंत्रपूर्वक आग लगाई गई और जिस तरह मीडिया ने उस आग को हवा दी, उसने मीडिया के दुष्चक्र में शामिल होने का प्रमाण दिया। जबकि आग से कोई जनहानि नहीं हुई। इसके अलावा विदेश के कुछ मीडिया प्रतिष्ठान भी महाकुंभ को लेकर अपनी बौखलाहट ज्ञापित कर रहे हैं। उनकी बौखलाहटों के बावजूद महाकुंभ विश्व के सबसे बड़े अनुष्ठान के रूप में स्थापित हो गया है। विश्व के सबसे बड़े धार्मिक अनुष्ठान महाकुंभ के अवसर पर हिंदू श्रद्धालुओं और सनातन को मानने वाले विदेशी लगातार प्रयागराज पहुंच रहे हैं और पूरी श्रद्धा के साथ संगम में स्नान कर रहे हैं। भारी तादाद में देश-दुनिया के श्रद्धालु उस विशाल और समृद्ध इतिहास का अंग बनकर स्वयं को कृतज्ञ अनुभव कर रहे हैं। वे खुद को सौभाग्यशाली मानते हैं कि उन्हें इस विशाल आयोजन का साक्षी बनने का अवसर प्राप्त हुआ। लेकिन कुछ विदेशी मीडिया प्रतिष्ठान महाकुंभ को लेकर नकारात्मकता परोसने के प्रपंच में भी लगे हैं। ऊपर से तो यही दिखता है कि विदेशी मीडिया महाकुंभ की प्रशंसा कर रहा है और हिंदुओं के विशाल धार्मिक जमावड़े की युगों पुरानी परंपरा का आदर कर रहा है, मगर उनकी कवरेज को ध्यान से पढ़ने पर यह आभास होता है कि वे इस महाकुंभ की व्यवस्था को राजनीतिक जामा पहनाने का कुत्सित प्रयास कर रहे हैं।

सबसे पहले बात बीबीसी की। बीबीसी की पत्रकार गीता पांडेय ने महाकुंभ का कवरेज करते हुए नागा संन्यासियों के बारे में लिखा, नेकेड ऐश-स्मीयर्ड एसेटिक्स टू लीड इंडिया बाथिंग स्पेक्टेकल यानी, राख से सने नग्न साधुओं द्वारा द्वारा भारत में स्नान का तमाशा... ऐसा लिख कर बीबीसी ने यह साबित किया कि उनकी रिपोर्टर को उन नागा साधुओं के नग्न होने और राख से सने होने का दर्शन, उनकी साधना, जिंदगी की कठोरता एवं उनके त्याग के बारे में कोई ज्ञान नहीं है, या बीबीसी सोची-समझी रणनीति के तहत भारत की पुरातन संत-संस्कृति को भौडे रूप में प्रस्तुत कर रहा है। नागा साधुओं का इतिहास संतत्व और यौद्धत्व दोनों से समृद्ध रहा है। नागा साधुओं ने कुतुबउद्दीन ऐबक, अहमद शाह अब्दाली और औरंगजेब सहित कई लुटेरे धर्मांध आततायिओं का सामना किया था और ▶10पर

उत्तराखंड कैबिनेट से समान नागरिक संहिता नियमावली मंजूर

उत्तराखंड में जल्द लागू हो जाएगा यूसीसी : धामी

देहरादून, 20 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तराखंड कैबिनेट ने आज समान नागरिक संहिता (यूसीसी) की नियमावली को मंजूरी दे दी। उत्तराखंड में यूसीसी अब जल्द ही लागू हो जाएगा। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में आज प्रदेश मंत्रिमंडल की बैठक हुई। इसमें यूसीसी का प्रस्ताव लाया गया। इस दौरान कैबिनेट ने नियमावली के प्रस्ताव पर मुहर लगा दी। सीएम धामी ने कहा, 2022 में हमारी सरकार ने यूसीसी बिल लाकर जनता से किया वादा पूरा किया था। तब से हम इसकी सारी प्रक्रियाएं पूरी कर इसे जल्द से जल्द लागू करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। यह उत्तराखंड के लिए गौरव की बात है कि हमारा प्रदेश सबसे पहले यूसीसी लागू करेगा। सब तैयारियां पूरी हो गई हैं।

यूसीसी देश की एकता के लिए जरूरी: पूर्व मुख्य न्यायाधीश

हम जल्द ही इसे लागू करेंगे। देश पूर्व मुख्य न्यायाधीश और राज्यसभा सांसद रंजन गोगोई ने यूसीसी कानून को देश की एकता के लिए जरूरी बताया और कहा कि पूरे देश में यूसीसी कानून लागू होना चाहिए और उसके लिए देश के नागरिकों की रायशुमारी की जानी चाहिए।

उल्लेखनीय है कि 12 फरवरी 2022 को विधानसभा चुनाव के दौरान सीएम धामी ने यूसीसी की घोषणा की थी। मुख्यमंत्री बनने के बाद पहली कैबिनेट बैठक में यूसीसी लाए जाने पर फैसला हुआ। मई 2022 में सुप्रीम कोर्ट की सेवानिवृत्त न्यायाधीश रंजना प्रकाश देसाई की अध्यक्षता में विशेषज्ञ समिति बनी। समिति ने 20 लाख सुझाव ऑफलाइन और ऑनलाइन प्राप्त किए। 2.50 लाख लोगों से समिति ने सीधा संवाद किया। 02 फरवरी 2024 को विशेषज्ञ समिति ने ड्राफ्ट रिपोर्ट मुख्यमंत्री को सौंपी। 06 फरवरी को विधानसभा में यूसीसी विधेयक पेश हुआ। 07 फरवरी को विधेयक विधानसभा से पारित हुआ। ▶10पर

सशस्त्र बलों के लिए जारी होगा विजन-2047 का खाका

सेना में महत्वाकांक्षी सुधार लागू किए जाएंगे: सीडीएस

नई दिल्ली, 20 जनवरी (एजेंसियां)। सशस्त्र बलों के लिए विजन-2047 के रोडमैप पर काम चल रहा है। इसे इस साल के अंदर जारी कर दिया जाएगा। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि थिएटर कमांड पर रक्षा मंत्रालय का लक्ष्य इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि 2025 में सेना में महत्वाकांक्षी सुधार लागू किए जाने हैं।

एकीकृत थिएटर कमान को लेकर तेजी से चल रहा काम

चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने कहा कि एकीकृत थिएटर कमान को लेकर सरकार के समक्ष खाका पेश करना और इसे तैयार करना प्रमुख प्राथमिकता है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के 2025 को रक्षा सुधारों का वर्ष घोषित किए जाने के बाद सीडीएस ने यह बात कही। सीडीएस ने कहा कि मल्टी डोमेन ऑपरेशन, एयरबोर्न व हेलीबोर्न ऑपरेशन, नेटवर्क केंद्रित युद्ध, संयुक्त संचार, पारंपरिक मिसाइल बल, अंतरिक्ष, संयुक्त स्टाफ कार्य, संयुक्त लॉजिस्टिक आर्किटेक्चर जैसे विषयों पर संयुक्त खाका तैयार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सशस्त्र बलों के लिए विजन-2047 रोडमैप पर काम चल रहा है। इसे इस साल के मध्य में जारी कर दिया जाएगा। थिएटर कमांड पर रक्षा मंत्रालय का लक्ष्य इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि 2025 में महत्वाकांक्षी सुधार लागू किए जाने हैं। थियेटराइजेशन मॉडल के तहत सरकार सेना, वायुसेना और नौसेना की क्षमताओं को एकीकृत करना चाहती है। इसके तहत सरकार युद्धों और अभियानों के लिए सेना के तीनों अंगों के संसाधनों का अधिकतम उपयोग करना चाहती है। थियेटराइजेशन योजना के तहत, प्रत्येक थियेटर कमांड में सेना, नौसेना और वायु सेना की इकाइयां होंगी। ये सभी एक निर्दिष्ट भौगोलिक क्षेत्र में सुरक्षा चुनौतियों को देखते हुए एक इकाई के ▶10पर

इंदिरा-मुजीब संधि का उल्लंघन

सीमा पर बांध ऊंचा कर रहा बांग्लादेश

नई दिल्ली, 20 जनवरी (एजेंसियां)। भारत और बांग्लादेश के बीच सीमा पर तनाव एक बार फिर बढ़ता नजर आ रहा है, क्योंकि बांग्लादेश ने त्रिपुरा के कैलाशहर इलाके में जीरो पॉइंट पर एक स्थायी नदी तटबंध का निर्माण शुरू कर दिया है। यह निर्माण बांग्लादेश के मौलवीबाजार जिले और त्रिपुरा के उनाकोटी जिले के कैलाशहर सब-डिवीजन के बीच हो रहा है। यह क्षेत्र भारतीय सीमा से बहुत करीब है और ऐसे में तटबंध निर्माण से भारतीय इलाके में बाढ़ का खतरा बढ़ सकता है।

भारत में बढ़ेगा बाढ़ का खतरा

त्रिपुरा के उनाकोटी जिले के मजिस्ट्रेट दिलीप कुमार चकमा ने पिछले दिनों अधिकारियों के साथ इस निर्माण स्थल का निरीक्षण किया। इसके बाद दिलीप कुमार चकमा ने कहा कि बांग्लादेश द्वारा तटबंध की ऊंचाई बढ़ाने से त्रिपुरा के कैलाशहर क्षेत्र में बाढ़ के पानी का दबाव बढ़ सकता है। उन्होंने बताया कि बांग्लादेश यह तटबंध बाढ़ से बचाव के लिए बना रहा है, लेकिन उनकी टीम ने जब सीमा क्षेत्र का दौरा किया तो पाया कि तटबंध की ऊंचाई को बहुत बढ़ा दिया गया है। चकमा ने कहा कि अब भारत को अपने तटबंध को और मजबूत करना पड़ेगा, क्योंकि अधिक पानी अब भारतीय इलाके की ओर बढ़ेगा। इस मामले को अब उच्च स्तर (सरकार के स्तर) पर उठाने की आवश्यकता है।चकमा ने यह भी बताया कि भारतीय तटबंध जीरो पॉइंट से लगभग 350 गज की ▶10पर

प्रशिक्षु डॉक्टर की बलात्कार के बाद हत्या का मामला

दोषी घोषित संजय रॉय को आजीवन कैद की सजा

कोलकाता, 20 जनवरी (एजेंसियां)। कोलकाता के आरजी कर अस्पताल में ट्रेनी डॉक्टर से रेप और फिर उसकी हत्या करने वाले को आखिरकार सजा मिल गई। दोषी संजय रॉय को अदालत ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। अब उसे आजीवन जेल में ही रहना होगा। इसके अलावा उस पर 50,000 रुपए का जुर्माना भी ठोका गया है। सेशन जज अनिर्बान दास ने सजा का ऐलान करते हुए कहा कि दोषी को अपने अपराध की पूरी सजा भुगतनी होगी। भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 64, 66 और 103 (1) के तहत उसे दोषी ठहराया गया। इन धाराओं में अधिकतम सजा मौत या उम्रकैद का प्रावधान है।

हालांकि, आरजी कर की पीड़िता के रेप और उसकी बेरहमी से हत्या के मामले में पीड़िता के परिजनों और सीबीआई ने

अदालत से दोषी को फांसी देने की मांग की थी, लेकिन अदालत ने कहा कि ये कोई रेयरेस्ट ऑफ द रेयर केस नहीं है। लिहाजा, इस मामले में फांसी की जगह उम्र कैद की सजा दी जाएगी। पीड़िता के एक परिजन ने कोर्ट के फैसले पर असंतोष जताते हुए कहा, हमें फांसी की उम्मीद थी। हमारी लड़ाई अब भी जारी रहेगी। यह मामला 162 दिन तक कोर्ट में चला और 18 जनवरी को दोषी करार दिए जाने के बाद आज सजा का ऐलान हुआ।

सीएम ममता ने कहा, अभियुक्त को फांसी होनी चाहिए थी

सुनवाई के दौरान जब जज ने संजय रॉय को बताया कि तुम पर जितने भी आरोप लगाए गए थे, वो सभी साबित हो चुके हैं। इस पर बड़ी ही बेशर्मी के साथ दोषी दरिंदे ने कहा कि मैं रुद्राक्ष की माला पहनता हूं, अगर मैंने कोई अपराध किया होता तो ये माला वहीं टूट जाती। उसने आरोप लगाया कि उसे बोलने ही नहीं दिया गया। इस पर जज ने कहा कि अदालत ने तुम्हें आधे दिन का वक्त केवल बोलने के लिए दिया था, ▶10पर

हमने मृत्युदंड की मांग की थी: ममता बनर्जी

कोलकाता, 20 जनवरी (एजेंसियां)। आरजी कर अस्पताल की प्रशिक्षु चिकित्सक से बलात्कार और हत्या मामले में दोषी संजय रॉय को उम्र कैद की सजा सुनाए जाने पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी असंतोष जाहिर किया है। उन्होंने कहा कि, वह अदालत के फैसले से संतुष्ट नहीं हैं। ममता बनर्जी ने कहा कि, हम सभी ने मौत की सजा की मांग की थी लेकिन अदालत ने आजीवन कारावास दिया है। मुख्यमंत्री कहा कि जांच का जिम्मा कोलकाता पुलिस से जबरन ले लिया गया। यदि जांच का जिम्मा कोलकाता पुलिस के पास ही रहा होता, तो उसने निश्चित रूप से मौत की सजा ▶10पर

भारत के खिलाफ षडयंत्र में पाकिस्तान के साथ बांग्लादेश भी शरीक

कराची में खिचड़ी पका रही पाकिस्तान और बांग्लादेश की नौसेना

नई दिल्ली, 20 जनवरी (एजेंसियां)। बांग्लादेश की नौसेना के अधिकारियों को कराची बुलाकर पाकिस्तानी सेना ने मिजाजपुर्सी के बहाने नए षड्यंत्र की शुरुआत की है। कराची में बांग्लादेश नौसेना के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे बांग्लादेश सशस्त्र बल के प्रमुख स्टाफ अधिकारी (पीएसओ) लेफ्टिनेंट जनरल एसएम कमर-उल-हसन ने पाकिस्तान नौसेना के वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात की और उनके साथ क्षेत्रीय समुद्री सुरक्षा सहयोग पर चर्चा की। लेफ्टिनेंट जनरल हसन ने पाकिस्तान फ्लीट कमांडर रियर एडमिरल अब्दुल मुनीब, तट कमांडर रियर एडमिरल फैसल अमीन और कराची शिपयार्ड एंड इंजीनियरिंग वर्क्स के प्रबंध निदेशक रियर एडमिरल सलमान इलियास से अलग से बात की।

इस मुलाकात के बाद पाकिस्तान की ओर से बयान में कहा गया है कि इन चर्चाओं में क्षेत्रीय समुद्री सुरक्षा और द्विपक्षीय रक्षा सहयोग सहित आपसी हितों

के मामलों पर बात हुई है। बयान में है कि दोनों देशों के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास, पारस्परिक यात्राएं और प्रशिक्षण विनिमय कार्यक्रम जैसे सहयोग के विभिन्न संभावित क्षेत्रों को लेकर विस्तार से बात हुई है। पाकिस्तानी नौसेना के बयान की यह पंक्ति गौर करने लायक है कि लेफ्टिनेंट जनरल एसएम कमरुल हसन की यात्रा से दोनों भाईचारे वाले देशों के बीच रक्षा संबंधों को और मजबूत करने, सहयोग बढ़ाने और पाकिस्तान और बांग्लादेश के सशस्त्र बलों के बीच संबंधों के मजबूत होने की उम्मीद है।

हसन ने रावलपिंडी में सेनाध्यक्ष जनरल असीम मुनीर से मुलाकात की है। बैठक में बात यह हुई है कि दोनों देशों के बीच बाहरी प्रभावों के प्रति लचीला बने रहने के लिए एक स्थायी साझेदारी हो। फौजी मेलजोल के अलावा संबंधों और आर्थिक सहयोग को भी बढ़ाया जा रहा है। इस वक्त पाकिस्तान के दो व्यापार प्रतिनिधिमंडल बांग्लादेश में हैं। कारण, दोनों देश चाहते हैं कि तनावपूर्ण संबंधों को सुधारा जाए।

पाकिस्तानी बयान कारोबारियों के इन दौरों को व्यापार के अधिक अवसर खोजने वाले बताया है। वे बांग्लादेशी बाजार में पाकिस्तान की निर्यात क्षमता का पता लगाएंगे। इतना ही नहीं, पाकिस्तान के उपप्रधानमंत्री इशाक डार भी दोनों देशों के बीच संबंधों को और मजबूत करने के लिए फरवरी की शुरुआत में ढाका का दौरा करने वाले हैं। ▶10पर

चीन में दो लोगों को फांसी दी गई

बीजिंग, 20 जनवरी (एजेंसियां)।

चीन ने पिछले साल नवंबर में दो अलग-अलग घातक हमलों में मौत की सजा पाए दो लोगों को फांसी दे दी। 62 वर्षीय फैन वेइकिउ को 11 नवंबर को झुहाई में एक खेल केंद्र के बाहर व्यायाम कर रहे लोगों के समूह पर जानबूझकर एसयूवी चढ़ाने का दोषी ठहराया गया था। इस हमले में 35 लोग मारे गए और 43 अन्य घायल हो गए थे। इस घटना ने सूचने देश को हिलाकर रख दिया था।

इस घटना के कुछ दिनों बाद 16 नवंबर को 21 वर्षीय जू जियाजिन ने पूर्वी प्रांत जियांग्सू के एक कॉलेज में आठ लोगों की चाकू मारकर हत्या कर दी थी। कालेज स्टूडेंट जू परीक्षा में फेल हो गया था और फैक्टरी इंटर्न के रूप में मिलने वाले कम मानदेय से भी नाराज था।

झुहाई की अदालत ने फैन को दोषी ठहराया था। अदालत ने जोर दिया था कि फैन के व्यवहार के लिए मौत के मामले में कानून की सबसे कड़ी सजा जरूरी है। दिसंबर में यह मामला बीजिंग स्थित सुप्रीम पीपुल्स कोर्ट में पहुंचा। शीर्ष अदालत ने भी कहा था कि दोषी को कड़ी सजा दी जानी चाहिए।

शिन्हुआ के मुताबिक, फांसी के तरीके को सार्वजनिक नहीं किया गया पर जू को फांसी से पहले अपने परिवार से मिलने की अनुमति दी गई।

सुप्रीम पीपुल्स कोर्ट के अध्यक्ष और मुख्य न्यायाधीश झांग जून ने गंभीर अपराधों के लिए सख्त और छोटे सामाजिक अपराधों के लिए अधिक उदार सजा का आग्रह किया है। चीन की कानून प्रवर्तन एजेंसियों की देखरेख करने वाले केंद्रीय राजनीतिक और कानूनी मामलों के आयोग के महासचिव यिन बाई ने वीभत्स घटनाओं को रोकने के लिए मजबूत सुरक्षा उपायों का आह्वान किया है। यही नहीं, राष्ट्रपति शी जिनपिंग सहित शीर्ष नेता दुर्लभ मामलों में कठोरतम दंड की वकालत कर चुके हैं। शीर्ष अभियोजक यिंग योंग ने हाल की घटनाओं से लिए गए सबक के आधार पर इसी तरह के अपराधों को रोकने और जांच में सुधार लाने की आवश्यकता पर जोर दिया है।

दो लोगों की फांसी की सजा पर सीएनएन ने भी खबर दी है। इसमें कहा गया कि चीन के अधिकांश सोशल मीडिया यूजर ने 62 वर्षीय फैन वेइकिउ और 21 वर्षीय जू जियाजिन को फांसी देने पर खुशी जताई है। इस पर एमनेस्टी इंटरनेशनल ने कहा है कि चीन फांसी की कुल संख्या पर पारदर्शी जानकारी प्रदान नहीं करता है। माना जाता है कि चीन दुनिया का शीर्ष जल्लाद है। जहां हर साल हजारों लोगों को फांसी दी जाती है।

न्यूज ब्रीफ

जयशंकर अमेरिका में मिले जापान और ऑस्ट्रेलिया के अपने समकक्षों से

वाशिंगटन। भारत के विदेशमंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन में जापान और ऑस्ट्रेलिया के समकक्षों के साथ द्विपक्षीय बैठकें कीं। उन्होंने अपने समकक्षों के मुलाकात के यादगार पलों को एक्स हैंडल पर साझा किया। जयशंकर ने लिखा कि जापान के विदेशमंत्री ताकेशी इवाया से मिलकर अच्छा लगा। हमने द्विपक्षीय सहयोग में प्रगति की समीक्षा की। क्वाड से संबंधित घटनाक्रमों पर भी चर्चा की। उल्लेखनीय क्वाड (चतुष्पक्षीय सुरक्षा संवाद) डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के पहले कार्यकाल की पहल है। इसमें ऑस्ट्रेलिया, भारत, जापान और अमेरिका शामिल हैं। ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री पेनी वोंग से मुलाकात के बाद जयशंकर ने एक्स पर लिखा वाशिंगटन में क्वाड की सहयोगी विदेशमंत्री सीनेटर वोंग से मिलकर खुशी हुई। हमेशा की तरह दुनिया के हालात पर हमने चर्चा की।

इजराइली सेना के हटते ही गाजा में हमास के लड़ाके आए सड़कों पर

यरुशलम। गाजा में बंधकों की रिहाई की शर्त पर हुए संघर्ष विराम समझाते के बाद इजराइल की सेना पीछे हटने लगी है। इससे लोग खुश हैं। इस बीच कई जगह आतंकी समूह हमास के बंदूकधारी नकाबपोश लड़ाके लड़ाके सड़कों पर आ गए। द न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर के अनुसार, इजराइली अधिकारियों ने कहा कि उनकी सेना ने गाजा के कुछ हिस्सों से पीछे हटना शुरू कर दिया है। इसका फायदा उठाकर हमास ने फिर से नियंत्रण स्थापित करने की कोशिश की। कई शहरों में नकाबपोश बंदूकधारी सड़कों पर उतर आए। इजराइली सेना ने कहा कि कई इजरायली बंधकों को कल गाजा में कैद से रिहा कर दिया गया और वे अपने परिवारों से मिल गए। अधिकारियों के अनुसार, इजराइल और हमास के बीच 42 दिनों का संघर्ष विराम समझौता प्रभावी हो गया। रिहा किए गए पहले बंधकों में तीन महिलाएं रोमी गोनेन, एमिली दामरी और डोरोन स्टीनब्रेचर शामिल हैं। इनके बाद इजराइल 90 फिलिस्तीनी कैदियों को रिहा करेगा। इस समझौते से इजराइली बंदियों और फिलिस्तीनी कैदियों के परिवारों को राहत मिली है और 15 महीने के विनाशकारी युद्ध की समाप्ति की उम्मीद जगी है। कुछ अधिकारियों का कहना है कि संघर्ष विराम के पहले चरण में हमास 33 बंधकों की रिहाई में देरी कर सकता है। लगभग 100 लोग अभी भी उसकी कैद में हैं।

नवाज को फांसी के फंदे से बचाने के लिए क्लिंटन आए थे पाकिस्तान, किताब में दावा

पेशावर, 20 जनवरी (एजेंसियां)।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के पूर्व अध्यक्ष और राष्ट्रीय मानव विकास आयोग के पूर्व प्रमुख डॉ. नसीम अशरफ ने अपनी नई पुस्तक रिंग साइड में दावा किया है कि अमेरिकी विदेश विभाग ने तत्कालीन राष्ट्रपति बिल क्लिंटन को पाकिस्तान का दौरा न करने की सलाह दी थी। बावजूद इसके क्लिंटन ने अपदस्थ प्रधानमंत्री नवाज शरीफ को फांसी के फंदे से बचाने के लिए पाकिस्तान का दौरा करने का फैसला किया। अमेरिकी राष्ट्रपति ने यह आश्वासन पाने के लिए पाकिस्तान के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश इरशाद हसन खान के साथ एक गुप्त बैठक भी की थी।

डॉ. नसीम अशरफ की किताब रिंग साइड का विमोचन मंगलवार को पेशावर में होगा। साथ ही पाकिस्तान के विभिन्न शहरों में इसके विमोचन की योजना तैयार की गई है। यह पुस्तक उर्दू में मैदान-ए-अमल शीर्षक से प्रकाशित हुई है। राष्ट्रपति क्लिंटन की पाकिस्तान यात्रा के बारे में उन्होंने खुलासा किया कि मुशर्रफ के लंच में शामिल होने के दौरान क्लिंटन टॉयलेट गए। कुछ देर बाद पूर्व मुख्य न्यायाधीश इरशाद हसन भी वहां पहुंचे। दोनों के बीच पांच मिनट तक बातचीत हुई। क्लिंटन ने इरशाद से पूछा कि क्या नवाज को मौत की सजा दी जाएगी, जिस पर जस्टिस हसन ने उन्हें आश्वासन दिया कि ऐसा नहीं होगा।

इस किताब में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की 2019 की अमेरिका यात्रा को सफल बताते हुए कहा गया है कि इससे पाकिस्तान-अमेरिका संबंध मजबूत हुए। डॉ. अशरफ ने जनरल मुशर्रफ की भारत यात्रा के दौरान पूर्व भारतीय प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के साथ हुई एक बैठक का जिक्र किया, जिसके दौरान सिंह ने पुष्टि की कि उन्होंने ऋण सुरक्षित करने के लिए बैंक ऑफ इंग्लैंड को दो टन सोना भेजा। बैंक ऑफ इंग्लैंड से प्राप्त ऋण से उन्होंने भारत में नई आर्थिक नीति का सूत्रपात किया। डॉ. अशरफ ने इमरान खान की पूर्व पत्नी जेमिमा खान के बारे में लिखा कि उन्होंने पाकिस्तान के लिए अपना सब कुछ बलिदान कर दिया।

उल्लेखनीय है कि इससे पहले 10 जून 2016 को पूर्व प्रधानमंत्री शौकत अजीज ने दावा किया था कि अपदस्थ प्रधानमंत्री नवाज शरीफ को फांसी से बचाने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने 2000 में पाकिस्तान का दौरा किया था और उन्हें देश से बाहर ले जाने की कोशिश की थी। अजीज ने कहा था, क्लिंटन की पाकिस्तान यात्रा का एकमात्र उद्देश्य शरीफ को फांसी से बचाना था।

चुनाव कराने के लिए सरकार की ओर से तय समयसीमा का पालन किया जाएगा: बांग्लादेश निर्वाचन आयोग

ढाका। बांग्लादेश चुनाव आयोग के मुख्य आयुक्त (सीईसी) एएमएम नासिर उद्दीन ने रविवार को कहा कि अंतरिम सरकार की ओर से तय समयसीमा के भीतर ही आम चुनाव कराए जायेंगे। साथ ही आयोग ने स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता भी दोहराई। संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) ने मतदाता सूचियों को अपडेट करने के लिए आवश्यक तकनीकी उपकरण सौंपे गए। चुनाव आयोग को यूएनडीपी से डेटा संग्रह के लिए 175 लैपटॉप, 200 स्कैनर और 4,300 बैग मिले हैं। सीईसी ने एक समाचार पोर्टल के हवाले से कहा, हम मुख्य सलाहकार की ओर से घोषित समय-सीमा पर ध्यान केंद्रित करके उस दिशा में काम कर रहे हैं। पिछले महीने मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस ने कहा था कि देश में अगला आम चुनाव 2025 के अंत या 2026 की पहली छमाही में हो सकता है। हालांकि, उन्होंने कहा था कि चुनाव का समय काफी हद तक राजनीतिक आम सहमति और उससे पहले किए जाने वाले सुधारों की सीमा पर निर्भर करेगा। हालांकि निर्वाचन आयोग ने कहा कि मतदाता सूची को अद्यतन करने में छह महीने का समय लगेगा।

जलवायु परिवर्तन पर चर्चा को नेपाल सरकार करेगी अंतरराष्ट्रीय सागरमाथा संवाद

काठमांडू, 20 जनवरी (एजेंसियां)।

नेपाल सरकार जलवायु परिवर्तन के मुद्दे को उच्च प्राथमिकता में रखते हुए इसकी वैश्विक चिंता को लेकर अंतराष्ट्रीय बहस की शुरुआत करने जा रही है। इसके लिए सरकार ने तीन दिवसीय सागरमाथा संवाद का प्रस्ताव रखा है। नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की अध्यक्षता में सोमवार को हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में यह प्रस्ताव पारित किया गया। इस संवाद के लिए संयुक्त राष्ट्र के साथ समन्वय के करने और विश्वभर से प्रतिनिधियों को बुलाने की बात कही गई है। यह आयोजन 15, 16 और 17 मई को प्रस्तावित किया गया है।

सरकार के फैसले में सूचना और संचार मंत्री पृथ्वी सुब्बा गुरूंग ने बताया कि नेपाल सरकार ने एक बार फिर सागरमाथा संवाद करने का फैसला किया है। उन्होंने बताया कि जलवायु परिवर्तन के कारण हिमालय पर पड़ने वाले असर और इसके उपायों पर इस अंतराष्ट्रीय संवाद कार्यक्रम में चर्चा की जाएगी।

उन्होंने यह भी बताया कि इस सागरमाथा संवाद के माध्यम से जलवायु परिवर्तन के लिए जिम्मेदार बड़े और विकसित देशों की जिम्मेवारी तय करने और जलवायु परिवर्तन के कारण गंभीर परिणाम भुगतने वाले देशों को इससे निपटने के लिए आर्थिक सहायता देने का एजेंडा भी रखा जाएगा।

सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि यह आयोजन संयुक्त राष्ट्र के साथ समन्वय बनाकर किया जाएगा और इसमें जलवायु परिवर्तन पर कार्य करने वाले विश्व के सभी प्रमुख संस्थाओं के प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया जाएगा। साथ ही हिमालय से जुड़े देशों के प्रतिनिधियों को भी आमंत्रित किए जाने का प्रस्ताव है।

नेपाल ने वर्ष 2020 के भी इस तरह के आयोजन की पूरी तैयारी की थी। उस समय प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ही थे लेकिन कोविड महामारी के कारण उस समय इस सागरमाथा संवाद को स्थगित करना पड़ा था। इस वर्ष मई महीने में होने वाले आयोजन के लिए तत्काल तैयारी शुरू करने का निर्देश दिया गया है।

पतंद उत्सव

दोहा में कतर पतंद उत्सव में असामान में नजर आ रही पतंगें।

हमास की रिहाई सूची में नेपाली युवक का नहीं है नाम, विदेश मंत्री डॉ.आरजू राणा ने इजिप्ट से किया मध्यस्थता का आग्रह

काठमांडू, 20 जनवरी (एजेंसियां)।

इजरायल और हमास के बीच युद्धविराम की घोषणा के बाद दोनों पक्षों की तरफ से बंदियों की रिहाई का सिलसिला शुरू हो गया है। युद्धविराम के पहले दिन ही रिहाई के लिए हमास की तरफ से जारी सूची में नेपाली युवक विपीन जोशी का नाम नहीं है। जोशी की रिहाई के लिए विदेश मंत्री डॉ आरजू राणा ने सोमवार को इजिप्ट के विदेश मंत्री से टेलीफोन वार्ता कर मध्यस्थता करने का आग्रह किया है।

नेपाली युवक विपीन जोशी की रिहाई के लिए नेपाल पहले से ही कूटनीतिक प्रयास कर रहा है। एक बार फिर विदेश मंत्री डॉ आरजू राणा ने अपने कूटनीतिक प्रयास शुरू किया है। विदेश मंत्री डॉ राणा ने सोमवार को सोशल मीडिया एक्स पर इस बात की जानकारी देते हुए बताया कि विपीन जोशी की रिहाई को लेकर पहले भी उनकी बातचीत कतर और इजरायल के विदेश मंत्रियों के साथ हो चुकी है। बावजूद इसके पहली सूची में नेपाली युवक का नाम नहीं होने के बाद फिर से प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने एक्स पर लिखा है कि इस संबंध में सोमवार को उनकी इजिप्ट के विदेश मंत्री डॉ बदर अब्देल अती से टेलीफोन संवाद हुआ है। इस युद्ध विराम में इजिप्ट की भूमिका और हमास के साथ उनके अच्छे संबंध को देखते हुए मामले में मध्यस्थता करने का आग्रह किया है। राणा के अनुसार इजिप्ट के विदेश मंत्री ने उनके देश के तरफ से वार्ताकार को हमास से नेपाली युवक की रिहाई प्राथमिकता के साथ करने की जानकारी दी है। नेपाल की विदेश मंत्री ने उम्मीद जताई है कि रिहाई की अगली सूची में विपीन जोशी का नाम भी हो सकता है। उल्लेखनीय है कि नेपाली विपीन जोशी की रिहाई के लिए पांच दिन पूर्व 15 जनवरी को विदेश मंत्री डॉ आरजू राणा ने इजरायल और कतर के विदेश राज्यमंत्री से टेलीफोन पर वार्ता की थी।

गिरफ्तार राष्ट्रपति येओल को सियोल डिटेंशन सेंटर से बलपूर्वक ले जाने की तैयारी

सियोल, 20 जनवरी (एजेंसियां)।

दक्षिण कोरिया के भ्रष्टाचार जांच कार्यालय (सीआईओ) ने पूछताछ में लगातार असहयोग कर रहे औपचारिक रूप से गिरफ्तार किए जा चुके राष्ट्रपति यून सुक येओल के खिलाफ कड़ा रुख अपनाने का संकेत दिया है। सीआईओ ने सोमवार को कहा कि वह येओल को बलपूर्वक ले लाने जाने पर दृढ़ता से विचार कर रहा है। येओल को बुधवार से सियोल डिटेंशन सेंटर में रखा गया है। सीआईओ ने रविवार को औपचारिक गिरफ्तारी के बाद उनसे सोमवार सुबह 10 बजे पूछताछ के लिए कार्यालय में उपस्थित होने का आग्रह किया। येओल ने सीआईओ के आग्रह को अस्वीकार कर दिया। सीआईओ के एक अधिकारी ने संवाददाताओं से कहा, इस स्थिति में कह सकता हूं कि येओल को बलपूर्वक

कार्यालय ले जाने पर विचार किया जा रहा है। अगर येओल डिटेंशन सेंटर में पूछताछ के लिए तैयार हो जाते हैं तो यह उनके लिए अच्छा होगा। इस अधिकारी ने कहा कि येओल को फिलहाल 28 जनवरी तक हिरासत में रखा जाएगा। उल्लेखनीय है कि महाभियोग का सामना कर रहे राष्ट्रपति पर विद्रोह का नेतृत्व करने और तीन दिसंबर को कुछ समय के लिए मार्शल लॉ लगाकर अपनी शक्ति का दुरुपयोग करने का आरोप है। अदालत से रविवार तड़के उन्हें औपचारिक रूप से गिरफ्तार करने का वारंट जारी किया गया। इसकी भनक लगते ही येओल के समर्थकों ने अदालत पर धावा बोल दिया। इस घटना ने पूरे देश को झकझोर कर रखा दिया है। प्रदर्शनकारियों ने अदालत की इमारत के आसपास तैनात पुलिस अधिकारियों पर आग बुझाने वाले यंत्रों से छिड़काव करके और पुलिस से जब्त की गई ढालों और डंडों से उन पर हमला किया। इस दौरान लगभग 30 पुलिस अधिकारी घायल हो गए। इस संबंध में 89 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। कार्यवाहक राष्ट्रपति चोई सांग-मोक ने अदालत में हुई हिंसा पर गहरा खेद व्यक्त किया है।

राष्ट्र प्रथम

बंटेंगे तो कटेंगे
एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे

Best Wishes

BS

Basai Steels And Power (P) Ltd.

MANUFACTURERS OF

BILLETS | POWER | SPONGE IRON & M.S & G.P PIPE 15mm to 150mm

SQUARE, RECTANGULAR & ROUND PIPES IN ALL REGULAR THICKNESS

A-23/586, APIE, Balanagar, Hyderabad 500037
Cell: 9848030471,7799555555
gopalagarwal@basaisteels.com

Ward No 3, Plot No 412, Sidiginamola Village
Bellary-Alur Highway, Bellary 583138
www.basaisteels.com

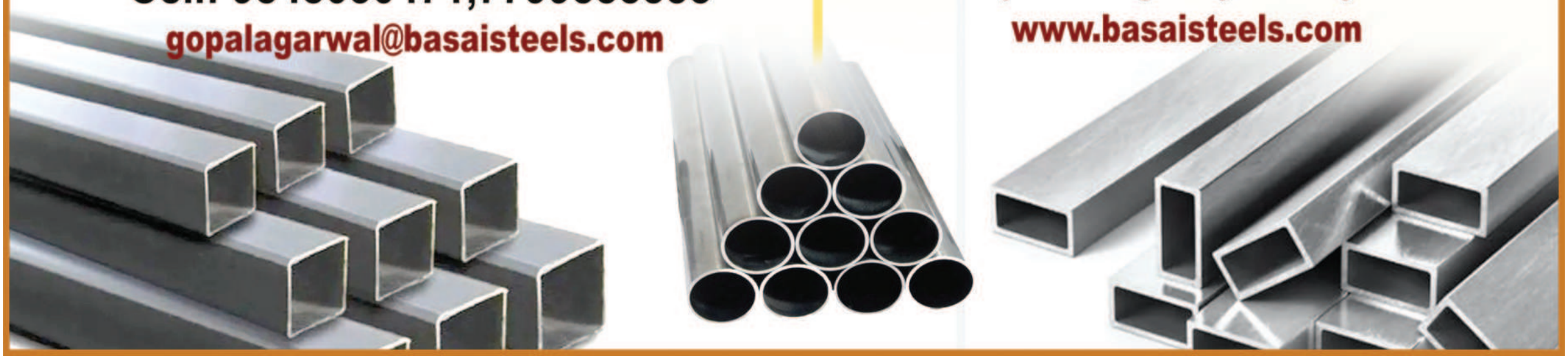

दिलीप कुमार-राजेश खन्ना के दर्जी से दीना पाठक ने रचाई थी शादी

राष्ट्रपति के सामने दी परफोर्मेंस, बेटियों का है आज बड़ा नाम

बॉलीवुड वैसे तो शो बिज की दुनिया है जो ग्लैमर से चकाचौंध है। इसी दुनिया में कुछ ऐसे सितारे भी हुए हैं जो अपने हुस्न से ज्यादा अपने हुनर के लिए सराहे गए हैं। जिन्होंने फिल्मों में एक से बढ़ कर एक रोल तो किए ही हैं। साथ में थियेटर में भी खूब काम किया है। गुजराती थियेटर को एक अलग मुकाम तक पहुंचाने का जिम्मा इस एक्ट्रेस ने बखूबी संभाला। खुद तो अभिनय जगत में खूब क्रिएटिव काम किया। उनके बाद उनकी बेटियों ने भी एक्टिंग की दुनिया में खूब नाम रोशन किया। क्या आप जानते हैं कौन है ये एक्ट्रेस।

दिलीप-राजेश के दर्जी संग की शादी

ये एक्ट्रेस हैं दीना पाठक। जो मौसम, घरोंदा, गोलमाल, चितचोर जैसी कई फिल्मों में दिख चुकी हैं। उन्होंने 120 फिल्मों में काम किया साथ ही गुजराती थियेटर को नए मुकाम पर पहुंचाया। दीना पाठक ने बलदेव पाठक से शादी की थी। उस जमाने में बलदेव पाठक दिलीप कुमार और राजेश खन्ना जैसे सितारों के कपड़े सिला करते थे। दीना को उनसे प्यार हो गया था और दोनों ने लव मैरिज की थी। दोनों की दो बेटियां हैं रत्ना पाठक और सुप्रिया पाठक। दोनों ही उम्दा एक्ट्रेस हैं और जबरदस्त थियेटर आर्टिस्ट भी हैं। बता दें कि रत्ना पाठक की शादी नसीरुद्दीन शाह के साथ हुई है। जबकि सुप्रिया पाठक ने शाहिद कपूर के पिता पंकज कपूर से शादी की।

राष्ट्रपति के सामने किया परफॉर्म

दीना पाठक ने बॉलीवुड में भले ही लीड रोल्स न किए हों लेकिन गुजराती थियेटर में खूब काम किया। जिसकी ख्याति राष्ट्रपति भवन तक भी पहुंची थी। वो ऐसी पहली गुजराती कलाकार थीं जिन्हें राष्ट्रपति भवन में अपने हुनर के जौहर दिखाने का मौका मिला था। साल 1957 में दीना पाठक ने देश के तत्कालीन राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद के सामने परफॉर्म किया था। एक्टिंग के अलावा दीना पाठक ने खूब सोशल सर्विस भी की। वो नेशनल फेडरेशन ऑफ इंडियन वूमेन की राष्ट्रीय अध्यक्ष भी रहीं।

कश्मीरी पंडितों के पलायन को 35 साल!

अनुपम खेर ने किया इमोशनल पोस्ट बोले- वे घर अब भी वही हैं....

कश्मीर घाटी में 90 के दशक में हिंदुओं के पलायन की दर्दनाक घटना घटी। उनमें से एक परिवार दिग्गज अभिनेता अनुपम खेर का भी था। एक्टर के दिल में आज भी वो जख्म हरा है और उन्होंने एक इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए उसे साझा किया है। कश्मीर घाटी में 90 के दशक में कश्मीरी हिंदू बड़ी संख्या में पलायन को मजबूर हुए थे। घाटी में आतंकवाद के कारण लाखों कश्मीरी हिंदू परिवारों को अपनी जमीन, घर और संपत्ति छोड़कर भागने के लिए मजबूर किया गया।

19 जनवरी को कश्मीरी हिंदुओं के पलायन दिवस के मौके पर अनुपम खेर ने उस काले दिन को याद करते हुए एक कविता सुनाई। भावुक कविता के एक-एक शब्द में विस्थापितों का दर्द छलका। कविता सुनते हुए अनुपम खेर की आंखें भी भर आईं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर अनुपम खेर ने कवि और फिल्म लेखक सुनयना काचरू की एक कविता सुनाई। सुनयना काचरू भी विस्थापित कश्मीरी पंडित हैं।

इसके साथ अनुपम खेर ने कैप्शन में लिखा, 19 जनवरी, 1990 कश्मीरी हिंदुओं का पलायन दिवस। 35 साल हो गए हैं, जब 5,00,000 से ज्यादा हिंदुओं को उनके घरों से बेरहमी से निकाल दिया गया था। वे घर अभी भी वहीं हैं, लेकिन उन्हें भुला दिया गया है। वे खंडहर हैं। इस त्रासदी की शिकार सुनयना काचरू भिडे ने उन घरों की यादों के बारे में दिल छूने वाली एक कविता लिखी। कविता की ये पंक्तियां उन सभी कश्मीरी पंडितों को वह मंजर याद दिला देंगी, जो इस भीषण त्रासदी के शिकार हुए थे। यह दुखद और सत्य दोनों है।

कश्मीरी पंडितों के घर शीर्षक वाली कविता को अनुपम ने पढ़ा, जिसमें डल झील, केसर की महक, पश्मीना शॉल और झेलम का जिक्र था। अनुपम खेर इन दिनों कंगना रनौत की फिल्म 'इमरजेंसी' में अपने अभिनय से चर्चा में हैं, जिसमें उन्होंने जयप्रकाश नारायण का किरदार निभाया है। यह फिल्म 1975 में भारत में लगे आपातकाल के घटनाक्रम पर आधारित है और इसमें कंगना रनौत ने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का किरदार अदा किया है। कंगना ने न केवल अभिनय किया है बल्कि इस फिल्म का निर्देशन भी किया है।

बंदिश बैंडिट्स की अभिनेत्री श्रेया चौधरी ने फिटनेस संबंधी समस्याओं पर पाया काबू!

वेब सीरीज बंदिश बैंडिट्स फेम श्रेया चौधरी ने अपने वजन और सेहत के साथ हुए अपने स्ट्रगल्स पर खुलकर बात की है, और बताया कि कैसे उन्हें 19 साल की उम्र में स्लिप डिस्क हो गई थी। 21 साल की एज में 30 किलो वजन कम करने के बाद, अब वो अपनी वेट लॉज जर्नी शेयर कर रही हैं। एक्ट्रेस को ऋतिक रोशन ने फिट होने के लिए इंस्पायर किया।श्रेया चौधरी ने अपने इंस्टाग्राम पर पुरानी और नई तस्वीरों को साझा करते हुए कबूल कि कैसे लंबे वक्त तक, उन्होंने अपने वजन के साथ संघर्ष किया और अपने बॉडी और हेल्थ की केयर नहीं की। हालांकि जब, 19 साल की कम उम्र में, उनका वजन बहुत बढ़ गया और उन्हें स्लिप डिस्क हो गई, तो उन्हें एक चेतावनी मिली। आखिरकार, उन्होंने खुद को हल्के में न लेने का फैसला किया और 30 किलो वजन कम किया।श्रेया ने अपनी पोस्ट में लिखा, मैंने खुद से कहा, मैं कभी हार नहीं मानूंगी। एक्ट्रेस ने बताया कि उन्होंने पहली बार फिटनेस और हेल्थ के साथ अपने स्ट्रगल के बारे में इसलिए बताया क्योंकि उन्होंने सशक्त और सुरक्षित महसूस किया। इसने उन्हें कुछ ऐसा शेयर करने के लिए प्रेरित किया जिसके बारे में उन्होंने कभी खुलकर बात नहीं की ताकि दूसरों को एम्पावर्ड महसूस कराया जा सके।जब मैं 19 साल की थी, तो मैं कई चीजों से गुजर रही थी। मैं सबसे अच्छी मानसिक स्थिति में नहीं थी। इस दौरान मेरा वजन काफी बढ़ गया। इसका असर मेरी फिटनेस और सेहत पर पड़ा। मैंने कोई भी फिजिकल एक्टिविटीज करना बंद कर दिया, और इससे चीजें और खराब हो गईं।आखिरी कील तब लगी जब मुझे इतनी कम उम्र में स्लिप डिस्क हो गई! मैं हमेशा से महत्वाकांक्षी थी। मैं हमेशा से करियर-फोकस्ड गर्ल बनना चाहती थी। और अब, मेरे पास कुछ ऐसा था जो मेरे सपनों का पीछा करने में एक बड़ी रुकावट बन गया। मुझे लगता है कि यह मेरे लिए एक बहुत बड़ी चेतावनी थी। मुझे यकीन नहीं हो रहा था कि मैंने खुद को हल्के में लिया है।जब श्रेया ने आखिरकार अपनी जिंदगी की बागडोर अपने हाथों में लेने का फैसला किया, तो उन्होंने अपनी भलाई पर ध्यान केंद्रित किया, और जब तक वह 21 साल की हुईं, उन्होंने 30 किलो वजन कम कर लिया। अपने नए रूप में, उन्हें स्लिप डिस्क की कोई वापसी नहीं हुई, जिसने उन्हें लापरवाह होने और और भी फिट होने पर फोकन करने को प्रेरित किया।

साड़ी पहन करिश्मा तन्ना ने दिखाया रॉयल अंदाज

टीवी की नागिन के देसी लुक पर फिदा हुए फैंस

टीवी एक्ट्रेस करिश्मा तन्ना आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती रहती हैं। उनका हर एक लुक फैंस के बीच आते ही छा जाता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपनी बेहद ही खूबसूरत लुक्स में फोटोज शेयर की हैं। इन फोटोज में करिश्मा का ग्लैमरस और स्टाइलिश लुक देखने को मिल रहा है।एक्ट्रेस करिश्मा तन्ना ने अपने करियर की शुरुआत छोटे पर्दे से की थी और अब वो फिल्मों में भी जाना-माना नाम बन चुकी हैं। ये ही नहीं एक्ट्रेस अपने ट्रेंडी फैशन लुक्स के लिए भी जानी जाती हैं।अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं। इन फोटोज में उनकी शोख अदाएं देखकर हर कोई उन पर फिदा हो गया है।बता दें कि एक्ट्रेस अपने फैशन सेंस के लिए हमेशा ही चर्चा में रही हैं। उनका स्टाइल कभी भी ओवर-द-टॉप नहीं होता, बल्कि वह हमेशा सिम्पल और एलीगेंट लुक्स में नजर आती हैं।चाहे पार्टी हो या फिर कोई भी इवेंट करिश्मा तन्ना अपने कैजुअल लुक्स में नजर आती हैं। करिश्मा हर आउटफिट में अपने स्टाइल को बखूबी कैरी करती है।करिश्मा तन्ना की इन फोटोज में आप देख सकते हैं उन्होंने ब्राउन कलर की सिंपल साड़ी पहनी हुई है, जिसमें वो एक से बढ़कर एक पोज देती हुई नजर आ रही हैं।

इमरजेंसी की कमाई में उछाल, नहीं बढ़ी अजय देवगन की आजाद की कमाई

कंगना रनौत की फिल्म इमरजेंसी की ज्यादातर लोगों ने तारीफ की है, इस फिल्म में कंगना की अदाकारी की भी खूब तारीफ हो रही है। वो बात अलग है कि कमाई के मामले में यह फीकी पड़ गई है।इसकी शुरुआत कुछ खास नहीं रही। दूसरे दिन फिल्म की कमाई में इजाफा जरूर हुआ, लेकिन इससे फिल्म को कुछ खास फायदा मिलता नहीं आ रहा है। उधर अजय देवगन की फिल्म आजाद का हाल-बेहाल है।सैकनिल्क के मुताबिक, इमरजेंसी ने पहले दिन 2.35 करोड़ रुपए कमाए थे और दूसरे दिन इसकी कमाई में मामूली इजाफा हुआ। रिलीज के दूसरे दिन इसने 3.50 करोड़ रुपये का कारोबार किया है।इस तरह 2 दिन में की इस फिल्म ने भारत में कुल 6.61 करोड़ रुपये कमा लिए हैं।यह कलेक्शन देख उम्मीद की जा रही है कि रविवार यानी तीसरे दिन भी फिल्म की कमाई में अच्छा उछाल आ सकता है।कंगना के खाते में पिछले 10 साल से एक भी हिट फिल्म नहीं आई है। 2015 में रिलीज हुई तनु वेड्स मनु रिटर्न्स उनकी आखिरी हिट फिल्म थी।इसके बाद आई लव न्यू यॉर्क, कट्टी बट्टी, रंगून और सिमरन बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप रहीं।2019 में आई फिल्म मणिकर्णिका बॉक्स ऑफिस पर औसत साबित हुई। इसके बाद कंगना जजमेंटल है क्या, पंगा, थलाईवी, धाकड़ और तेजस दिखीं, लेकिन ये तमाम फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह फ्लॉप हुईं.कंगना की इमरजेंसी रिलीज से पहले ही काफी विवादों में छा गई थी। इस फिल्म में कंगना ने पूर्व दिवंगत प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का किरदार निभाया है, वहीं फिल्म में अनुपम खेर, श्रेयस तलपड़े, मिलिंद सोमन, महिमा चौधरी दिवंगत अभिनेता सतीश कौशिक सहित कई कलाकार अहम भूमिका निभा रहे हैं।फिल्म की निर्माता-निर्देशक और लेखक कंगना ही हैं।25 करोड रुपये के बजट में बनी यह फिल्म कंगना के करियर के लिए बेहद अहम है।इमरजेंसी के सामने पर्दे पर उतरी आजाद ने पहले दिन जहां 1.50 करोड़ रुपये की की थी। वहीं, इसने दूसरे दिन भी करीब 1.50 करोड़ रुपये का ही कलेक्शन किया है।इस फिल्म ने अब तक भारत में करीब 3 करोड़ रुपये ही कमाए हैं। अजय ने भी फिल्म में अहम भूमिका निभाई है।इसके जरिए उनके भांजे अमन देवगन ने बॉलीवुड में कदम रखा है, रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी की भी यह पहली फिल्म है।

फिल्म मार्को ने रचा इतिहास

बनी ऐसी पहली, एक-एक सीन पर कांप उठेगी रूह

साउथ सिनेमा फिल्म इंडस्ट्री पर एक बार फिर कब्जा करता दिख रहा है। बॉलीवुड से कंटेंट और एक्शन के मामले में बहुत आगे जा चुका साउथ सिनेमा अब पीछे मुड़कर नहीं देखने वाला है। टॉलीवुड (तेलुगू), कॉलीवुड (तमिल), सैंडलवुड (कन्नड़) और मॉलीवुड (मलयालम) सदी में एक से एक धांसू फिल्म दे रहे हैं। इसकी बड़ी शुरुआत एस।एस राजामौली की तेलुगू फिल्म बाहुबली- द बिगनिंग से हुई थी। इसके बाद से साउथ सिनेमा हिंदी पट्टी के दर्शकों के लिए मास एंटरटेनर बन गया है। अब मलयालम सिनेमा की इस फिल्म ने इतिहास रच है। इस फिल्म को देखने के बाद किसी की भी रुह कांप उठेगी।145 मिनट की इस फिल्म का नाम मार्को है, जिसे महज 30 करोड़ रुपये के बजट में बनाया गया है। मॉलीवुड फिल्मों के डायरेक्टर हनीफ अडेनी ने इस फिल्म को लिखा और खुद डायरेक्ट किया है। फिल्म की सिनेमैटोग्राफी चंद्रू सेल्-वराज ने की है। फिल्म रवि बसरूर का म्यूजिक है। बीती 20 दिसंबर 2024 को रिलीज हुई फिल्म मार्को को सेंसर बोर्ड ने मारकाट वाली फिल्म करार दे इसे एडल्ट कैटेगरी (ए) का सर्टिफिकेट दिया था। मलयालम सिनेमा में ए कैटेगरी की मार्को पहली ऐसी फिल्म जिसने 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार किया है।फिल्म की स्टारकास्ट में उन्नी मुकुंदन, सिद्दीकी, जगदीश, अभिमन्यू तिलाकन, कबीर दुहान सिंह और अन्सोन पॉल हैं। फिल्म में दिल दिहला देने वाले मारकाट के सीन दिखाए जा रहे हैं, जिसकी वजह से इस फिल्म को बड़ी टीआरपी मिल रही है। ने बॉक्स ऑफिस पर अपने 28 दिन पूरे कर लिए हैं। सैकनिल्क के अनुसार, फिल्म ने 4।95 करोड़ रुपये से खाता खोला था। वहीं, फिल्म ने 100 करोड़ रुपये से ज्यादा का ग्रॉस कलेक्शन कर लिया है। बॉक्स ऑफिस पर राम चरण की फिल्म गेम चेंजर के बीच मार्को यह कमाल किया है। बता दें, आज 17 जनवरी को सिनेमा लवर्स डे के बीच फिल्म की टिकट का दाम

सिर्फ शब्दों में नहीं बल्कि प्रदर्शन कलाओं का भी हिस्सा है रघुनंदन

जानें मध्य भारत में प्रचलित भगवान श्रीराम का रूप

भारतीय लोकजीवन के आधार हैं श्रीराम। उनका जीवन इतना अद्भुत और नवीनतम है कि उसे बार-बार देखने और सुनने से मन नहीं भरता। अयोध्या में रामलला के विराजमान होने के बाद विश्वभर में श्रीराम का जयघोष गूंज रहा है। हर किसी का मन रामभक्ति में भावविभोर है। मध्य भारत की मिट्टी से भी श्रीराम का बहुत गहरा रिश्ता है। त्रेता युग में विदर्भ देश के राजा भोज की बहन इंदुमती का विवाह अज राजा से हुआ था। जो राजा दशरथ के पिता और राम के दादा थे। बाद में कौशल देश की राजकुमारी कौशल्या राजा दशरथ की रानी बनीं। उनके गर्भ से श्रीराम का जन्म हुआ। वनवास के समय भगवान राम, माता सीता और भ्राता लक्ष्मण चित्रकूट, छत्तीसगढ़ होकर रामटेक, दंडकारण्य, पंचाप्सर (लोनार) के रास्ते पंचवटी आए थे। यहीं से रावण ने सीताहरण किया था।

मार्ग में इगतपुरी के निकट ताकेड में जटायु का रावण से युद्ध हुआ। बाद में श्रीराम-लक्ष्मण बाणगंगा, येरमाला, येडशी, तुलजापुर, नलदुर्ग होते हुए माता सीता की खोज में लंका पहुंचे थे। रावण वध पश्चात श्रीराम-सीता और लक्ष्मण मध्य भारत की धरती से अयोध्या लौटे थे। इसलिए मध्य भारत की कला, साहित्य और संस्कृति में भगवान राम का बहुत गहरा प्रभाव है। ऐसा माना जाता है कि श्रीराम के वनगमन के बाद अयोध्यावासियों ने रामलीला का मंचन करना शुरू किया। आगे 16वीं शताब्दी में गोस्वामी तुलसीदास ने रामलीला का विस्तार किया, जो दक्षिण एशिया के विभिन्न देशों तक फैला। नृत्य, नाट्य, गीत, संगीत और रंगमंच के माध्यम से रामायण की प्रस्तुति होने लगी। मध्य भारत भी इससे अछूता नहीं रहा। तब से रामायण की सुनहरी परंपरा लोक में निहित है।

आभा में झलकते श्रीराम

इस क्षेत्र में रामलीला, भवाडा, नाच, ललित, आल्हा, लोक रामायण, बहुरूपिया रामायण, दशावतार, दंडार, सोंगी पात्र, बोहाडा, चित्रकथी, छायानाट्य, कठपुतली आदि प्रदर्शन कलाओं में रामायण नाट्य प्रचलित है, जिसमें बोहाडा सहजता से दृष्टिगोचर होते हैं। इन कलाओं से श्रीराम का नाता इतना बेजोड़ है कि इसका प्रस्तुतिकरण करने वाले कलाकारों के चेहरे की आभा में श्रीराम ही प्रतिबिंबित होने लगते है। घुमंतू 'बसदेवा' मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ समेत महाराष्ट्र में घुमक्कड़ी करके जीवनयापन करते हैं। उन्हे 'हरबोला', 'तुंबडीवाले', 'गंगापारी' के नामों से भी जाना जाता है। उनका पहनावा बड़ा आकर्षक होता है, वह माथे पर चंदन, सिर पर पगड़ी और धोती पहनते है। उनके पास तुंबडी, करताल, इकतारा जैसे वाद्य होते हैं। वे गायन की शुरुआत 'हे मोरे राम', 'राम राम' से करते है। वे तल्लीन होकर राम कथा से संबंधित आख्यानों का गायन करते हैं। राम जन्म, सीता स्वयंवर, सीता हरण, जटायु वध, बाली-सुग्रीव संघर्ष, सीता खोज, लंका दहन, राम-रावण युद्ध, अहिरावण-महिरावण, मेघनाथ वध, रावण वध आदि प्रसंगों को विस्तार से गाते हैं। उनका गायन मुख्यतः खड़ी हिंदी, बुंदेली, छत्तीसगढ़ी, मराठी आदि लोकभाषाओं में होता है।

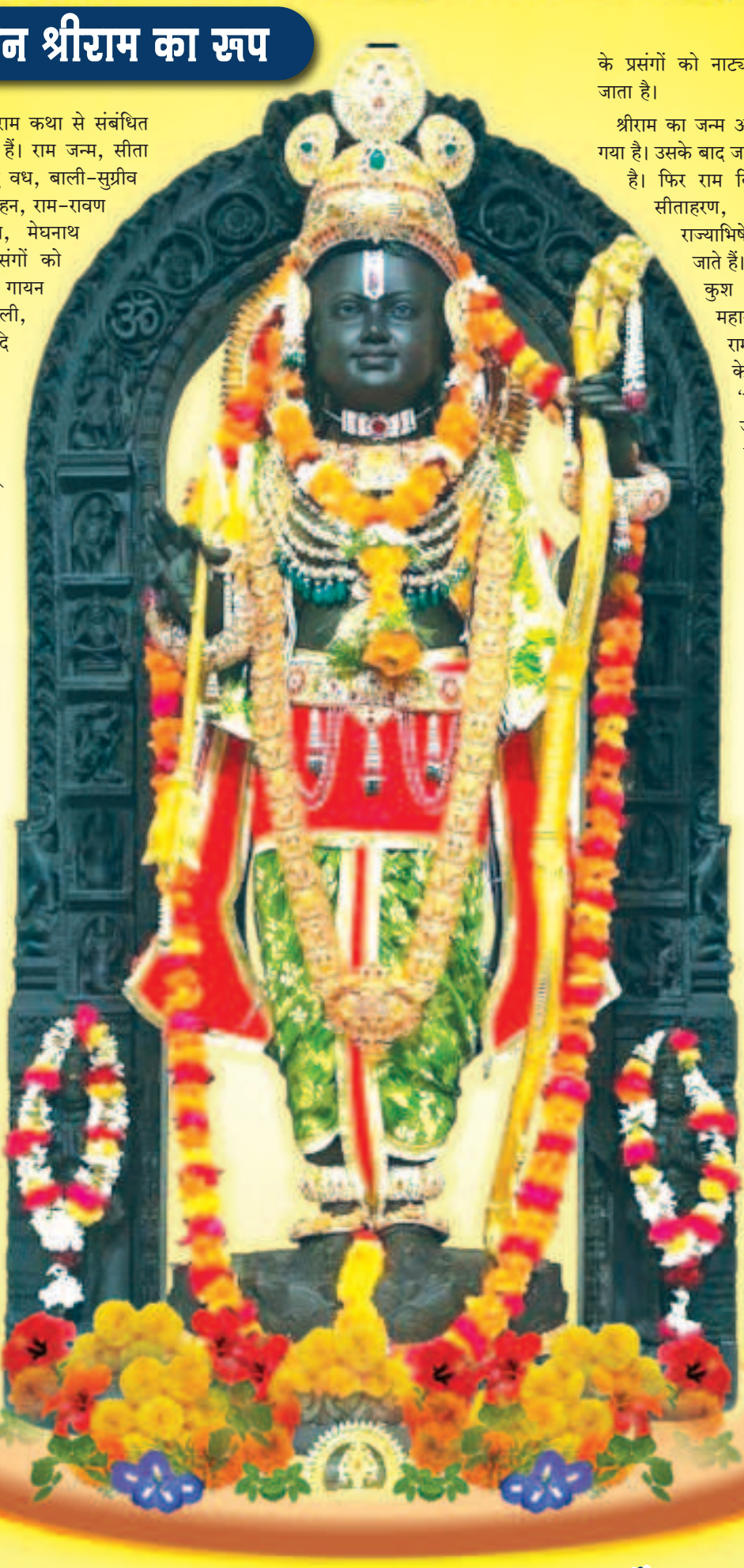

पौराणिक स्वरूपों में सजे बहुरूपिया

मध्य भारत में घुमंतू 'बहुरूपिया' भगवान शिव, राम-लक्ष्मण-सीता, हनुमान, नारद ऋषि-मुनि आदि के रूप (सोंग) लेकर गांव-गाव घूमते हैं, अपनी कला प्रदर्शित करते हैं। उनके कुछ समूह हारमोनियम, तबला और मंजीरा जैसे वाद्यों पर लगभग 10 दिनों तक रामकथा के अलग-अलग दृश्यों को नाट्य के माध्यम प्रस्तुत करते है। मराठा क्षेत्र में 'वासुदेव' काफी लोकप्रिय हैं। उनके सिर पर मोरपंखी टोपी, गले में तुलसी की माला, माथे पर चंदन होता है। वह आकर्षक पोशाक पहने, हाथों में चिपली, टाल की धुन पर वाचिक परंपरा के आख्यान एवं गीत गाते हैं, जिसमें रामायण बहुत लोकप्रिय है। जिसकी शुरुआत गणेश वंदना से होती है। कथा नृत्य और संवादों के माध्यम से आगे बढ़ती है। भगवान राम का प्रेरक जीवन, सीता की महिमा बताई जाती है। विदर्भ क्षेत्र में हर वर्ष गणेश चतुर्थी से कार्तिक पूर्णिमा तक 'दंडार' का आयोजन होता है, जो नृत्य, नाट्य एवं गायन द्वारा प्रस्तुत की जाती है। इसमें रामकथा के प्रसंगों को नाट्य के रूप में प्रस्तुत किया जाता है।

श्रीराम का जन्म अयोध्या के महल में दिखाया गया है। उसके बाद जनकपुरी में सीता स्वयंवर होता है। फिर राम विवाह, सीता का वनवास, सीताहरण, राम-रावण युद्ध, राम राज्याभिषेक आदि के परिदृश्य दिखाए जाते हैं। अंत में सीता वनवास, लव-कुश लीला दिखाई जाती है। महाराष्ट्र के कई गांवों में 'लोक रामायण' का आयोजन हर्षोल्लास के साथ होता है। विदर्भ में इसे 'ललित', 'भरतभेट' कहा जाता है। गांव से राम-सीता की बारात निकाली जाती है। इसमें भजन मंडली उत्साह से सम्मिलित होती है। गांव के कलाकार सहज भाव से अपनी कला को प्रदर्शित करते हैं। कोई भगवान राम तो कोई माता सीता बन जाता है। कोई रावण का रूप धारण करता है, तो कोई हनुमान। छोटे बच्चे वानर बन जाते हैं। बुजुर्ग सज्जन राजा दशरथ, राजा जनक, विभीषण आदि का किरदार निभाते हैं। झांझ, ढोल, मृदंग, मंजिरा आदि बजाकर संगीत प्रदान किया जाता है।

हर क्षेत्र की परंपरा में शामिल

कोंकण में कार्तिक पूर्णिमा के बाद ग्राम देवताओं के मेले लगते हैं। जिसमें 'दशावतार' नाट्य प्रस्तुत किए जाते हैं। दशावतार के उत्तररंग में रामायण से संबंधित नाट्य दिखाये जाते हैं। जिसमें 'दशरथ-कौशल्या विवाह', 'सीता स्वयंवर', 'भरत दर्शन', 'हनुमान जन्म', 'रामेश्वर लिंग स्थापना', 'वेडी-विजया', 'गोकर्ण महाबलेश्वर', 'अहिल्या उद्धार', 'लव-कुश' आदि प्रमुख हैं। मध्य भारत के कुछ हिस्सों में मातंग जाति के लोग डफला बजाते हैं। हर साल वे महाशिवरात्रि और श्रावण माह के दौरान सालबर्डी और चौरागढ़ (पंचमढ़ी) की पैदल तीर्थयात्रा करते हैं। उनके कंधे पर महादेव का बाण और हाथ में डफला होता है। यह समूह मुख्यतः महादेव-पार्वती के गीत गाते हैं। इन गीतों में रामकथा भी सुनाई जाती हैं। आदिवासी संस्कृति का भी रामायण से नजदीकी संबंध है। यहां कातकरी खुद को वानर सेना का वंशज मानते हैं। भील माता शबरी को अपना वंशज मानते हैं। सह्याद्रि क्षेत्र के आदिवासी हर साल बोहाडा उत्सव मनाते हैं। गांवों मे श्रीराम, भ्राता लक्ष्मण, माता सीता, रावण, हनुमान आदि के रूप लेकर जुलूस निकाला जाता हैं। रावण ताटी का नृत्य होता है।

भीलों में 'रोनम सीतामणी वारता' अर्थात भीली रामायण प्रचलित है। जिसे बारहमासा उत्सवों, पर्वों एवं अनुष्ठानों के दौरान प्रस्तुत किया जाता है। श्रावण-भाद्रपद माह में 'सीता कथा' सुनाने की प्रथा है। विवाह समारोह में 'राम-सीता विवाह', 'राम-सीता और लक्ष्मण का अरण्य खंड' होता है। किसी की मृत्यु होने पर सूतक, दसक्रिया अनुष्ठान, समाधि के अवसर पर 'नाई दशरथ राजा', 'श्रवण कुमार', 'जनक राजा' तो माघ माह में 'हनुमान का लंका कांड', 'राम-लक्ष्मण का लंका आगमन', 'रावण वध' जैसी कथायें बताई जाती हैं। यहां कोरकूओं की अलग मौखिक परंपरा है। कोरकू राम, लक्ष्मण, सीता, हनुमान के साथ-साथ रावण, मेघनाथ को भी देवता मानते हैं। कोरकू लोककथाओं में रामायण बताया जाता हैं, जिसमें राम, सीता और लक्ष्मण पूरी तरह से आदिवासियों की तरह जीवन अर्जित करते हैं। उनके जैसा ही खाना खाते हैं और उनकी जीवनशैली में जीते है। खानदेश में भील, कोंकणा, वारली, धानका, पावरा, मावची आदिवासियों के देवता, त्योहार, उत्सव प्रकृति से जुड़े हैं। डोंगर देव तथा कनसरी पूजन उनके बड़े उत्सव है।

इन उत्सवों के दौरान वाचिक परंपरा की रामायण सुनाई जाती है, जिसे थालगान कहते है। ठाकरों की प्रदर्शन कलाओं में 'कलसूत्री बाहुली', 'छायनाट्य' और 'चित्रकथी' आदि प्रमुख हैं। इन कलाओं में रामकथा प्रमुख होती है। यह लोग पुश्तैनी ढंग से रामायण प्रस्तुत करते हैं।

देखा जाए तो लोक संस्कृति के विभिन्न प्रकारों में रामायण प्रदर्शित की जाती है, जिसमें अपनी परंपराओं की मिट्टी की गंध है। जनजीवन के कई आयाम कलाओं में प्रकट होते हैं। हजारों वर्षों से रामकथा का जतन एवं संवर्धन इन कलाओं द्वारा सहजता से हो रहा है। श्रीराम से जनसामान्य का रिश्ता जोड़ने में यह कलाएं काफी अहम भूमिका निभाती आ रही है। इन कलाओं की विशेषता यह रही है कि जो कोई श्रीराम को जैसा महसूस करता है, वैसा ही प्रस्तुत करने का प्रयास करता है।

कब और कहां हुई थी भगवान श्री राम और हनुमान जी की पहली मुलाकात?

धार्मिक ग्रंथ रामायण में भगवान राम को पुरुषोत्तम बताया गया है और उनके जीवन से जुड़ी महत्वपूर्ण बातों के बारे में विस्तारपूर्वक बताया गया है। रामायण में वर्णित सभी घटनाओं का अधिक महत्व है। इनमें भगवान श्री राम और हनुमान जी की मुलाकात का भी उल्लेख देखने को मिलता है। इस बात को सभी लोग जानते होंगे कि राम जी के सबसे बड़े भक्त बजरंगबली थे। अब ऐसे में सवाल उठता है कि सच्चे भक्त यानी हनुमान जी की मुलाकात राम जी से कब और कहां हुई? अगर आप इस सवाल का जवाब जानना चाहते हैं, तो आइए आपको इस आर्टिकल में इस विषय के बारे में विस्तार से बताएंगे।

इस तरह हुई मुलाकात

वनवास के दौरान माता सीता के हरण के बाद भगवान श्री राम और लक्ष्मण ने माता सीता को खोजना शुरू किया। इस दौरान जंगल में भटकते-भटकते वह पर्वत के पास पहुंच गए, जिसे ऋष्यमूक पर्वत के नाम से जाना जाता है। राम जी और लक्ष्मण के ऋष्यमूक पर्वत पर पहुंचने पर वानरराज ने उन पर शक जाहिर किया। ऐसे में उनकी पहचान के लिए सुग्रीव ने बजरंगबली से कहा कि वन में 2 युवक भटक रहे हैं। आप इन दोनों के बारे में जरूर लगाइए की कि आखिर यह कौन हैं। साथ ही सुग्रीव ने कहा कि ऐसा तो नहीं है कि बालि ने हमको मारने के लिए भेजा हो।

इसके बाद हनुमान जी ने साधु का रूप धारण किया और राम जी से पूछा कि आप दोनों इस पर्वत पर किस उद्देश्य से आए हैं। उनके इस सवाल पर राम जी ने कहा कि मैं अपनी पत्नी सीता की खोज के लिए निकला हूं। मेरी पत्नी का अपहरण रावण ने किया है। इसलिए मैं उनका पता लगाने के लिए ऋष्यमूक पर्वत पर आया हूं।

प्रभु राम की इन बातों के सुनकर बजरंगबली बेहद भावुक हो गए। इसके बाद हनुमान जी ने कहा कि प्रभु मुझे क्षमा कर दें, जो मैने आपसे पूछा ये तो मेरा सिर्फ कार्य था। इसके बाद राम जी ने बजरंगबली को अपने गले से लगाया। रामायण के अनुसार, इसी दिन प्रभु श्री राम से पहली बार हनुमान जी की मुलाकात ऋष्यमूक पर्वत पर हुई थी।

भगवान राम ने माता वैष्णो को दिया था वचन जिसके पूरा होने का आज भी है इंतजार

माता वैष्णो देवी को त्रिकुटा नाम से भी जाना जाता है, क्योंकि जम्मू-कश्मीर त्रिकूट पहाड़ियों पर मां वैष्णो का धाम स्थापित है। वैष्णो देवी धाम की मान्यता दूर-दूर तक फैली हुई है। कठिन चढ़ाई होने के बाद भी लाखों की संख्या में यहां भक्त माता के दर्शन के लिए पहुचते हैं और दर्शन मात्र से उनकी मनोकामना पूर्ण होती हैं।

मिलती है यह कथा

कथा के अनुसार, धर्म की रक्षा के लिए भगवान विष्णु के अंश से एक कन्या का जन्म दक्षिणी भारत में रत्नाकर परिवार में हुआ, जिसका नाम त्रिकूटा रखा गया। छोटी उम्र में जब त्रिकूटा को ज्ञात हुआ कि भगवान विष्णु का जन्म श्रीराम के रूप हो चुका है, तब उन्होंने राम को अपने पति के रूप में प्राप्त करने के लिए तपस्या शुरू कर दी। कथा के अनुसार, जब माता सीता के हरण के बाद भगवान राम उनकी खोज में निकले, तो वह माता सीता को ढूंढते-ढूंढते रामेश्वरम तट पर पहुंच गए, जहां उनकी त्रिकूटा से हुई। तब देवी त्रिकूटा ने राम जी को पति रूप में प्राने की इच्छा प्रकट की।

प्रभु की प्रतिक्षा में काटा जीवन

तब भगवान श्रीराम ने वैष्णो देवी से कहा था कि उन्होंने इस अवतार में पत्नी व्रत लिया हुआ है और उनका विवाह सीता जी से चुका है। तब त्रिकुटा के बहुत अनुरोध करने पर भगवान राम ने उन्हें यह वचन दिया कि लंका से लौटते समय वह उनके पास आएंगे। अगर आप मुझे उस रूप में पहचान लेती हैं, तो मैं आपसे विवाह कर लूंगा। इसके बाद त्रिकुटा, प्रभु श्रीराम का इंतजार करने लगी।

था यह वचन

अपना वचन निभाते हुए प्रभु श्रीराम लंका से लौटते समय एक साधु का वेष धारण कर देवी त्रिकूटा से मिलने पहुचें, लेकिन भगवान राम की माया से त्रिकूटा उन्हें पहचान नहीं पाई। जब प्रभु श्रीराम अपने असली रूप में आए, तब त्रिकुटा काफी निराश हो गई।

भगवान श्रीराम ने देवी त्रिकूटा से कहा कि आप त्रिकूटा पर्वत पर एक दिव्य गुफा में तीनों महाशक्तियों, महाकाली, महालक्ष्मी और महासरस्वती पिण्डी रूप में विराजमान होंगी। यहां आपको वैष्णों देवी के नाम से जाना जाएगा। साथ ही उन्होंने यह भी वचन दिया था कि कलियुग में वे कल्कि में आएंगे और तब उनका विवाह वैष्णों देवी से होगा।

संपादकीय

मुफ्तखोरी के चुनाव

भाजपा का दिल्ली संकल्प-पत्र भी मुफ्त की रेवड़ियों का संकलन लगता है। इसी के साथ सभी प्रमुख राजनीतिक दलों ने मुफ्तखोरी के पिटारे खोल दिए हैं। यह मुफ्तखोरी का दौर है। यदि औसत आदमी को बिजली, पानी, शिक्षा, स्वास्थ्य मुफ्त में ही मिल जाएं। 'आयुष्मान भारत' योजना के साथ 5 लाख रुपए तक का इलाज (यानी 10 लाख रुपए तक मुफ्त) भी 'फ्री' में उपलब्ध हो जाए। यदि 2100 रुपए से 2500 रुपए तक माहवार मुफ्त में ही महिलाओं को मिलते रहें, यदि बुजुर्गों की पेंशन भी 2500-3000 रुपए तय कर दी जाए, तीर्थ-यात्रा भी मुफ्त में कराई जाए, बस-यात्रा और मेट्रो-यात्रा भी मुफ्त या आधी हो जाए, देश भर में 81 करोड़ से ज्यादा गरीबों को मुफ्त अनाज बांटने के अतिरिक्त 5 रुपए में भरपेट खाने की योजना भी मिल जाए, तो बेहद अहम सवाल है कि काम कौन और क्यों करेगा? यदि देश में कमेरों की संख्या लगातार कम होती जाएगी, तो देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का क्या होगा? औसत व्यक्ति की मांग, उपभोग ही कम होते जाएं, तो उत्पादन और बाजार के हालात कैसे होंगे? जिस देश में अधिकतर आबादी मुफ्तखोरी पर जिंदा हो, तो उसकी अर्थव्यवस्था 'विकसित' कैसे हो सकती है? पहले किसी भी चुनाव में, रात के अंधेरों में, शराब के साथ नोट भी बांटे जाते थे, लेकिन अब खुल्लमखुल्ला पैसा ही नहीं, साड़ी, कंबल, चादर, जूते-चप्पल और सोने की चेन (जैसी चर्चा है) तक बांटी जा रही हैं। आचार-संहिता की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। सब खामोश और मूकदर्शक बने हैं। यह जनादेश का चुनाव है या एक-एक वोट खरीदा जा रहा है अथवा लोकतंत्र ही बेचा जा रहा है। मुफ्तखोरी की इस राजनीति ने आम आदमी को 'भिखारी' ही बना दिया है। प्रधानमंत्री मोदी के दो बयान गौरतलब हैं, लेकिन विरोधाभासी भी हैं। प्रधानमंत्री ने करीब दो साल पहले, किसी चुनाव में ही, कहा था कि रेवड़ियों की संस्कृति से देश का बंटाधार हो जाएगा। देश की अर्थव्यवस्था के लिए यह बहुत खतरनाक है। दूसरा बयान था- 'रेवड़ी कल्चर जनता को मूर्ख बनाने की कोशिश है।' विरोधाभास यह है कि प्रधानमंत्री की पार्टी भाजपा ही सबसे अधिक, व्यापक स्तर पर, रेवड़ियां बांट रही है। आम आदमी पार्टी (आप) की राजनीति तो दिल्ली, पंजाब तक सीमित है। कांग्रेस की तीन राज्यों में ही सरकारें हैं। भाजपा-एनडीए की सरकारें 20 से अधिक राज्यों में हैं। सवाल है कि देश प्रधानमंत्री के बयान पर भरोसा करे अथवा चुपचाप 'मुफ्तखोरी का माल' ग्रहण करता रहे? 'आप' के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने तो रेवड़ियों को 'भगवान का प्रसाद' माना है। 'आप' की दलीलें हैं कि उद्योगपतियों के 15-16 लाख करोड़ रुपए माफ किए जा सकते हैं, तो आम आदमी को कुछ सुविधाएं देना भी कल्याणकारी सरकारों का दायित्व है। दिल्ली चुनाव में मुफ्तखोरी की तो बहार है, लेकिन किसी भी दल ने नौकरी, रोजगार मुहैया कराने की चरणबद्ध योजना की घोषणा नहीं की है। यह प्रवृत्ति फिलहाल तो दिल्ली चुनाव में ही देखी जा रही है, अलबत्ता अन्य राज्यों के चुनावों में भी ऐसा लगता है मानो खुलेआम रिश्वत बांटी जा रही है! दिल्ली में भाजपा को यह घोषणा भी करनी पड़ी है कि यदि उनकी सरकार आई, तो 'आप' सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को भी जारी रखा जाएगा। उन्हें अधिक कारगर और भ्रष्टाचार-मुक्त बनाया जा सकता है। यदि भाजपा 'आप' सरकार की योजनाओं को भी जारी रखना चाहती है, तो सवाल है कि फिर भाजपा को ही जनादेश क्यों दिया जाए? बहरहाल अभी देश पर करीब 200 लाख करोड़ रुपए का कर्ज है। यह कर्ज क्यों लेना पड़ा, देश के सामने स्थिति साफ नहीं है, लेकिन जीडीपी का मोटा हिस्सा कर्ज चुकाने में ही खर्च हो जाता है। राज्यों पर भी 3 लाख करोड़ से लेकर 7.5 लाख करोड़ रुपए तक के कर्ज हैं। दिल्ली अद्र्धराज्य में भी 15,881 करोड़ रुपए का वित्तीय घाटा दिखाया गया है। ऐसे देश में मुफ्तखोरी की राजनीति करना, रेवड़ियों की बढ़-चढ़ कर घोषणाएं करना क्या देशहित में है? स्पष्ट रूप से कहा जा सकता है कि देश की राजनीति इस समय मुफ्तखोर जनता को पैदा कर रही है। कई देशों में इस तरह की राजनीति के भयंकर परिणाम सामने आ चुके हैं। अब समय आ गया है कि मुफ्तखोरी की राजनीति को रोकने के लिए सभी दलों को देशहित में सोचना होगा।

> 'आयुष्मान भारत' योजना के साथ 5 लाख रुपए तक का इलाज (यानी 10 लाख रुपए तक मुफ्त) भी 'फ्री' में उपलब्ध हो जाए। यदि 2100 रुपए से 2500 रुपए तक माहवार मुफ्त में ही महिलाओं को मिलते रहें, यदि बुजुर्गों की पेंशन भी 2500-3000 रुपए तय कर दी जाए, तीर्थ-यात्रा भी मुफ्त में कराई जाए, बस-यात्रा और मेट्रो-यात्रा भी मुफ्त या आधी हो जाए, देश भर में 81 करोड़ से ज्यादा गरीबों को मुफ्त अनाज बांटने के अतिरिक्त 5 रुपए में भरपेट खाने की योजना भी मिल जाए, तो बेहद अहम सवाल है कि काम कौन और क्यों करेगा? यदि देश में कमेरों की संख्या लगातार कम होती जाएगी, तो देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का क्या होगा? औसत व्यक्ति की मांग, उपभोग ही कम होते जाएं, तो उत्पादन और बाजार के हालात कैसे होंगे

विवादों को सुलझाने में मदद करने के लिए न्यायिक परिवेश बेहतर बनाने की डगर पर आगे बढ़े

प्रवासियों से बढ़ेगा विदेशी निवेश

डा. जयंतीलाल भंडारी

> वस्तुत: विदेशों में भारत के प्रवासी भारत के राजदूत हैं और अपने-अपने देशों में प्रभाव रखते हैं। ऐसे में अब भारत ने 2024 तक विकसित देश बनने का जो लक्ष्य रखा है, उस लक्ष्य को पाने के लिए प्रवासी भारतीयों से नए सहयोग की अपेक्षा है। अपेक्षा है कि प्रवासी भारत की विभिन्न परियोजनाओं में स्वयं निवेश करें और अपने विदेशी मित्रों को भी निवेश के लिए प्रेरित करें। उल्लेखनीय है कि 18वें प्रवासी भारतीय सम्मेलन के बाद प्रवासी भारत के विकास में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) बढ़ाने के लिए प्रेरित हुए हैं।

हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 9 जनवरी को ओडिशा के भुवनेश्वर में 18वें प्रवासी भारतीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि इस समय जहां भारत के प्रवासी भारत के विकास में बड़ा योगदान दे रहे हैं, वहीं भारत के टैलेंट का डंका पूरी दुनिया में बज रहा है। हमारे प्रोफेशनल दुनिया की बड़ी कंपनियों के जरिए ग्लोबल ग्लोब में अपना अभूतपूर्व योगदान रहे हैं। वस्तुतः विदेशों में भारत के प्रवासी भारत के राजदूत हैं और अपने-अपने देशों में प्रभाव रखते हैं। ऐसे में अब भारत ने 2024 तक विकसित देश बनने का जो लक्ष्य रखा है, उस लक्ष्य को पाने के लिए प्रवासी भारतीयों से नए सहयोग की अपेक्षा है। अपेक्षा है कि प्रवासी भारत की विभिन्न परियोजनाओं में स्वयं निवेश करें और अपने विदेशी मित्रों को भी निवेश के लिए प्रेरित करें। उल्लेखनीय है कि 18वें प्रवासी भारतीय सम्मेलन के बाद प्रवासी भारत के विकास में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) बढ़ाने के लिए प्रेरित हुए हैं। इस सम्मेलन में शामिल कई प्रवासी उद्यमी और कारोबारी यह कहते हुए दिखाई दिए कि नए वर्ष 2025 में भारतीय प्रवासियों से एफडीआई से संबंधित उजली संभावनाओं को मुट्ठी में लेने के लिए यह जरूरी होगा कि भारत विदेशी निवेश की सीमा बढ़ाने, नियामक बाधाओं को हटाने, बुनियादी ढांचे के विकास, व्यापार-कारोबार में बेहतरी, निवेश की क्षेत्रीय सीमाओं को उदार बनाने, नियामक प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने, नौकरशाही संबंधी बाधाओं को कम करने और कॉरपोरेट को उनके विवादों को सुलझाने में मदद करने के लिए न्यायिक परिवेश बेहतर बनाने की डगर पर आगे बढ़े। गौरतलब है कि प्रवासी भारतीयों ने वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के द्वारा जारी रिपोर्ट पर भी विशेष रूप से ध्यान दिया, जिसके मुताबिक देश में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) का प्रवाह अप्रैल 2000 से सितंबर 2024 तक 1000 अरब डॉलर को पार कर गया है। खास तौर से चालू वित्त वर्ष 2024-25 में अप्रैल से सितंबर 2024 के दौरान 42.1 अरब डॉलर का विदेशी निवेश आया है। यह निवेश 60 सेक्टर, 31 राज्य और केंद्र शासित क्षेत्रों में रहा है तथा यह एफडीआई का अब तक का रिकॉर्ड प्रवाह है। खास बात यह भी है कि वर्ष 2014 के बाद से अब तक पिछले 10 वर्षों में 667.4 अरब डॉलर का एफडीआई आया है। भारत के आर्थिक विकास की यात्रा में एफडीआई का यह विशाल आकार एक बड़ी उपलब्धि है। यह वैश्विक आर्थिक व्यवस्था में भारत के

बढ़ते प्रभाव को भी दिखाता है। यदि हम भारत में एफडीआई के स्रोत देशों की ओर देखें तो पाते हैं कि भारत में एफडीआई का सबसे बड़ा स्रोत मॉरीशस रहा है। मॉरीशस ने कुल विदेशी निवेश में 25 प्रतिशत का योगदान दिया है। सिंगापुर 24 प्रतिशत एफडीआई के साथ दूसरे स्थान पर है। अमेरिका 10 प्रतिशत निवेश के साथ तीसरे स्थान पर है। इसके अलावा बड़े निवेशक देशों में नीदरलैंड्स, जापान और ब्रिटेन शामिल हैं। भारत में जिन क्षेत्रों में विदेशी निवेश आकर्षित हुआ है, उनमें आईटी, फाइनेंशियल सर्विसेज, टेलीकम्युनिकेशंस, ट्रेडिंग, इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कंसल्टेंसी सहित सर्विस सेक्टर प्रमुख सेक्टर हैं। निःसंदेह देश को विदेशी निवेश का पसंदीदा देश बनाने में तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था की अहम्‌भूमिका है। पिछले वित्त वर्ष 2023-24 में देश की विकास दर अनुमानों से अधिक 8.2 फीसदी रही है और इस चालू वित्त वर्ष 2024-25 में भी यह करीब 7 फीसदी रह सकती है। भारत में तेजी से विदेशी निवेश आकर्षित होने के कई कारण हैं। भारत विश्व अर्थव्यवस्था में नई शक्ति प्राप्त कर रहा है। चार वैश्विक रुझान जनसांख्यिकी, डिजिटलीकरण, डीकार्बोनाइजेशन और डीग्लोबलाइजेशन न्यू इंडिया के पक्ष में हैं। भारत में मजबूत राजनीतिक नेतृत्व है। जिन सुधारों से विदेशी निवेश आकर्षित हुए हैं, उनमें मेक इन इंडिया पहल, आर्थिक उदार नीतियां, जीएसटी, प्रतिस्पर्धी श्रमिक लागत और रणनीतिक प्रोत्साहन, कई सेक्टर में 100 प्रतिशत एफडीआई की अनुमति, स्टार्टअप फंडिंग के लिए एंजेल टैक्स खत्म होना, विदेशी कंपनियों के लिए कारपोरेट टैक्स में कमी प्रमुख हैं। इतना ही नहीं, भारतीय बाजार बढ़ती डिमांड वाला बाजार है। देश में प्रतिभाशाली नई पीढ़ी की कौशल दक्षता, आउटसोर्सिंग और देश में बढ़ते हुए मध्यम वर्ग की चमकीली क्रयशक्ति के कारण विदेशी निवेश भारत की ओर तेजी से बढने लगा है। भारत में उद्योग-कारोबार को आसान बनाने के लिए विगत 10 वर्षों में करीब 1500 पुराने कानूनों और 40 हजार अनावश्यक अनुपालन को समाप्त कर दिया गया है। आर्थिक क्षेत्र में दिवालिया कानून जैसे सुधार किए गए हैं। कानून के कई प्रावधानों को अपराध की श्रेणी से बाहर करने और एफडीआई के लिए नए रास्ते जैसे अभूतपूर्व कदमों से देश की ओर विदेशी निवेश का प्रवाह तेजी से बढ़ते हुए दिखाई दे रहा है। इसमें कोई दो मत नहीं है कि प्रवासी भारतीय इस बात से वाकिफ हुए हैं कि वैश्विक स्तर पर सुस्त बाजारों और चीन की आर्थिक रफ्तार सुस्त होने के बीच भारत ने विदेशी निवेश प्राप्त करने का अब तक एक शानदार मुकाम हासिल किया है। विनिर्माता और निवेशक चीन का विकल्प तलाश रहे हैं और इस समय एशिया में अधिकांश निवेशकों को भारत से बेहतर कोई नहीं दिख रहा है। देश की अर्थव्यवस्था की चाल में लगातार सुधार और विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफपीआई) से अच्छा निवेश प्राप्त होने की बदौलत भारतीय शेयरों में तेजी दर्ज की जा रही है। देश में शेयर बाजार ने शानदार प्रदर्शन किया है। विदेशी निवेश की बदौलत भारत विश्व में नई परियोजनाओं की घोषणा करने वाला तीसरा देश बन गया है और अंतरराष्ट्रीय परियोजना वित्त सौदों में दूसरा सबसे बड़ा देश बन गया है। निश्चित रूप से देश का बढ़ता मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर देश में एफडीआई की बड़ी ताकत बन गया है। मैन्युफैक्चरिंग आउटपुट में चीन दुनिया में पहले स्थान पर है। साथ ही मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में भारत 456 अरब डॉलर विनिर्माण मूल्य के साथ दुनिया में पांचवें स्थान पर है तथा भारत नया विश्व मैन्युफैक्चरिंग हब बनने की ओर अग्रसर है। भारत के मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को जिस तरह सुविधाओं के साथ तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है, उससे दुनिया भर के निवेशक भारत आने के लिए उत्सुक हैं। इस समय भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया की सबसे बड़ी पांचवी अर्थव्यवस्था है। अब इसे तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने और भारत को विकसित देश बनाने की डगर पर आगे बढ़ाने के लिए उद्योगपतियों के द्वारा अहम भूमिका निभाई जा रही है। हम उम्मीद करें कि इस वर्ष 2025 में सरकार प्रवासी भारतीयों और उनके विदेशी मित्रों से भारत के लिए अधिक एफडीआई प्राप्त करने के नए रणनीतिक प्रयास करेगी। साथ ही एफडीआई के लिए भारत को पसंदीदा देश बनाए जाने की बहुआयामी संभावनाओं को साकार करने के लिए सरकार और अधिक प्रयास करेगी।

दृष्टि कोण

बच्चों की परवरिश-दिशा पर हो व्यापक चिंतन

भारतीय बच्चों की परवरिश एक महत्वपूर्ण विषय है, जो उनके भविष्य को आकार देता है। बच्चों की परवरिश के दौरान उन्हें विभिन्न मूल्यों, संस्कारों और ज्ञान की प्राप्ति होती है। लेकिन जब वे युवा बन जाते हैं, तो वे अपने जीवन की दिशा के बारे में सोचने लगते हैं। आजकल के युवा अपने जीवन की दिशा के बारे में बहुत सोचते हैं। वे अपने सपनों को पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं। लेकिन कई बार वे अपने जीवन की दिशा के बारे में सोचते समय भ्रमित हो जाते हैं। हम भारतीय बच्चों की परवरिश के बाद युवा किस दिशा में जाने के बारे में चर्चा करें, तो हम देखते हैं कि माता-पिता स्वयं संकुचित जीवन जीकर कम संसाधनों में जीवनयापन करके अपने बच्चों का जीवन बेहतर हो, इस बात के लिए चिंतित रहते हैं तथा अपनी अधिकांश कमाई बच्चों के भविष्य निर्धारण में खपाते हैं। साथ ही भारतीय बच्चों की परवरिश के दौरान उन्हें शिक्षा और करियर के बारे में बहुत जोर दिया जाता है। वे अपने माता-पिता और शिक्षकों से प्रेरणा लेते हैं और अपने सपनों को पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं। आजकल के युवा अपने करियर के बारे में बहुत सोचते हैं। वे अपने सपनों को पूरा करने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में करियर बनाने की कोशिश करते हैं। लेकिन कई बार वे अपने करियर के बारे में सोचते समय भ्रमित हो जाते हैं और अपने जीवन को एक अलग ही दिशा में मोड़ लेते हैं, जहां से वापसी असंभव सी प्रतीत होती है। भारतीय बच्चों की परवरिश के दौरान उन्हें सामाजिक जिम्मेदारी के बारे में भी सिखाया जाता है। वे अपने माता-पिता और शिक्षकों से प्रेरणा लेते हैं और समाज की सेवा करने के लिए काम करते हैं। आजकल के अधिकतर युवा अपने समाज की सेवा करने के लिए बहुत काम करते हैं। वे विभिन्न सामाजिक कार्यों में शामिल होते हैं और समाज की सेवा करने के लिए काम करते हैं। वो तो ठीक है प्रशंसनीय है, मगर एक समय था जब ज्यादातर भारतीय माता-पिता अपने बच्चों के लालन-पालन से जुड़ी हर चिंता से तकरीबन मुक्त रहते थे। देश में जो नया मध्यवर्ग पिछले दो-ढाई दशक में तैयार हुआ है, वह अपने बच्चों के लालन-पालन, शिक्षा और भविष्य संबंधी तैयारियों से लेकर उनके लिए हर किस्म की सुख-सुविधाएं जुटाने के लिए काफी सक्रिय है। बच्चों को वह हर सहूलियत देना चाहता है, जो शायद उसे अपने बचपन में नहीं मिली, लेकिन इस चाहत ने अभिभावकों को न सिर्फ बेतहाशा खर्च का दबाव झेलने को मजबूर किया है, बल्कि ऐसे संकट भी पैदा कर दिए हैं जो जानलेवा भी साबित हो रहे हैं। कुछ समय पहले उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में आधी रात के बाद एक आलीशान कार में सवार छह युवा हादसे का शिकार हो गए। दुर्घटना को लेकर काफी कुछ कहा गया। जैसे किसी ने दूसरी कार से होड़ लेने, तो किसी ने पार्टी से लौटते इन युवाओं के शराब के नशे में होने और कार की रफ्तार ज्यादा होने के अंदाजे लगाए। दुर्घटना से जुड़े तथ्यों की जांच में हो सकता है कि आखिर में कोई सच सामने आए। मगर एक चीज को फिर भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता, वह है परवरिश। आज की पीढ़ी की परवरिश कैसी है, इसे शायद ही किसी जांच में परखा जाता हो। मगर देर रात पार्टी, नशीले पदार्थों का सेवन, आधुनिक फोन और गैजेट से लेकर फैशनेबल कपड़ों और महंगी कारों के शौकीन अठारह से बाइस-चौबीस साल के नौजवानों को देख कर लगता है कि उनकी जिंदगी में कोई अभाव नहीं है। न उन्हें अपने भविष्य की चिंता है और न ही इसकी कोई फिक्र है कि अगर नौकरी नहीं मिली तो क्या होगा। जरूरी नहीं कि ऐसे दृश्य सिर्फ दिल्ली और मुंबई जैसे महानगरों में आम हों। लखनऊ, चंडीगढ़, देहरादून, नोएडा, गुरुग्राम, हैदराबाद, हर मझोले और बड़े शहरों में करीब एक जैसी स्थिति दिखाई देती है। हिमाचल प्रदेश भी इन घटनाओं में शामिल है। शहरों में नए मध्यमवर्ग का एक हिस्सा ऐसा है जहां अभिभावक अपनी संतानों को महंगी से महंगी चीजें दिला रहे हैं।

कुछ अलग

रोजगार सृजन हो और महंगाई पर नियंत्रण

आज़ादी के बाद, संविधान द्वारा यह घोषणा की गई थी कि हम प्रजातांत्रिक तरीके से समाजवाद की स्थापना करेंगे, यानी अमीर-गरीब के भेद को मिटाएंगे। हालांकि, संविधान को अंगीकार करने के पौन सदी बाद भी यह भेद जस का तस बना हुआ है। देश में प्रगति तो हो रही है, लेकिन वह चंद धनकुबेरों की संपत्ति बनकर रह गई है। आज भी 10 प्रतिशत लोग देश की 90 प्रतिशत संपत्ति पर हावी हैं, जबकि 90 प्रतिशत लोग 10 प्रतिशत संपत्ति से अपना जीवन यापन कर रहे हैं। वर्ष 2047 तक देश को पूरी तरह से विकसित बनाने का लक्ष्य रखा है और यह सपना देखा है कि भारत विश्व गुरु बनेगा। वर्तमान सरकार के 11 वर्षों में हमने देश को दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी आर्थिक महाशक्ति बना दिया है और अगले वर्षों में तीसरी महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर हैं। हालांकि, यह सपना है, पर क्या वास्तविकता में अमीर-गरीब का भेद मिट पाया है? क्या मेहनत करने वालों को रोजगार मिला है? और क्या वजह है कि हर संकट में गरीब और भी अधिक परेशान होता है, जबकि अमीर और भी समृद्ध हो जाते हैं। नए आंकड़े बताते हैं कि एशिया में सबसे अधिक खरबपति भारत में हैं। भारत को 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनाने का सपना बहुत आकर्षक है, लेकिन इसके लिए जीडीपी विकास दर 8-9 प्रतिशत के बीच रहनी चाहिए। हालांकि, 2024-25 के आर्थिक वर्ष की आखिरी तिमाही में जीडीपी विकास दर पिछले चार सालों में सबसे कम रही, जो 5.4 प्रतिशत तक गिर गई। इसका कारण महंगाई, शहरी मांग में कमी, महंगी वस्तुएं और घटती उपभोक्ता शक्ति बताई जा रही है। इसके अतिरिक्त, पूंजी निवेश में कमी और उत्पादकता में अवरोध भी आर्थिक मंदी के कारण बने। वर्ष 2023-24 में भारत ने 8.2 प्रतिशत की अभूतपूर्व वृद्धि हासिल की थी, जो दर्शाता है कि यदि सही नीतियां अपनाई जाएं, तो आर्थिक वृद्धि संभव है। आगामी बजट में वित्तमंत्री को इस मंदी का ध्यान रखते हुए ऐसे कदम उठाने होंगे जो निवेश को प्रोत्साहित करें, उत्पादकता बढ़ाएं, और रोज़गार के अवसर सृजित करें। इसके परिणामस्वरूप मांग में वृद्धि होगी और बाजारों में निरुत्साह की स्थिति को रोका जा सकेगा। कृषि, जो देश का प्रमुख क्षेत्र है और जिसमें 62 प्रतिशत श्रम लगा है, अब उसके जीडीपी योगदान में गिरावट आ रही है। कोविड महामारी के प्रभाव से शहरी औद्योगिक और उत्पादक क्षेत्रों से श्रम बल वापस ग्रामीण इलाकों में लौट आया है, और अब वे शहरों में काम करने के लिए तैयार नहीं हैं। आंकड़ों के अनुसार, 16 प्रतिशत श्रम बल कृषि से अन्य क्षेत्रों में गया था, लेकिन पिछले दस वर्षों में 19 प्रतिशत श्रम बल खेती में लौट आया है, जबकि खेती की उत्पादकता अन्य क्षेत्रों से कम है। सेवा क्षेत्र और पर्यटन ने जीडीपी में बड़ा योगदान दिया है, लेकिन रोजगार की संभावना सीमित है। सरकार के मेक इन इंडिया, स्किल इंडिया और उत्पादन लिंक्ड इंसेंटिव योजनाओं के बावजूद पूंजी निर्माण की कमी के कारण ये योजनाएं सफल नहीं हो पाई। शहरी उपभोग में गिरावट के साथ ग्रामीण उपभोग में वृद्धि हुई है।

देश दुनिया से

आपातकालीन विसंगतियों के ज्वलंत प्रश्न

अब सबको पता है कि एसजीपीसी के अध्यक्ष हरजिंदर सिंह धामी शिरोमणि अकाली दल के सदस्य हैं और यह सिख संस्थान भी आरएसएस की भांति अपनी विधिवत स्थापना की 100वीं वर्षगांठ मना रहा है, इस पर अभी भी काफी हद तक सुखबीर बादल के नेतृत्व वाली पार्टी का नियंत्रण है। आप कह सकते हैं कि एसजीपीसी के एक पदाधिकारी ने तर्कहीन ढंग से जरनैल सिंह भिंडरांवाले को 'महान' ठहराते हुए यह समझाने की कोशिश की है कि संस्थान कंगना की फिल्म का बहिष्कार क्यों कर रहा है-कदाचित 'सिखों को गलत रूप में पेश किया है' के नाम पर, क्योंकि फिल्म में भिंडरांवाले को श्रीमती गांधी से यह कहते हुए देखा गया है: 'अगर वे एक अलग राज्य देंगी, तो वह उन्हें सिखों की वोटें सुनिश्चित करवाएगा', दूसरे शब्दों में खालिस्तान- जो कि असली दुनिया में संभव नहीं है, जहां तथ्य और कल्पना स्पष्ट रूप से चिन्हित और अलहदा होते हैं और जाहिर है फिल्मों में काल्पनिक घटनाएं डाली होती हैं। लेकिन यह पंजाब है, एक ऐसा राज्य जिसका प्रदर्शन कुछ मापदंडों पर खास बुरा नहीं है- निश्चित रूप से यह खुद के लिए भोजन, कपड़े और शिक्षा का इंतजाम करने में पर्याप्त रूप से सक्षम है, वर्ना इसके शहर और गांव उत्तर प्रदेश और बिहार के प्रवासी मजदूरों से भरे न होते- लेकिन यहां अधिकांशतः तोड़ी-मरोड़ी राजनीतिक भावना इतनी हावी रहती है कि वास्तविकता उतनी होती नहीं जितनी प्रतीत होती है। सो यह व्यापक परिदृश्य कंगना-विरोध और उसकी फिल्म इमरजेंसी की मुखालफत के पीछे है। इसके कारक पांच सूत्र कहे जा सकते हैं। सबसे पहला यह कि कंगना एक ध्रुवीकरण करने वाली शख्सियत हैं, जो पूर्व में हुए और अब पिछले कई महीनों से चल रहे किसान आंदोलन की कटु आलोचना करती आई हैं, पिछले साल जून में सीएसआईएफ की एक महिला कांस्टेबल ने इसको कारण बताते हुए उन्हें थप्पड़ भी जड़ दिया था। दूसरा सूत्र, किसान आंदोलन फिर से जोर पकड़ने लगा है। किसान यूनियन के नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल की भूख हड़ताल जारी है, जिससे एक और 'मरजीवड़ा जत्था' तैयार हो गया, जिसका शाब्दिक अर्थ है आत्मबलिदानी, 111 किसानों की यह टोली अपनी मांगें मनवाने के लिए 'करो या मरो' की नीति के साथ, हरियाणा से होकर दिल्ली पहुंचने के लिए कृत संकल्प है। लेकिन यह भी उतना ही स्पष्ट है कि इस बार किसान पंजाब की नब्ज पर हाथ रखने में उतने सफल नहीं रहे, जैसा कि चार साल पहले कर पाए थे – दिल्ली की तो बात ही छोड़िए – तब प्रधानमंत्री मोदी को तीनों कृषि कानूनों को वापस लेने के लिए मजबूर होना पड़ा था, यह एकमात्र ऐसा मौका था जिसने उन्हें अपने कहे से पीछे हटने को मजबूर किया था। डल्लेवाल का तथाकथित 'सत्याग्रह' आज विफल हो रहा है। सवाल मंशा को लेकर है। तीसरा, किसी को उम्मीद होगी कि किसानों के विरोध से लोगों को होने वाली परेशानी के फलस्वरूप कम से कम कुछ तो जमीन भाजपा की ओर खिसकेगी। इसके साथ ही, भाजपा को उम्मीद जगी है कि सिख किसानों और पंजाब के मध्य वर्ग की शहरों में बसने की ललक–जिसके तहत वे लुधियाना, जालंधर और

अमृतसर की कूड़े-कर्कट से भरी सड़कों वाले माहौल में रहने की बजाय कनाडा में बसना कहीं ज़्यादा बेहतर समझते हैं– इससे लोगों का झुकाव मोदी की और अधिक बनेगा। चौथा, यहीं पर भाजपा गच्चा खा गई। भले ही किसानों के विरोध के ढंग में सब कुछ गलत हो लेकिन फिर भी भाजपा को इससे कोई लाभ नहीं होने वाला। वास्तव में, स्थिति इसके ठीक उलट है। पंजाब की राजनीति कई दिशाओं में बिखरती लग रही है – आज तीन अकाली दल हैं, जिनमें खडूर साहिब से नए बने सांसद और कट्टरपंथी सिख नेता अमृतपाल की 'वारिस पंजाब दे' से लेकर सिमरनजीत सिंह मान के अकाली दल (अमृतसर) के अलावा बादल की पुरानी पार्टी शामिल है, जो कि खुद आंतरिक रूप से विभाजित है, भले ही इसके असंतुष्ट राजनेता अलग-अलग दलों में जा रहे हैं, ज्यादातर 'आप' में – लेकिन भाजपा में शामिल होने को अभी भी वर्जित माना जाता है। पूर्व वित्त मंत्री मनप्रीत बादल जैसे भाजपा उम्मीदवारों की या तो जमानत जब्त हो गई या वे हालिया उपचुनावों में अंतिम स्थान पर रहे। पांचवां सूत्र, यह सवाल कि क्यों पंजाब खुद को एक 'अलहदा ध्रुव' मानता है, जो ठीक उसका उलट करे जो करना दिल्ली को पसंद हो - 'अकाल तख्त' बनाम 'दिल्ली तख्त'? इसका उत्तर भी उतना ही सरल है। पंजाबियों का मानना है कि दिल्ली को इनकी परवाह नहीं है, अगर होती तो वह राज्य सरकार के साथ मिलकर इसकी अनेकानेक समस्याओं को ठीक करने में मदद करती – जिसमें धान और अब गेहूं की खरीद से लेकर ड्रोन एवं अन्य तरीकों से आते नशे की समस्या, कानून व्यवस्था की गिरती हालत और इसके अलावा गैंगस्टर-वाद और अन्य अनगिनत समस्याएं। लेकिन सबसे महत्वपूर्ण कारण जिसके लिए एसजीपीसी -और नाखुश पंजाबियों का एक बड़ा वर्ग- 'इमरजेंसी' की स्क्रीनिंग के खिलाफ है, वह यह है कि उन्हें डर है कि फिल्म पंजाब को देश और दुनिया के बाकी हिस्सों के सामने 'बुरे अक्स' में पेश करती है- जिसका मतलब है, आज वाले 'खालिस्तानी' भी भिंडरांवाले से कम बुरे नहीं हैं। उनकी सोच है कि इस फिल्म से बाकी भारत यह मान बैठेगा कि पंजाब आज उस भयानक दौर में फिर से वापस फिसल सकता है क्योंकि इसने एनएसए और यूएपीए कानून के तहत जेल में बंद एक कट्टरपंथी सिख के अलावा इंदिरा गांधी के हत्यारे के बेटे को सांसद चुना है – आशंकित करने के लिए इतना काफी है। विद्रोही होने तक तो बात ठीक है, लेकिन कट्टरपंथ? सच तो यह है कि बहुत कम लोग समझ सकते हैं कि कैसे उन भयानक वर्षों के दौरान पंजाब ने अपना नुकसान किया था (कोई आश्चर्य नहीं, आज कनाडा बैठों के इशारे पर) और अब वह दुःस्वप्न फिर से वापसी कर सकता है, तमाम उन रंगों में, पंजाब को जतलाने कि इसके साथ गलत क्या है। लोगों को निराश करने के लिए यह काफी है। अमृतसर से राजनीति शास्त्र के दो विशेषज्ञ जगरूप सिंह सेखों और परमजीत सिंह जज, जिन्होंने पिछले इन कई दशकों में पंजाब का पराभव देखा, वे मौजूदा व्याप्त दिशाहीनता का जिक्र करते हुए कहते हैं कि संस्थानों में विश्वास की कमी, कृषि संकट, अस्पष्ट भावी रोडमैप जैसे कारक हैं। सेखों ने कहा 'लोगों ने दिल छोड़ दिया है'।

आप का नजरिया

जाम में फंसे फासले

भारत सरकार ट्रैफिक जाम से निजात दिलाने के लिए एक नई योजना लेकर आ रही है, जिसके तहत आरंभिक तौर पर करीब सौ शहरों के परिवहन नक्शे बदले जाएंगे। इन शहरों में प्रवेश व निकास की सहूलियत के लिए रिंग रोड बाइपास बनाए जाएंगे। ट्रैफिक नियंत्रण की इस परियोजना में राज्यों की राजधानियां व प्रमुख शहर आएंगे, लेकिन आरंभिक दौर में हिमाचल का इस योजना में शामिल होना मुश्किल दिखाई दे रहा है। अभी हाल ही में बर्फबारी की सूचना मात्र ने अटल टनल के मार्ग पर पचास हजार वाहनों का अनथक जमावड़ा लगा दिया। इसी तरह भिन्न-भिन्न अवसरों पर हिमाचल के पर्यटक, धार्मिक एवं प्रशासनिक शहरों में ट्रैफिक जाम एक बड़ी समस्या बन कर उभरी है। बेशक प्रधानमंत्री ग्रामीण सडक़ योजना के कारण हिमाचल के भीतरी हिस्सों में से गुजराना आसान हुआ है, लेकिन प्रमुख शहरों के फासले अब जाम में फंस रहे हैं। ऐसे में पर्वतीय ट्रैफिक नियंत्रण के लिए केंद्र को इस प्रदेश में अधिकतम रिंग रोड बनाने में उदारता दिखानी होगी। हिमाचल में ट्रैफिक नियंत्रण की ज्यादातर समस्या तो वन विभाग की अनापत्तियों को लेकर है। बढ़ते ट्रैफिक जाम से मुक्ति के लिए अगर वनापत्तियों से शीघ्र मुक्ति मिल जाए, तो परिवहन की सुविधा को संतोषजनक बनाने में सहूलियत मिलेगी। हिमाचल में सेब, सब्जी या फल सीजन को देखते हुए माल ढुलाई गलियारों के दृष्टिगत काम करना होगा। बेशक फोरलेन परियोजनाओं के अस्तित्व में आते कुछ राहत मिलेगी, लेकिन फोरलेन से जुड़ती जिला, राज्य व ग्रामीण स्तर की सडक़ों की स्थिति में सुधार की गुंजाइश है। प्रदेश में ट्रैफिक जाम से छुटकारा दिलाने की एक बड़ी कोशिश शिमला के महत्त्वाकांक्षी रज्जु मार्ग के मार्फत हो रही है और अगर इसी तर्ज पर कुछ अन्य शहर भी जुड़ें तो यह परिकल्पना कारगर सिद्ध होगी। हिमाचल के पर्यटक व धार्मिक स्थलों से दस किलोमीटर पहले ही महापार्किंग बना कर तमाम पर्यटक वाहन रोक देने चाहिएं। इसके आगे का सफर छोटे सार्वजनिक वाहनों से उपलब्ध कराया जाए या महापार्किंग स्थल से रज्जु मार्ग जोड़े जाएं। प्रमुख मंदिरों के परिसर से कुछ किलोमीटर दूर हटकर वाहन रोककर पूरी दर्शन व्यवस्था रज्जु मार्ग या इलेक्ट्रिक कार्ट के माध्यम से शुरू करनी होगी। बहरहाल हिमाचल के प्रमुख शहरों में सडक़ मार्गों का नया सर्वेक्षण अभिलषित है और इसी के तहत रिंग रोड बाइपास का नेटवर्क बनाना पड़ेगा। फोरलेन के आधार से नई सडक़ें या शहरों एवं पर्यटक स्थलों को जोड़ते मार्गों का विस्तार कुछ इस तरह से हो कि प्रवेश और निकास के छोर अलग-अलग हो जाएं। हिमाचल में निजी वाहनों के प्रति बढ़ता क्रेज तथा सैलानियों को लेकर आ रहे वाहनों के दबाव को देखते हुए केंद्र की ट्रैफिक जाम योजना में हिमाचल के अनेक शहरों को शामिल करना होगा। ट्रैफिक नियंत्रण के लिए वन भूमि के इस्तेमाल की छूट मिलनी चाहिए। प्रदेश के ग्रामीण स्तर से शहरों तक अब खुले मैदानों के विकास हेतु वन भूमि चाहिए। इसी के साथ सडक़ों से अव्यवस्थित बाजारों तथा वाहन वर्कशाप को हटाने के लिए भी जंगल से वैकल्पिक समाधान के लिए भूमि चाहिए।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अवांछित विचार दिमाग़ में छा सकते हैं। ख़ुद को शारीरिक व्यायाम का मज़ा लेने दें, क्योंकि खाली दिमाग़ शैतान का घर होता है। अपने धन का संचय कैसे करना है यह हुनर आज आप सीख सकते हैं और इस हुनर को सीख कर आप अपना धन बचा सकते हैं। एक पारिवारिक आयोजन में आप सभी के ध्यान का केन्द्र होंगे। रात के समय आज आप घर के लोगों से दूर होकर अपने घर की छत या किसी पार्क में टहलना पसंद करेंगे। वक्त कैसे गुजर जाता है इस बात का अहसास आज आपको अपने किसी पुराने मित्र से मिलकर हो सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

अपनी शारीरिक चुस्ती-फुर्ती को बनाए रखने के लिए आप आज का दिन खेलने में व्यतीत कर सकते हैं। आर्थिक रुप से आज आप काफी मजबूत नजर आएंगे, ग्रह नक्षत्रों की चाल से आज आपके लिए धन कमाने के कई मौके बनेंगे. शाम का ज़्यादातर समय मेहमानों के साथ गुज़रेगा। संभव है आज आप अपने प्रिय को टॉफ़ी वग़ैरह दें। सामाजिक और धार्मिक समारोह के लिए बेहतरीन दिन है। बाग़बानी करना आपके लिए सुकून भरा हो सकता है – इससे पर्यावरण को भी लाभ पहुँचेगा।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

अगर आपने किसी शख्स को पैसा उधार दिया था तो आज आपको वो पैसा वापस मिलने की उम्मीद है। आपको परिवार के सदस्यों और दोस्तों के साथ बिताने के लिए पर्याप्त समय मिलेगा। मौज-मस्ती के लिए घूमना संतोषजनक रहेगा। सुबह जीवनसाथी से आपको कुछ ऐसा मिल सकता है, जिससे आपका सारा दिन ख़ुशगवार गुज़रेगा। काम की अधिकता आज आपको मानसिक रुप से परेशान कर सकती है। हालांकि शाम के वक्त थोड़ी देर ध्यान करके आप अपनी ऊर्जा वापस पा सकते हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

दूसरों के साथ ख़ुशी बांटने से सेहत और खिलेगी। घर में कुछ बदलाव लाने के लिए पहले बाक़ी लोगों की राय भली-भांति जान लें। रोमांस को झटका लगेगा और आपके क़ीमती तोहफ़े भी आज जादू चलाने में विफल रहेंगे। अपनी ख़ासियत और भविष्य की योजनाओं पर फिर से सोचने का समय। जीवनसाथी द्वारा परिवार और मित्रों के बीच नकारात्मक तरीक़े से आपके वैवाहिक जीवन की निजी बातें उजागर हो सकती हैं। वक्त कैसे गुजर जाता है इस बात का अहसास आज आपको अपने किसी पुराने मित्र से मिलकर हो सकता है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

अपने ऊर्जा-स्तर को फिर से बढ़ाने के लिए पूरा आराम करें, क्योंकि थका हुआ शरीर दिमाग़ को भी थका देता है। आपको अपनी असली क्षमताओं को पहचानने की ज़रूरत है, क्योंकि आपमें क्षमता की नहीं बल्कि इच्छा-शक्ति की कमी है। आज आपके माता-पिता में से कोई आपको धन की बचत करने को लेकर लेक्चर दे सकता है, आपको उनकी बातों को बहुत गौर से सुनने की जरुरत है नहीं तो आने वाले समय में परेशानी आपको ही उठानी पड़ेगी। अपने सामर्थ्य से ज्यादा काम करना आपके लिए नुकसानदायक साबित होगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

ज़िन्दगी की बेहतरीन चीज़ों को शिद्दत से महसूस करने के लिए अपने दिल-दिमाग़ के दरवाज़े खोलें। चिंता को छोड़ना इसकी ओर पहला क़दम है। ज़रूरत से ज़्यादा ख़र्च करने और चालाकी-भरी आर्थिक योजनाओं से बचें। अपना अतिरिक्त समय निःस्वार्थ सेवा में लगाएँ। यह आपको और आपके परिवार को ख़ुशी और दिली सुकून देगा। अगर अपने लव पार्टनर को अपना जीवनसाथी बनाना चाहते हैं तो उनसे आज बात कर सकते हैं। हालांकि बात करने से पहले आपको उनके मनोभावों को जान लेना चाहिए। अगर आप किसी विवाद में उलझ जाएँ तो तल्ख़ टिप्पणी करने से बचिए।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज आपको बेवजह पैसा खर्च करने से खुद को रोकना चाहिए नहीं तो जरुरत के समय आपके पास पैसे की कमी हो सकती है। कोई पुराना दोस्त शाम के समय फ़ोन कर पुरानी यादें ताज़ा कर सकता है। आपकी मुलाक़ात एक ऐसे दोस्त से होगी, जिसे आपका ख़याल है और जो आपको समझता भी है। किसी पार्क में घूमते समय आज आपकी मुलाकात किसी ऐसे शख्स से हो सकती है जिससे अतीत में आपके मतभेद थे। जीवन की उलझनों का हल आपको खुद ढूंढने की जरुरत है क्योंकि लोग आपको बस सलाह दे सकते हैं और कुछ नहीं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

व्यस्त दिनचर्या के बावजूद स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। बीते दिनों में जितना धन आपने आज को बेहतर बनाने के लिए इनवेस्ट किया था उसका फायदा आज आपको फायदा मिल सकता है। परिवार के सदस्य कई चीज़ों की मांग कर सकते हैं। अपने प्रिय को आज निराश न करें– क्योंकि ऐसा करने की वजह से बाद में आपको पछताना पड़ सकता है। आज ऐसी कई सारी चीज़ें होंगी – जिनकी तरफ़ तुरन्त ग़ौर करने की आ-वश्यकता है। अलग-अलग नज़रिए के चलते आपके और आपके जीवनसाथी के बीच वाद-विवाद हो सकता है। अपना पसंदीदा संगीत सुन सकते हैं ।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज आप उम्मीदों की जादुई दुनिया में हैं। आज आप अपने घर के वरिष्ठ जनों से पैसे की बचत करने को लेकर कोई सलाह ले सकते हैं और उस सलाह को जिंदगी में जगह भी दे सकते हैं.आज आप ऐसे इंसान से मिल सकते हैं, जो आपको ख़ुद अपनी ज़िन्दगी से ज़्यादा चाहता होगा। आप खाली समय में अपने पसंदीदा काम करना पसंद करते हैं, आज भी आप ऐसा ही कुछ करने का सोचेंगे लेकिन किसी शख्स के घर में आने की वजह से आपका यह प्लान चौपट हो सकता है छात्र जिस विषय में कमजोर हैं उस विषय के बारे में आज अपने टीचर से बात कर सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

सेहत अच्छी रहेगी। आपका कोई दोस्त आपसे आज बड़ी रकम उधार मांग सकता है, अगर आप उनको यह रकम देते हैं तो आप आर्थिक तंगी में आ सकते हैं। बच्चे की पढ़ाई के बारे में चिंता करने की ज़रूरत नहीं है। आज के दिन आपके कुछ दोस्त आपके घर में आ सकते हैं और उनके साथ आप समय बिता सकते हैं ज़रूरत के वक़्त आपका जीवनसाथी आपके परिवार की अपेक्षा अपने परिवार को ज़्यादा तरजीह देता हुआ नज़र आ सकता है। आपकी बातें आज आपके करीबियों को समझ नहीं आएंगी जिसकी वजह से आप परेशानी महसूस करेंगे।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज आपके पास ख़ुद के लिए पर्याप्त समय होगा, तो मौक़े का फ़ायदा उठाएँ और अच्छी सेहत के लिए पैदल सैर पर जाएँ। अगर आप घर से बाहर रहकर जॉब या पढ़ाई करते हैं तो ऐसे लोगों से दूर रहना सीखें जो आपका धन और समय बर्बाद करते हैं। घर के किसी सदस्य के व्यवहार की वजह से आप परेशान रह सकते हैं। आपको उनसे बात करने की जरुरत है। कई बार मोबाइल चल-ते-चलाते आपको समय का पता ही नहीं चलता और फिर जब आप अपना समय बर्बाद कर चुके होते हैं तो आपको पछतावा होता है

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

तंग आर्थिक हालात के चलते कोई अहम काम बीच में अटक सकता है। परिवार के सदस्य कई चीज़ों की मांग कर सकते हैं। रोमांस के नज़रिए से आज ज़िन्दगी बहुत जटिल रहेगी। आज सोच-समझकर क़दम बढ़ाने की ज़रूरत है– जहाँ दिल की बजाय दिमाग़ का ज़्यादा इस्तेमाल करना चाहिए। आपका जीवनसाथी आपकी ज़रूरतों को अनदेखा कर सकता है, जिसके चलते आप चिड़चिड़े हो सकते हैं। आपकी तंदरुस्ती आज आपके घर वालों को ख़ुशी देगी।

मंगलवार का पंचांग

दिनांक : 21 जनवरी 2025, मंगलवार
विक्रम संवत : 2081
मास : माघ ,कृष्ण पक्ष
तिथि : सप्तमी दोपहर 12:42 तक
नक्षत्र : चित्रा रात्रि 11:37 तक
योग : धृति रात्रि 03:48 तक
करण : बव दोपहर 12:42 तक
चन्द्रराशि : कन्या प्रातः 10:04 तक
सूर्योदय : 06:49 , सूर्यास्त 06:05 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:45 , सूर्यास्त 06:15 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:40 , सूर्यास्त 06:07 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:39 , सूर्यास्त 05:58 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : कालाष्टमी
श्री रामानन्दाचार्य जयंती

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

न्यायसंगत कर प्रणाली के लिए प्रतिबद्ध राज्य सरकार : भजनलाल

जयपुर,20 जनवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य में उद्योग के लिए अपार संभावनाएं हैं तथा उद्योग एवं सेवा क्षेत्र राजस्थान की अर्थव्यवस्था में तीन-चौथाई योगदान देते हैं। उन्होंने कि राज्य सरकार इन दोनों क्षेत्रों के लिए अनुकूल वातावरण तैयार कर रही है, जिससे प्रदेश की अर्थव्यवस्था को 350 बिलियन डॉलर तक ले जाने के संकल्प को पूरा किया जा सके। उन्होंने कहा कि प्रतिनिधियों के सुझावों का समुचित परीक्षण के पश्चात आगामी बजट 2025-26 में शामिल करने हरसंभव प्रयास किया जाएगा।

शर्मा सोमवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में उद्योग, व्यापार, कर सलाहकार संघों एवं सेवा क्षेत्र के प्रतिनिधियों के साथ दो सत्रों में आयोजित बजट पूर्व चर्चा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि औद्योगिक वृद्धि से अर्थव्यवस्था के मजबूत होने के साथ ही, लोगों को के अवसर भी मिलते हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने अपने कार्यकाल के पहले ही साल में राइजिंग राजस्थान समिट का आयोजन, आर्थिक क्षेत्र के लिए नवीन नीतियां लागू करना, बड़े निवेश समझौते करना जैसे निर्णय किए, जिससे राज्य में आर्थिक दिशा को एक नई गति मिली।

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार के प्रयासों से आज राजस्थान औद्योगिक विकास, निवेश, स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यटन जैसे सभी क्षेत्रों में एक विशेष पहचान बना रहा है। प्रदेश की निवेश अनुकूल नीतियों से एमएसएमई के पंजीकरण तेजी से बढ़ रहे हैं। पिछले एक साल करीब 5 लाख सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों के पंजीकरण हुए हैं तथा एमएसएमई इकाइयों के पंजीयन में राजस्थान का चौथा स्थान है। उन्होंने कहा कि देश का सबसे बड़ा राज्य राजस्थान अब बड़े अवसरों की भूमि बन रहा है। सौर एवं पवन ऊर्जा उत्पादन में भी प्रदेश अग्रणी बन गया है। शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार ने अल्प अवधि में ही कुशल वित्तीय प्रबंधन के साथ राज्य की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ किया है, जिसके फलस्वरूप 2024 में जीएसडीपी की वृद्धि दर 12.56 प्रतिशत दर्ज की गई उन्होंने कहा कि राज्य के पूंजीगत व्यय को भी 65.94 प्रतिशत बढ़ाया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना-2024 लाई गई है, जिससे प्रदेश के संतुलित एवं समावेशी विकास और रोजगार के अवसरों को मिलेगा। शर्मा ने कहा कि सरकार कृषि एवं कृषकों के सम्पूर्ण विकास के लिये प्रतिबद्ध है। सरकार द्वारा 66 लाख किसानों को किसान सम्मान निधि की अतिरिक्त किश्त 650 करोड़ रूपये की राशि सीधे बैंक खातों में स्थानान्तरित की गई। राजस्थान के इतिहास में पहली बार हमारे प्रदेश के को राज्य सरकार द्वारा इतनी बड़ी राशि सीधे उनके बैंक खातों में स्थानान्तरित की गई। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने 11 नए औद्योगिक क्षेत्रों की स्थापना के लिए वित्तीय स्वीकृति, पांच नवीन श्रीराम जानकी औद्योगिक क्षेत्रों को भूखंड आवंटन, यूनिटी मॉल के लिए वित्तीय स्वीकृति एवं भूमि आंवटन विभिन्न कदम औद्योगिक विकास के लिए उठाए हैं।

शर्मा ने कहा कि कर केवल राजस्व संग्रह का माध्यम नहीं है, बल्कि यह प्रदेश के विकास का आधार है। कर से होने वाली आय का उपयोग अधिकतम जनकल्याणकारी कार्यों में हो, इसी सिद्धान्त को कर राज्य सरकार कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि करों के माध्यम से अर्जित राजस्व को शिक्षा, स्वास्थ्य, बुनियादी ढांचे और सामाजिक कल्याण के क्षेत्रों में व्यय कर विकास का लाभ समाज के हर वर्ग तक पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने आमजन को राहत पहुंचाने के लिए अभूतपूर्व निर्णय किए हैं। हमारी सरकार ने डीजल व पेट्रोल पर प्रचलित वैट की दरों को तर्कसंगत बनाते हुये 2 प्रतिशत की कमी की जिसके फलस्वरूप दरों में एकरूपता आई और आमजन भी सस्ती दरों पर तेल उपलब्ध हुआ। साथ ही, सीएनजी और पीएनजी की वैट दर को 14.5 प्रतिशत से घटाकर 10 प्रतिशत किया गया।इस दौरान उद्योगपतियों ने राइजिंग राजस्थान समिट के सफल आयोजन के लिए मुख्यमंत्री का आभार जताया। बैठक में सी.आई.आई, राजस्थान चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज, राजस्थान चैप्टर दलित इंडियन चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज, भारतीय उद्योग व्यापार मंडल, राजस्थान खाद्य पदार्थ व्यापार संघ, गारमेंट एक्सपोर्ट एसोसिएशन ऑफ राजस्थान, राजस्थान सर्राफा संघ, एस-ोचेम, फिक्की, राजस्थान टैक्स बार एसोसिएशन, दी राजस्थान टैक्स कंसल्टेंट एसोसिएशन, लघु उद्योग भारती, रेवाड़ी औद्योगिक एसोसिएशन, फेडरेशन ऑफ माइंस एसोसिएशन, विश्वकर्मा औद्योगिक कोटा इंडस्ट्रीज एसोसिएशन, स्टील चेंबर्स, सोप मैन्युफैक्चरिंग, ऑयल, सीमेंट, प्लास्टिक, सिरेमिक, टाउनशिप, रियल स्टेट, टैक्सटाईल सहित विभिन्न सेक्टर्स के संगठनों के प्रतिनिधि मौजूद थे।

पशुपालकों की आर्थिक उन्नति के हो अधिकाधिक कार्य : बागडे

जयपुर,20 जनवरी (एजेंसियां)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने सोमवार को महाराष्ट्र के अहमदनगर जिले स्थित कोपरगांव तालुका में गोदावरी खोरे सहकारी दुग्ध संघ में गोदावरी दुग्ध इकाई, दुग्ध शुद्धिकरण मशीन, कर्मचारी निवास हेतु भवन का शिलान्यास करते हुए वहां पर 1.5 मेगावाट क्षमता के सोलर प्लांट से विद्युतीकरण का लोकार्पण किया। इस दौरान उन्होंने वहां पर कर्मचारियों के लिए एटीएम मशीन के अंतर्गत बीमा पत्रों का भी वितरण किया।

राज्यपाल बागडे ने कहा कि पशुपालकों की आर्थिक उन्नति के लिए सबको मिलकर कार्य करने की आवश्यकता है। उन्होंने दुग्ध संघों द्वारा दुग्ध उत्पादन के उसका प्रभावी वितरण और उससे पशुपालकों को कैसे अधिकाधिक लाभ मिले, इसके लिए निरंतर प्रयास किए जाने का आह्वान किया।

राज्यपाल ने गोदावरी खोरे सहकारी दुग्ध संघ को स्थानीय दुग्ध उत्पादकों के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि सहकारी आंदोलन के तहत स्थानीय पशुपालकों के लिए यह उपक्रम निरंतर रहा है। उन्होंने दुग्ध उत्पादक किसानों के आर्थिक उत्थान के लिए गोदावरी खोरे सहकारी दुग्ध संघ द्वारा पशु रोग निदान और पशु संचार जैसी गतिविधियों को भी महत्वपूर्ण बताया।उन्होंने कहा कि दुग्ध संग्रहण केन्द्रों के माध्यम से दूध एकत्र कर उसका प्रभावी वितरण करने के साथ ही दुध से उत्पादों की पैकेजिंग और डेयरी आंदोलन के जरिए पशुपालकों का विकास हम सभी का लक्ष्य होना चाहिए।

राज्य सरकार के एक वर्ष पूरा होने के उपलक्ष्य में

उष्ट्र रोग निदान एवं उपचार शिविर आयोजित

जयपुर,20 जनवरी (एजेंसियां)।

राज्य सरकार के एक वर्ष पूरा होने के उपलक्ष्य पशुपालन विभाग ने प्रदेश भर में एक दिवसीय उष्ट्र रोग निदान एवं उपचार शिविरों का आयोजन किया। पशुपालन निदेशक डॉ आनंद सेजरा ने बताया कि राज्य के 34 जिलों में 129 शिविर आयोजित किए गए जिनमें कुल 35517 पशुओं के विभिन्न रोगों की चिकित्सा की गई। उन्होंने बताया कि से अधिक आयोजित हुए शिविर में जैसलमेर में 12, बाड़मेर में 11 तथा जोधपुर और बीकानेर में 10-10 शिविर आयोजित किए गए।

उन्होंने बताया कि शिविरों में उपचार के लिए कुल 24 हजार 651 ऊंट आए जिनमें से 7 हजार 157 ऊंटों में सर्रा रोग का जबकि 17 हजार ऊंटों में अन्य रोगों का उपचार किया गया। इन शिविरों में ऊंटों के अलावा अन्य पशुओं का भी इलाज किया गया जिनकी कुल संख्या 10 हजार 866 रही। राज्य के कुल 2 हजार 135 पशुपालकों ने इन शिविरों में भाग लिया और अपने पशुओं का मौके पर उपचार कराया। में शामिल होने वाले पशुपालकों में 69 महिला पशुपालक थीं जबकि 2066 पुरुष पशुपालक थे जिन्होंने इन शिविरों का लाभ उठाया। जैसलमेर, जोधपुर, बाड़मेर, बीकानेर और हनुमानगढ़ जिलों के पशुपालकों में इन शिविरों के प्रति खासा उत्साह दिखा।

राज्य के स्वास्थ्य ढांचे के सुदृढ़ीकरण के लिए प्रदेश सरकार प्रतिबद्ध : जोगाराम

जोधपुर,20 जनवरी (एजेंसियां)। संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक मंत्री जोगाराम पटेल ने सोमवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र केरू का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान जनरल ओपीडी, इंजेक्शन एवं ड्रेसिंग कक्ष, लेबोरेटरी कक्ष,लेबर रूम, टीकाकरण कक्ष,पंजीकरण रजिस्टर एवं दवाओं के स्टॉक का अवलोकन कर व्यवस्थाओं जानकारी ली।

संसदीय कार्य मंत्री ने कहा मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के संवेदनशील नेतृत्व में प्रदेश सरकार राज्य के स्वास्थ्य ढांचे के सुदृढ़ीकरण के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रही हैं। उन्होंने कहा नवीन सरकार गठन के पश्चात एक वर्ष में लूणी विधानसभा क्षेत्र में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के से 23 करोड़ 54 लाख 92 हजार रूपये के अवसंरचना विकास संबंधी कार्य स्वीकृत करवाए गए।पटेल ने कहा क्षेत्रवासियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवाना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

दिल्ली की जनता ने भाजपा सरकार बनाने की शपथ ली : सतीश पूनिया

चंडीगढ़,20 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी की सोमवार को मुख्यमंत्री आवास चंडीगढ़ में संगठनात्मक विषयों को लेकर महत्व-पूर्ण बैठक हुई। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, भाजपा प्रदेश प्रभारी डॉ. सतीश पूनिया और संगठन मंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा की उपस्थिति में पार्टी की आगामी कार्ययोजनाओं को लेकर विस्तृत हुई। प्रदेश में चल रहे संगठनात्मक चुनाव को लेकर भी विचार विमर्श हुआ।

भाजपा प्रदेश प्रभारी डॉ. सतीश पूनिया ने कहा कि प्रदेश में संगठनात्मक चुनाव सफलतापूर्वक आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं की पार्टी है और कार्यकर्ताओं की मेहनत के परिणाम स्वरूप हरियाणा में तीसरी भाजपा की सरकार बनी है। डा. पूनिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की नीतियां जनता को पसंद आ रही है।

डा. सतीश पूनिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश तेज गति से विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में आगे रहा है। मोदी सरकार में राम मंदिर का भव्य निर्माण हुआ। उन्होंने कहा कि गरीब, किसान, युवा और महिलाओं के उत्थान के लिए भाजपा सरकार संकल्पबद्ध होकर काम कर रही है।

हरियाणा में पुराने वाहनों की होगी स्क्रैपिंग और रि-साइक्लिंग : राव नरबीर सिंह

चंडीगढ़,20 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा सरकार ने राज्य में पंजीकृत वाहन स्क्रैपेज एवं रि-साइक्लिंग सुविधा प्रोत्साहन नीति 2024 अधिसूचित की है। इससे राज्य में पुराने वाहनों के स्क्रैपिंग व रि-साइकिलिंग उपलब्ध होगी और जगह-जगह कबाड़ में तब्दील हो चुके वाहनों के पुर्जों का दोबारा उपयोग हो सकेगा। इससे राज्य में ईको पर्यावरण में भी सुधार होगा।

उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह ने इस संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में एनजीटी द्वारा डीजल वाहनों की 10 व पेट्रोल वाहनों की 15 वर्ष तक पासिंग सीमा अवधि तय करने बाद कंडम वाहनों की संख्या निरंतर बढ़ रही है और इसको देखते हुए हरियाणा सरकार ने यह निर्णय लिया है।

सैनी ने की बागवानी कॉलेज की स्थापना और हॉकी एस्ट्रोटर्फ लगाने की घोषणा

चंडीगढ़,20 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सोमवार नारायणगढ़ विधानसभा क्षेत्र में शिक्षा और खेल के बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने के लिए एक बागवानी कॉलेज की स्थापना और स्थानीय स्टेडियम में हॉकी एस्ट्रोटर्फ लगाने की घोषणा की। यह बागवानी कॉलेज महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय, करनाल से संबद्ध होगा जिससे इस क्षेत्र के युवाओं को बागवानी के में विश्व स्तरीय शिक्षा और शोध के अवसर मिलेंगे। उन्होंने बड़ागढ़ स्टेडियम में हॉकी एस्ट्रोटर्फ लगाने की घोषणा करते हुए कहा कि स्टेडियम में हॉकी खिलाड़ियों के लिए हाई-मास्ट लाइटें भी लगाई जाएंगी ताकि सांयकाल के बाद भी हमारे खिलाडी अभ्यास जारी रख सकें।

इसके अलावा, मुख्यमंत्री ने घोषणा करते हुए कहा कि राज्य सरकार द्वारा 'नारायण तालाब' की भौतिक रिपोर्ट जांच कर इसे हरियाणा तालाब प्राधिकरण को देकर तालाब का जीर्णोद्धार और पुनरुद्धार सुनिश्चित किया जायेगा। उन्होंने पतरहेड़ी से शहजादपुर-नारायणगढ़ तक को चार लेन का बनाने की भी घोषणा की। स्थानीय बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए मुख्यमंत्री ने नारायणगढ़ विधानसभा क्षेत्र में पीडब्ल्यूडी सड़कों की मरम्मत और जीर्णोद्धार के लिए 10 करोड़ रुपये देने की भी घोषणा की। साथ ही, मार्केटिंग बोर्ड के तहत सड़कों की मरम्मत के लिए 5 करोड़ रुपये की घोषणा की। इसके अलावा, उन्होंने नारायणगढ़ विधानसभा क्षेत्र के गांवों के विकास के लिए 5 करोड़ रुपये की अतिरिक्त राशि देने की भी घोषणा की। उन्होंने कहा कि लगभग 45 गांवों में सामुदायिक केंद्रों का निर्माण पहले ही किया जा चुका है और आश्वासन दिया शेष गांवों में भी धीरे-धीरे इसी प्रकार सुविधाएं प्रदान की जाएंगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार नारायणगढ़ में सहकारी चीनी मिल स्थापित करने की घोषणा पहले ही कर चुकी है। किसानों की समस्याओं के राज्य सरकार इस मामले पर सक्रियता से चर्चा कर रही है और मुख्य सचिव की अध्यक्षता में एक समिति गठित की है। मुख्य सचिव इस मामले पर व्यक्तिगत रूप से गंभीरता से नजर रख रहे

हैं और इस सम्बन्ध में तीन बैठकें आयोजित हो चुकी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा या तो इसी वर्तमान मिल को सहकारी चीनी मिल के रूप में स्थापित किया जाएगा या फिर दूसरी सहकारी मिल स्थापित की जाएगी। उन्होंने कहा कि नारायणगढ़ और आसपास के क्षेत्रों के किसानों को आगे किसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े, इसके लिए इस निर्णय को ही लागू किया जाएगा।

इस अवसर पर नायब सिंह सैनी ने नारायणगढ़ विधानसभा क्षेत्र में 10 विकास परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास किया, जिनकी कुल लागत 43.28 करोड़ रुपये है। इनमें 22.23 करोड़ रुपये की 7 परियोजनाओं का उद्घाटन तथा 21.05 करोड़ की 3 परियोजनाओं का शिलान्यास शामिल है। उद्घाटन की गई परियोजनाओं में कई नई संपर्क सड़कों के निर्माण के साथ-साथ मौजूदा सड़कों का चौड़ाकरण व नवीनीकरण शामिल है। इसके अलावा, महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय, करनाल के अंतर्गत चांदसोली में क्षेत्रीय बागवानी अनुसंधान केंद्र का भी उद्घाटन किया गया। मुख्यमंत्री नए बस स्टैंड के निर्माण, वर्कशॉप के नवीनीकरण, नारायणगढ़ की नई कॉलोनियों में पेयजल पाइपलाइन बिछाने तथा पेयजल वितरण प्रणाली के सुदृढ़ीकरण कार्यों की आधारशिला भी रखी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि चरण में वे जल्द ही एक लाख पात्र लाभार्थियों को 100-100 वर्ग गज के प्लॉट का कब्ज़ा/कागज़ात सौंपेंगे। इसके अलावा, प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत सरकार इस वर्ष के भीतर लगभग 77,000 पात्र लाभार्थियों के बैंक खातों में सीधे धनराशि हस्तांतरित करेगी। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे बचे हुए पात्र लोगों की पहचान करने के लिए सर्वेक्षण करें ताकि सभी पात्र परिवारों को योजना के तहत उनको घर मिलना सुनिश्चित किया जा सके।

नारायणगढ़ विधानसभा क्षेत्र में पिछले एक में किए गए विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान सरकार प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 'सबका साथ-सबका विकास' के विजन तथा 'हरियाणा एक-हरियाणवी एक' की भावना के अनुरूप राज्य का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित कर रही है।

महिलाओं और युवाओं के लिए क्या है खास?

सैनी ने बजट मे दिए संकेत

पंचकूला,20 जनवरी (एजेंसियां)। पंचकूला में सोमवार को प्री-बजट को लेकर एक अहम बैठक हुई, जिसमें हरियाणा के मुख्यमंत्री सैनी ने विभिन्न वर्गों से सुझाव लेकर उन्हें आगामी बजट में शामिल करने की रणनीति पर जोर दिया। बैठक के बाद मुख्यमंत्री ने बजट से जुड़े कई अहम पहलुओं पर जानकारी साझा की।

मुख्यमंत्री नायब सैनी ने स्पष्ट किया कि सरकार बजट को समावेशी और आमजन के लिए उपयोगी बनाने के लिए हर वर्ग से सुझाव ले रही है। उन्होंने कहा, हम महिलाओं, उद्यमियों, किसानों और विपक्षी नेताओं सहित सभी संबंधित पक्षों से सुझाव लेकर बजट को समग्र और समृद्ध बनाने का प्रयास कर रहे हैं।अब तक लगभग 2500 3000 सुझाव प्राप्त हुए हैं, जो राज्य के विभिन्न क्षेत्रों और वर्गों की प्राथमिकताओं को दर्शाते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि महिला उद्यमियों से विशेष चर्चा की गई है। उन्होंने लखपति दीदी जैसी सफल महिला सर्जकों के सुझावों को महत्वपूर्ण बताते कहा कि उनके इनपुट से ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में महिला सशक्तिकरण की नई योजनाओं को दिशा देने में मदद मिलेगी।हरियाणा राज्य टेक्सटाइल हब के रूप में उभर रहा है।

संविधान गौरव अभियान के कार्यक्रम में बोले मुख्यमंत्री

संविधान में सेकुलर और सोशलिस्ट शब्द देकर कांग्रेस ने अंबेडकर का अपमान किया

गोरखपुर, 20 जनवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि किसी भी संविधान की आत्मा उसकी प्रस्तावना होती है। याद रखना होगा कि बाबा साहब भीमराव अंबेडकर ने 26 नवंबर 1949 को जो संविधान का ड्राफ्ट तैयार किया था जो संविधान भारत की संविधान सभा को सौंपा था, उसकी प्रस्तावना में दो शब्द नहीं थे सेकुलर और सोशलिस्ट। कांग्रेस ने अपने स्वार्थ के लिए आपातकाल के दौरान ये दो शब्द रात के अंधेरे में डाल करके बाबा साहब भीमराव अंबेडकर का अपमान करने का काम किया।

सीएम योगी सोमवार को गोरखपुर में भाजपा अनुसूचित मोर्चा की तरफ से आयोजित संविधान गौरव अभियान के कार्यक्रम (मेरा संविधान-मेरा स्वाभिमान) को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी किस मुंह से संविधान लेकर के घूम करके जनता को बेवकूफ बनाने का काम करते हैं। संशोधन पर संशोधन करते गए। पर अनुसूचित जाति, जनजाति, पिछड़ी जातियों को अधिकार मिले, इसका कांग्रेस ने कभी प्रयास नहीं किया।

अपने संबोधन के दौरान मुख्यमंत्री ने कांग्रेस और सपा के नेताओं पर सवाल किया कि आखिर अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय या जामिया मिलिया विश्वविद्यालय में अनुसूचित जाति, जनजाति या पिछड़ी जाति के नौजवानों को प्रवेश और नौकरी में क्यों आरक्षण नहीं है। यहां आरक्षण के सवाल पर इनके नेता मौन क्यों हो जाते हैं। उन्होंने कहा जैसी कांग्रेस है वैसी ही समाजवादी पार्टी भी है।

याद करिए कन्नौज के मेडिकल कॉलेज का नामकरण बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के नाम पर था, समाजवादी पार्टी की सरकार ने नाम हटा दिया। हमारी सरकार आई तो मेडिकल कॉलेज का नामकरण फिर से बाबा साहब के नाम पर करवाया गया। अखिलेश यादव जब 2012 में प्रदेश के मुख्यमंत्री बने तो उन्होंने पहले घोषणा की थी कि बाबा साहब और जितने भी सामाजिक न्याय के महापुरुष हैं उनके बने हुए स्मारकों को हम तोड़ेंगे। तब भारतीय जनता पार्टी ने कहा था कि सामाजिक न्याय के पुरोधाओं के और उठने वाले हर हाथ के खिलाफ मुंह तोड़ जवाब देने के लिए भाजपा तैयार है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि संविधान किसी भी संप्रभु संपन्न राष्ट्र के नागरिकों का स्वाभिमान होता है। संविधान उत्तर से दक्षिण तक, पूर्व से पश्चिम तक पूरे भारत को एकता के सूत्र में बांधकर के 140 करोड़ भारतवासियों में के सम्मान और स्वाभिमान का प्रतीक है। बाबा साहब के बनाए इस संविधान ने संवैधानिक मूल्यों के आधार पर भारत को दुनिया के सर्वोच्च लोकतंत्र के रूप में पहचान दी। उन्होंने कहा कि बाबा साहब भीमराव अंबेडकर एक महामानव थे। व्यक्तिगत अपमान सहे। पर, राष्ट्र के विकास में अपने व्यक्तिगत राग-द्वेष को कभी भी आगे नहीं आने दिया। लोक कल्याण, राष्ट्र का कल्याण हो यही उनका चिंतन था।

सीएम ने कहा कि बाबा साहब जैसे महामानव को देश के अंदर आजादी के बाद बनी पहली सरकार ने सम्मान नहीं दिया। 1952 में बाबा साहब अंबेडकर को चुनाव हराने के लिए कांग्रेस ने एड़ी चोटी लगा दी।

1954 में उपचुनाव में बाबा साहब ने फिर से चुनाव लड़ने की कोशिश की तो कांग्रेस ने उनकी सहायक को तोड़ दिया और उसी को बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के खिलाफ लड़ाने का काम किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कांग्रेस ने अपने नेताओं के बड़े-बड़े स्मारक बनाए लेकिन बाबा साहब का एक भी स्मारक नहीं बनने दिया। जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में बाबा साहब से जुड़े पांच महत्वपूर्ण स्थलों को पंचतीर्थ के रूप में अंतरराष्ट्रीय ख्याति के अनुरूप विकसित किया जा रहा।

सीएम योगी ने कहा कि यह अवसर हमारे लिए महत्वपूर्ण है। 26 जनवरी को भारत के संविधान को लागू किए हुए 75 वर्ष पूरे होने जा रहे हैं। इन 75 वर्षों की इस यात्रा का आत्ममंथन हम सभी को करना होगा और इसके लिए बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करना होगा। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में 56 लाख गरीबों को एक-एक आवास बना है। पौने दो करोड़ गरीबों के घर में एक एक शौचालय बन गया है। 10 करोड़ गरीबों को आयुष्मान भारत योजना की सुविधा का लाभ प्राप्त हो रहा है। 15 करोड़ गरीबों को फ्री में राशन की सुविधा का लाभ प्राप्त हो रहा है। बाबा साहब की मंशा के मुताबिक बिना भेदभाव सबको योजनाओं का लाभ मिल रहा है। इस अवसर पर सांसद रवि किशन शुक्ल, जिला पंचायत अध्यक्ष साधना सिंह, भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष सहजानंद राय, भाजपा अनुसूचित मोर्चा की संयोजक संगीता आजाद सहित कई जनप्रतिनिधि और पार्टी पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

यूपी को मिलेंगी 15573 करोड़ की हाई-वे परियोजनाएं

आगरा, मथुरा साहित कई जिलों को होने जा रहा लाभ

लखनऊ, 20 जनवरी (एजेंसियां)। यूपी में 15573 करोड़ रुपए की नई हाई-वे परियोजनाएं जमीन पर उतरने जा रही हैं। इससे कानपुर, बाराबंकी, बहराइच, अलीगढ़, आगरा, मथुरा और बरेली समेत कई जिलों की राह आसान होगी। इनमें से चार परियोजनाओं की वित्तीय बिड खुल चुकी हैं, जबकि पांच परियोजनाओं के लिए विस्तृत प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार कराई जा रही है।

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के आला अधिकारी ने बताया कि बरेली के 4-6 लेन दक्षिणी बाईपास के लिए डीपीआर तैयार हो रही है।

इसकी लंबाई 30 किमी होगी और अनुमानित लागत 2000 करोड़ रुपए है। इसी तरह से कबरई-कानपुर को फोरलेन करने और बाराबंकी-जरवल (पैकेज-1) मार्ग के लिए भी विस्तृत प्रोजेक्ट रिपोर्ट को अंतिम रूप दिया जा रहा है। इनकी लागत क्रमश: 3900 करोड़ और 1550 करोड़ रुपए है। बाराबंकी जरवल मार्ग का यह पैकेज-1 करीब 35.7 किमी लंबा होगा। बाराबंकी-जरवल मार्ग के पैकेज-2 में घाघरा नदी पर फोरलेन ब्रिज और आरओबी (रेलवे उपरिगामी सेतु) बनेगा। 7.3 किमी लंबी इस परियोजना पर 750 करोड़ रुपए खर्च होंगे।

जरवल से बहराइच के बीच 58.4 किमी सड़क निर्माण के लिए भी डीपीआर तैयार हो रही है। इसकी लागत 2050 करोड़ रुपए आंकी गई है।

इसके अलावा कानपुर रिंग रोड फेज-2 और मथुरा-हाथरस-बदायूं-बरेली फोरलेन (पैकेज-4) के लिए वित्तीय बिड खुल चुकी हैं। एनएच-93 के आगरा-अलीगढ़ के 28 किमी लंबे पैकेज-1 और इसी हाई-वे के 36.9 किमी लंबे पैकेज-2 के लिए भी वित्तीय बिड की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। जिन चार परियोजनाओं की बिड खुल चुकी हैं, उनकी कुल लागत 5324 करोड़ रुपए है।

पंचदशनाम जूना अखाड़े ने शुरू की प्रयागराज की पंचकोसीय परिक्रमा

महाकुंभ नगर, 20 जनवरी (एजेंसियां)। महाकुंभ में पंचदशनाम जूना अखाड़ा ने अपनी परंपरा का निर्वाह करते हुए पांच दिवसीय पंचकोसीय परिक्रमा की शुरुआत की। सोमवार को अपने पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार जूना अखाड़े के अध्यक्ष हरि गिरी के नेतृत्व में अखाड़े के साधु, संतों ने गंगा पूजन कर पंच कोसीय परिक्रमा की शुरुआत की। ये पंच कोसीय परिक्रमा पूरे पांच दिन चल कर प्रयागराज के सभी मुख्य तीर्थों का दर्शन पूजन करते हुए 24 जनवरी को सम्पन्न होगी। पंच कोसीय परिक्रमा का समापन विशाल भण्डारे के साथ होगा। जिसमें अखाड़े के सभी नागा संन्यासियों के साथ मण्डलेश्वर, महामण्डलेश्वर और आम श्रद्धालुओं का भंडारा होगा।

नागा संन्यासियों के पंच दशनाम जूना अखाड़े ने हर वर्ष की तरह अपनी पांच दिवसीय पंचकोसीय परिरक्रमा की शुरूआत की। जूना अखाड़े के साधु-संन्यासियों ने अखाड़े के अध्यक्ष हरि गिरी महाराज के नेतृत्व में गंगा पूजन कर यात्रा प्रारंभ की। यात्रा संगम तट से चल कर सबसे पहले अक्षयवट तीर्थ, सरस्वती कूप का दर्शन करके लेटे हुए हनुमान जी के दर्शन किए। इसके बाद पंचकोसीय यात्रा मेला क्षेत्र में बनी संगम पुलिस चौकी के पास के ईष्ट देव भगवान दत्तात्रेय और मंदिर में स्थित शिवदत्तपुरी महाराज की समाधि के दर्शन किए। वहां से यात्रा रामघाट होते हुए अखाड़ा त्रिवेणी मार्ग से यमुना तट पर स्थित अपने मुख्यालय मौजगिरी आश्रम पहुंची।

मौजगिरी आश्रम में इष्ट देव का पूजन कर सिद्ध शक्तिपीठ मां ललिता देवी और कल्याणी देवी के दर्शन के लिए यात्रा ने कूच किया। वहां से वनखण्डी महादेव, कृष्णा नगर के रामजानकी मंदिर में पूजन कर यात्रा मेले क्षेत्र के दत्तात्रेय शिविर में पहले दिन के विश्राम के लिए पहुंची। मेला और पुलिस प्रशासन ने पहले से ही यात्रा मार्ग को बाधारहित बना रखा था।

जूना अखाड़े की ये पांच दिवसीय परिक्रमा दिन सोमवार से शुरू होकर 24 जनवरी दिन शुक्रवार को समाप्त होगी। यात्रा का अगला पड़ाव अरैल स्थित शूल टंकेश्वर महादेव, आदि माधव, चक्रमाधवों, सोमेश्वर नाथ का दर्शन होगा।

इसके साथ ही परंपरा अनुरूप यात्रा द्वादश माधवों और द्वादश महादेवों के दर्शन करती हुई। प्रयागराज में संतों दुर्वासा ऋषि, पनास ऋषि की तपोस्थलियों से होते हुए, शक्तिधाम ज्वाला देवी, समुद्र कूप और कल्पवृक्ष का दर्शन करेगी।

पंचकोसीय परिक्रमा कष्ट हरण हनुमान जी, सुजावन देव, पडिला महादेव होते हुए श्रृंगवेरपुर में सीता कुण्ड और निषादराज स्थली का पूजन करेगे। चौथे दिन नाग वासुकि, वेणी माधव का दर्शन कर अलोप शंकरी देवी का पूजन करेंगे। अंतिम दिन यात्रा भारद्वाज ऋषि की प्रतिमा का जलाभिषेक कर, भारद्वाजेश्वर महादेव का पूजन करेगी। संगम स्नान कर भण्डारे में महाप्रसाद वितरण के साथ यात्रा का समापन होगा।

महाकुंभ में गीता प्रेस के 180 टेंट जलकर राख

पश्चिमी दिशा से फेंकी गई थी आग : ट्रस्टी

प्रयागराज, 20 जनवरी (एजेंसियां)। प्रयागराज महाकुंभ मेला क्षेत्र के सेक्टर-19 में रविवार को भीषण आग लग गई, जिसमें करीब 250 टेंट जलकर खाक हो गए। यह आग गीता प्रेस गोरखपुर और अखिल भारतीय धर्म संघ करपात्र धाम वाराणसी के संयुक्त शिविर में लगी। घटना में कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन करोड़ों रुपए का सामान नष्ट हो गया। आग लगने की वजह को लेकर गीता प्रेस के ट्रस्टी और पुलिस के बीच बयान अलग-अलग हैं, जिससे मामले ने नया मोड़ ले लिया है।

गीता प्रेस के ट्रस्टी कृष्ण कुमार खेमकर ने इस घटना को बाहरी साजिश करार दिया है। उनका कहना है कि पश्चिम दिशा की ओर से किसी ने आग की कोई चीज फेंकी, जिससे शिविर में चिंगारी उठी और यह धीरे-धीरे बड़ी आग में तब्दील हो गई। उनका दावा है कि शिविर में आग से बचाव के लिए सभी प्रकार की सावधानियां

बरती गई थीं। उन्होंने कहा कि शिविर के अंदर आग से जुड़ी किसी भी गतिविधि की सख्त मनाही थी, फिर भी आग ने इतना बड़ा रूप ले लिया। खेमकर के अनुसार, यह शिविर 180 टेंटों का एक बड़ा क्षेत्र था, जिसमें से अब कुछ भी नहीं बचा।

वहीं, पुलिस ने आग लगने का कारण सिलेंडर में गैस रिसाव को बताया है। पुलिस के मुताबिक, एक टेंट में गैस लीक होने के बाद आग लगी, जो तेज हवा के कारण तेजी से फैल गई। आग की चपेट में आने से सिलेंडरों में एक के बाद एक कई विस्फोट हुए, जिससे आग ने विकराल रूप ले लिया। डीआईजी महाकुंभ वैभव कृष्ण ने कहा कि घटना के दौरान फायर ब्रिगेड, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आग पर काबू पा लिया। फिलहाल घटना की विस्तृत जांच की जा रही है। इस आगजनी के दौरान मौके पर भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। श्रद्धालु अपने सामान और टेंट छोड़कर सुरक्षित स्थानों की ओर भागने लगे। चश्मदीदों ने बताया कि आग की लपटें इतनी ऊंची थीं कि दूर से ही धुआं और आग का गुबार देखा जा सकता था। लगभग एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग को काबू में लाया गया, लेकिन तब तक 250 से अधिक टेंट पूरी तरह जल चुके थे।

घटना के समय समय मेला क्षेत्र में मौनी अमावस्या की तैयारियों की समीक्षा कर रहे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खुद घटनास्थल पर पहुंचे और अधिकारियों को पीड़ित श्रद्धालुओं की हरसंभव मदद करने का निर्देश दिया। उन्होंने आग से प्रभावित लोगों के पुनर्वास और उनके लिए आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था करने के निर्देश भी दिए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी मुख्यमंत्री से हादसे की जानकारी ली और स्थिति पर नजर बनाए रखने को कहा। शुरुआती जांच के अनुसार, यह आग सिलेंडर में गैस रिसाव के कारण लगी, लेकिन गीता प्रेस ट्रस्टी के दावे ने इस घटना को लेकर साजिश की आशंका खड़ी कर दी है। घटना के बाद पूरे मेला क्षेत्र में अलर्ट जारी कर दिया गया है और प्रशासन ने सभी प्रकार की सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी कर दी है।

संभल दंगा : 10 और पत्थरबाज पकड़े गए, अब तक 72 गिरफ्तार

संभल, 20 जनवरी (एजेंसियां)। संभल जिले में विवादित जामा मस्जिद में 24 नवम्बर 2024 को सर्वे के दौरान तीन स्थानों पर हुई हिंसा में फरार चल रहे 10 और आरोपियों को संभल कोतवाली पुलिस ने अलग-अलग स्थानों से गिरफ्तार किया है। इस मामले में अब तक 72 उपद्रवी पकड़े जा चुके हैं। इन उपद्रवियों ने पत्थरबाजी के अलावा आगजनी और तोड़फोड़ करने के साथ पुलिस पर भी जानलेवा हमला किया था। हिंसा के दौरान पुलिस ने जो फोटो लिए थे, उसके आधार पर इन आरोपियों की पहचान की गई है।

संभल पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में कोतवाली

क्षेत्र के देहली दरवाजा निवासी मुल्ला अफरोज, तहजीब, अजहर अली, असद, कागजी सराय निवासी दानिश, शुऐब, आलम, मोहल्ला जगत निवासी दानिश, आलम सराय निवासी शानेआलम और कोटगर्वी निवासी बाकिर शामिल हैं। सभी को न्यायालय में पेश किया जाएगा। विश्नोई ने बताया कि 24 नवंबर 2024 को संभल में तीन स्थानों पर हिंसा और बवाल हुआ था। पहला बवाल विवादित जामा मस्जिद के नजदीक हुआ था, जहां पांच लोगों की जान गई थी। दूसरा बवाल नखासा तिराहे पर हुआ था, जहां पुलिस पर पथराव और फायरिंग की गई थी। इसके बाद तीसरी हिंसा हिंदूपुरा खेड़ा में हुई था, जहां पुलिस के अधिकारियों पर जानलेवा हमला किया गया था। इन्हीं तीनों स्थानों पर पुलिस-प्रशासन की ओर से वीडियो बनाया गया था और फोटो भी लिए थे।

वीडियो और फोटो के आधार पर अब तक 450 आरोपी पहचाने गए हैं। उपद्रवियों ने पूछताछ में स्वीकार किया है कि वह पत्थरबाजी में शामिल थे। घटना के बाद वह अलग-अलग शहरों में जाकर छिपे थे, जब घर लौटे तो पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया है।

एसपी ने बताया कि प्राथमिक छानबीन में पुलिस को मुल्ला अफरोज के खिलाफ नौ मामले दर्ज मिले हैं। इसमें हत्या, गैरइरादतन हत्या, डकैती, सार्वजनिक सम्पत्ति क्षति करने जैसे कई गंभीर अपराध में मामले दर्ज हैं। आरोपित के आपराधिक इतिहास को और खंगाला जा रहा है। इस मामले में सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

एसपी ने बताया कि संभल बवाल में गिरफ्तार किए गए मुल्ला अफरोज ने अपने बयान में पुलिस को यह बताया कि 24 नवंबर को दूसरे साथी को शारिक साठा ने एक एप पर कॉल कर कहा था कि नेता भीड़ जमा करा रहे हैं। नेताओं की ओर से पूरा सपोर्ट है और हरी झंडी मिल गई है। इसलिए 10 से 20 पुलिसकर्मी और आम लोगों को मार दो। इससे पुलिस प्रशासन डर जाएगा और शासन भी पुलिसकर्मियों के खिलाफ ही कार्रवाई करेगा। फिलहाल मुल्ला अफरोज के बयान में कितनी सच्चाई है पुलिस उसकी तहकीकात कर रही है।

टीन शेड में अवैध मस्जिद बनाकर पढ़ रहे थे नमाज

बरेली पुलिस ने ग्राम प्रधान आरिफ सहित 4 को दबोचा

बरेली, 20 जनवरी (एजेंसियां)। बरेली में बिना अनुमति के अस्थाई मस्जिद बनाकर नमाज पढ़ने के मामले में पुलिस ने ग्राम प्रधान समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया है। इस मामले में 7 नामजद और अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। एसएचओ संजय तोमर ने कहा कि जाम सावंत शुमाली गांव में एक जमीन पर टिन का शेड डालकर 20 से अधिक लोग बिना अनुमति के

नमाज पढ़ रहे थे। इसकी सूचना हिंदू संगठन ने की थी।

पुलिस ने ग्राम प्रधान आरिफ के अलावा अकील अहमद, मोहम्मद शाहिद और छोटे अहमद को गिरफ्तार किया है। वहीं, मुजम्मिल, कादिर अहमद और मोहम्मद आरिफ की तलाश की जा रही है। एसएचओ ने कहा कि घटना का ड्रोन वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर शेयर किया गया था। पुलिस ने बताया कि त्योहारों और गणतंत्र दिवस समारोह को देखते हुए जिले में निषेधाज्ञा लागू थी। इसको देखते हुए कार्रवाई की गई।

घुसपैठ पर नकेल कसने के लिए आरपीएफ मुस्तैद

चार साल में हजार घुसपैठिए पकड़े गए

नई दिल्ली, 20 जनवरी (एजेंसियां)।

भारत में रेलवे के माध्यम से घुसपैठ करने वाले लोगों पर नकेल कसने के लिए आरपीएफ लगातार मुस्तैद है। इसको लेकर रेलवे मंत्रालय ने बताया कि आरपीएफ ने 2021 से लेकर अब तक कुल तकरीबन एक हजार से ज्यादा घुसपैठियों को पकड़ा है। इसमें 586 बांग्लादेशी नागरिक भी शामिल है।

रेलवे में अवैध प्रवास रोकने के लिए रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) की बड़ी कार्रवाई का आंकड़ा सामने आया है। इसके तहत आरपीएफ ने चार साल में 916 अवैध प्रवासियों को पकड़ा है। रेल मंत्रालय ने मामले में बताया कि रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने 2021 से लेकर अब तक कुल 916 अवैध प्रवासियों को पकड़ा है, जिनमें 586 बांग्लादेशी नागरिक और 318 रोहिंग्याओं शामिल हैं। इनमें से कुछ लोग भारत में अवैध तरीके से प्रवेश करने की बात कबूल कर चुके थे और उन्हें ट्रेन से यात्रा करते समय रोका गया था।

रेलवे मंत्रालय ने कहा कि बांग्लादेश सीमा पर सुरक्षा बढ़ने के बावजूद, ये लोग असम के रास्ते भारत में घुसने का प्रयास करते हैं और रेलवे का उपयोग करते हैं। आरपीएफ ने इस समस्या से निपटने के लिए सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ), स्थानीय पुलिस और खुफिया एजेंसियों के साथ मिलकर काम किया है। इससे अवैध प्रवासियों को पकड़ने में मदद मिली है। साथ ही मंत्रालय के द्वारा बताया गया कि कुछ घुसपैठियों ने यह स्वीकार किया कि वे अवैध रूप से भारत में प्रवेश कर रहे थे। उन्हें ट्रेन यात्रा के दौरान, जैसे कि कोलकाता जाने की कोशिश करते हुए पकड़ा गया। मंत्रालय ने यह भी बताया कि यह घटनाएं भारतीय अधिकारियों के लिए रेलवे नेटवर्क की सुरक्षा और अवैध घुसपैठियों पर नज़र रखने में आने वाली समस्याओं को दर्शाती हैं।

देश में बांग्लादेशियों और रोहिंग्या मुस्लिमों की घुसपैठ के बीच रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने बड़ा खुलासा किया है। आरपीएफ ने दावा किया है कि 2021 से 2024 के बीच रेलवे ने 900 से अधिक बांग्लादेशियों और रोहिंग्याओं को हिरासत में लिया है। इन सभी को हिरासत में लेने के बाद इन सभी को लीगल एक्शन के लिए संबंधित अधिकारियों को सौंप दिया गया। आरपीएफ के अनुसार, इस अवधि के दौरान कुल मिलाकर 916 लोगों को हिरासत में लिया गया, जिसमें से 586 बांग्लादेशी नागरिक थे और 318 रोहिंग्या शामिल हैं। भारतीय रेलवे अपने आधिकारिक बयान में कहा कि केवल जून और जुलाई के दौरान रेलवे बलों ने पूर्वोत्तर क्षेत्रों से 88 बांग्लादेशी और रोहिंग्याओं को गिरफ्तार किया था। गिरफ्तार किए गए कई आरोपियों ने अवैध तरीके से भारत में दाखिल होने की बात भी कबूली थी। इन्हें कोलकाता जैसी जगहों पर जाने की कोशिश समय गिरफ्तार किया गया था।

असम में मोस्ट वांटेड जेहादी जहीर अली गिरफ्तार

गुवाहाटी, 20 जनवरी (एजेंसियां)।

असम पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स ने धुबरी से जहीर अली नाम के मोस्ट वांटेड जेहादी को गिरफ्तार किया। असम पुलिस ने जहीर को ऑपरेशन प्रघात के क्रम में पकड़ा, जो कट्टरपंथी और आतंकी संगठनों के खिलाफ चलाया जा रहा है।

एसटीएफ के मुताबिक, जहीर अली धुबरी जिले के बिलासीपारा थाना इलाके के खुटीगांव का रहने वाला है। वह आतंकी संगठन अंसारुल्लाह बांग्ला टीम से जुड़ा हुआ है। अंसारुल्लाह अल-कायदा का सहयोगी संगठन है। पुलिस के अनुसार, जहीर अली असारुल्लाह के सरगना जसीमुद्दीन रहमानी के करीबी मोहम्मद फरहान इस्राक की टीम में काम कर रहा था। असम पुलिस के अधिकारी राजीव सैकिया ने बताया कि अब तक 21 लोगों को ऑपरेशन प्रघात के तहत पकड़ा गया है, जिनमें कई बांग्लादेशी नागरिक भी शामिल हैं। इन 21 में से एक बांग्लादेशी मोहम्मद साद रदी को भारत में कट्टरपंथी विचारधारा फैलाने के लिए भेजा गया था। एसटीएफ ने ऑपरेशन प्रघात के तहत भारी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद, विस्फोटक, आपत्तिजनक दस्तावेज़ और मोबाइल फोन बरामद किए हैं।

बुद्धल में 17 रहस्यमयी मौतों पर उठा बड़ा सवाल

एक ही खानदान में हो रही रहस्यमय मौतें

सुरेश एस डुग्गर

जम्मू, 20 जनवरी।

राजौरी जिले के बुद्धल में 44 दिनों में हुई 17 मौतों के बाद कई सवाल पैदा हुए हैं। इसमें सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि एक ही खानदान के तीन परिवारों के लोगों की जान कैसे चली गई। जबकि गांव के अन्य किसी परिवार के सदस्य इस तरह की घटना के शिकार नहीं हो रहे। यह घटना एक बड़ी साजिश की तरफ इशारा कर रही है। पुलिस की विशेष जांच टीम लोगों से सवाल-जवाब कर रही है, लेकिन कोई सुराग नहीं मिल रहा है। इस मामले को सम्पत्ति और किसी महिला के चक्कर को भी जोड़ कर देखा जाने लगा है। फिलहाल जांच के बाद ही यह साफ हो पाएगी की इन मौतों के पीछे के कारण क्या हैं?

चर्चा यह है कि अगर कोई जहर दे रहा है तो वह जहर कहां से ला रहा है और किसके कहने पर जहर दिया जा रहा है और खासकर बच्चों को। इस घटना से पूरे क्षेत्र में डर का माहौल बना हुआ है। अब देखना यह है कि पुलिस की विशेष जांच टीम कब तक इस मामले को हल करती है? जानकारी के लिए सात दिसंबर 2024 को फजल हुसैन के साथ इसकी पत्नी व चार बच्चे बीमार हो गए। उस समय बताया गया कि फजल के घर में शादी थी। परिवार के सदस्यों ने कोई बचा हुआ खाना खाया, जिस कारण लोग बीमार हो गए। इस मामले में फजल हुसैन के साथ उसके चार बच्चों की मौत हो गई, जबकि उपचार के बाद पत्नी ठीक हो गई।

इस घटना के ठीक पांच दिन बाद फजल के ही करीबी रिश्तेदार मुहम्मद रफीक के तीन बच्चे भी बीमार हो गए। उन्हें भी उल्टी, बुखार व बेहोशी की शिकायत हुई। उपचार के दौरान तीनों बच्चों ने दम तोड़ दिया। इसके बाद 23 दिसंबर 2024 को मुहम्मद रफीक की पत्नी रजीम अख्तर बीमार हो गई और उसकी भी मौत हो गई। इसके बाद फिर यह मामला कुछ समय के लिए शांत हो गया। इस साल 12 जनवरी को एक बार फिर से मुहम्मद असलम के छह बच्चे बीमार हो गए। मुहम्मद असलम और फजल अहमद जीजा-साला लगते हैं। आठ दिन के अंदर ही मुहम्मद असलम के छह बच्चों की मौत हो गई। जबकि मुहम्मद असलम के मामा-मामी जो मुहम्मद रफीक के मासी-मौसा लगते थे, वे भी मारे गए। हालांकि कई जांच कमेटियां गठित किए जाने के उपरांत जल्द कुछ सुराग लगने की उम्मीद लगाई जा रही है। इस बीच इन मौतों का कारण आपसी रंजिश या गहरी साजिश से भी इन्कार नहीं किया जा रहा। पर सबसे बड़ा सवाल यह बना हुआ है कि इन पीड़ितों के शरीर में जहर पहुंचा कैसे? पुलिस की एसआईटी से लेकर अन्य एजेंसियां भी इसकी जांच कर रही हैं।

स्वास्थ्य विभाग और देशभर से जुटे विशेषज्ञों की टीमें पहले ही साफ कर चुकी हैं कि इनके शरीर में किसी प्रकार के संक्रमण के लक्षण नहीं मिले हैं। इन लोगों की मौत ऐसे जहर से हुई जो सीधे मस्तिष्क पर प्रभाव मिलता है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी बता रहे हैं कि कुछ लोगों के दिमाग में सूजन मिली है। यह माना जा रहा है कि इस जहर ने ही इनके मस्तिष्क पर सीधा प्रभाव डाला और इस वजह से यह लोग बेसुध हो गए ओर फिर होश में नहीं आ पाए।

ओड़ीशा की आर्द्रभूमि पर पहुंचे 16.56 लाख पक्षी

भितरकनिका राष्ट्रीय उद्यान में बढ़े विदेशी मेहमान

भुवनेश्वर, 20 जनवरी (एजेंसियां)।

ओड़ीशा में चिल्का झील, भितरकनिका राष्ट्रीय उद्यान और हीराकुंड जलाशय में पक्षियों की गणना पूरी हो चुकी है। अधिकारियों ने बताया कि मध्य-शीतकालीन गणना के दौरान तीनों प्रमुख जल निकायों में 200 से अधिक प्रजातियों के 16.56 लाख से अधिक पक्षी देखे गए हैं।

अधिकारियों के अनुसार, जल निकायों में पक्षियों की गणना शनिवार को की गई। इस कार्य में 200 से अधिक समर्पित प्रतिभागियों ने भाग लिया, इनमें वन कर्मचारी, पक्षीविज्ञानी, शोधकर्ता और प्रशिक्षित स्वयंसेवक शामिल थे। अधिकारियों ने बताया कि पक्षियों की सटीक पहचान और गणना सुनिश्चित करने के लिए अलग-अलग टीमों ने स्पॉटिंग स्कोप, दूरबीन और डेटा शीट का उपयोग किया और आर्द्रभूमि का सावधानीपूर्वक सर्वेक्षण किया। एक अधिकारी ने बताया कि चिल्का झील में कुल 11,27,228 पक्षियों की गिनती की गई। इसमें लैगून में पक्षियों के स्वर्ग नालबाना में अकेले 3,43,226 पक्षी शामिल हैं। गणना के अनुसार, चिल्का झील में 109 प्रजातियों के 10,87,226 प्रवासी पक्षी थे। जबकि, 87 प्रजातियों में से 40,002 पक्षी स्थानीय थे। इस साल चिल्का झील में सबसे ज्यादा गडवाल प्रजाति के 2,01,926 पक्षी आए। हालांकि, 2024 की तुलना में इस साल पक्षियों की संख्या में थोड़ी कमी आई है।

हालांकि, वन विभाग द्वारा जारी नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, इस सर्दी में केंद्रपाड़ा जिले के भितरकनिका राष्ट्रीय उद्यान में पंख वाले मेहमान पक्षियों की संख्या में मामूली वृद्धि हुई है। एक अधिकारी के अनुसार, इस साल राष्ट्रीय उद्यान में पक्षियों की संख्या बढ़कर 1,51,614 हो गई, जबकि पिछले साल यह 1,51,421 थी। यहां 118 प्रजातियों के पक्षी देखे गए, जो पिछले साल की 121 प्रजातियों से कम है।

एक अन्य अधिकारी ने बताया कि इस बार सबसे अधिक संख्या में पंख वाले मेहमान लेसर व्हिसलिंग डक देखे गए, जिनकी संख्या 44,825 रही। इसके बाद उत्तरी पिंटेल की संख्या 18,776 है। संबलपुर जिले के हीराकुंड जलाशय में भी 122 प्रजातियों के 3,77,732 पक्षियों की गिनती की गई, जबकि पिछले साल 3.42 लाख पंख वाले मेहमान पक्षी थे। इस क्षेत्र में पक्षियों की वार्षिक गणना में शामिल एक कर्मचारी ने कहा कि पक्षियों का देखना बहुत सुखद अनुभव था, क्योंकि वे ओड़ीशा की आर्द्रभूमि को अपने ठंडे निवास के लिए पसंद करते हैं और इसे अपने शीतकालीन निवास के लिए अनुकूल पाते हैं।

संघ प्रमुख ने कहा, भारत की ताकत एकता में निहित है

जो अपनी रक्षा नहीं कर सकते उन्हें भगवान भी नहीं बचाते

कोच्चि, 20 जनवरी (एजेंसियां)।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि भारत की ताकत एकता की सच्चाई में निहित है, जो सफल और विजयी है। हिंदू जीवन शैली सभी मुद्दों का समाधान प्रदान करती है और दुनिया में परम शांति लाती है। आरएसएस प्रमुख यहां बदयांबदी में संगठन की एक बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आरएसएस हिंदू समाज को एकजुट कर रहा है और धर्म की रक्षा के माध्यम से दुनिया को सार्थक समाधान प्रदान कर रहा है। संघ प्रमुख ने कहा कि परिवर्तन केवल अवतारों के आने से नहीं होते हैं। ऐसा कहा जाता है कि जो लोग अपनी रक्षा नहीं कर पाते, उन्हें भगवान भी नहीं बचा सकते। उन्होंने पूछा, हम भारत की संतान हैं। यदि हमारी मातृभूमि लाखों बच्चों के होते हुए भी कमजोर हो जाती है, तो हमारा कर्तव्य क्या है?

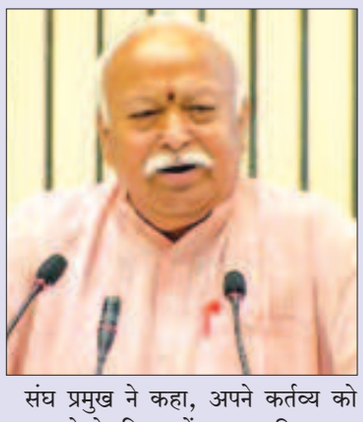

संघ प्रमुख ने कहा, अपने कर्तव्य को पूरा करने के लिए हमें ताकत की जरूरत है, ताकत को प्रभावी बनाने के लिए हमें अनुशासन और ज्ञान की जरूरत है। परिस्थितियों की परवाह किए बिना दृढ़ संकल्प और उद्देश्य की अटूट भावना आवश्यक है। ऐसे मानव विकास को बढ़ावा देना ही आरएसएस का मुख्य मिशन है। उन्होंने कहा कि दुनिया की सभी विचारधाराएं आनंद का वादा करती हैं चाहे वह भौतिकवाद के माध्यम से हो या अन्य प्रणालियों के माध्यम से। ज्ञान ने सुविधाएं तो बढ़ा दी हैं, लेकिन असली खुशी मायावी बनी हुई है। भारतीय दर्शन सभी को एकजुट करता है। यह समाज, व्यक्ति और सृष्टि में सामंजस्य स्थापित करके उन्हें सर्वशक्तिमान की ओर ले जाता है। यह मन, बुद्धि और शरीर को एकीकृत करके मोक्ष प्राप्त करने का मार्ग है।

उन्होंने कहा कि भारत दुनिया के लाभ के लिए एक शक्तिशाली राष्ट्र के रूप में उभर रहा है। इसकी विशिष्ट विशेषता अद्वितीय सांस्कृतिक एकता है जो विविधता को गले लगाती है। यह वह भूमि है जहां लोग काशी से गंगा जल लाते हैं और उसे रामेश्वरम में चढ़ाते हैं। कलाडी में पैदा हुए आदि शंकराचार्य ने देश के चार कोनों में मठों की स्थापना करके इस एकता को मजबूत किया।

बर्फबारी से कहीं आफत और परेशानी तो कहीं खुशी

जम्मू, 20 जनवरी (ब्यूरो)।

कश्मीर के बारामुला का राशिद बर्फबारी के लिए हाथ उठा कर खुदा का शुक्रिया अदा करने से नहीं चूकता था। साथ ही वह यह भी दुआ कर रहा था कि भयानक बर्फबारी न हो और न ही हिम सुनामी तथा एवलांच हो क्योंकि प्रदेशभर में बर्फबारी से अगर कहीं मौजां और खुशी का माहौल था तो कहीं पर यह अब आफत और परेशानी का सबब भी बनने लगी थी।

कई साल का रिकार्ड तोड़ने वाली भयंकर सर्दी के दौर से गुजर रहे जम्मू कश्मीर के निवासियों के लिए बर्फबारी खुशी भी लाई है। खुशी का कारण सफेद चादर से लिपटी वादी की ओर बढ़ते सैलानियों के कदम थे तो बर्फ के कारण इन गर्मियों में पानी और बिजली के संकट से नहीं जूझना पड़ेगा, यह सोच भी खुशी देने वाली थी। बर्फबारी के नजारे लेने कश्मीर की ओर सैलानियों के बढ़ते कदमों के कारण ही पिछले साल आने वाले टूरिस्टों की संख्या ने नया रिकार्ड कायम किया था।

पर राशिद के बकौल, अगर खुदा ने चाहा तो बर्फ से लदे पहाड़ों की गोद में बैठ बर्फ से खेलने में मस्त सैलानियों की भीड़ को देख उसे यह आस जगने लगी थी कि यह आंकड़ा इस बार भी कोई नया रिकार्ड बना डालेगा।

प्रदेश में बर्फबारी के कारण पहाड़ों पर हुई बर्फबारी इन गर्मियों के खुशहाल होने का संकेत भी देती थी। गर्मियों में पीने तथा कृषि के लिए पानी की कमी के साथ-साथ बिजली संकट से सामना नहीं होगा, बर्फबारी ने इसे सुनिश्चित जरूर कर दिया है। दरअसल प्रदेश की सभी पनबिजली परियोजनाएं बर्फबारी पर ही इसलिए निर्भर हैं क्योंकि प्रदेश के दरियाओं में पानी बर्फ के पिघलने से ही आता है। पर यह बर्फबारी आफत और परेशानी का सबब भी बन चुकी थी। वर्ष 2018 में गुलमर्ग में हिमस्खलन के दौरान बीसियों सैनिकों की मौत की घटना के अतिरिक्त वर्ष 2005 तथा वर्ष 2008 में राज्य के कई हिस्सों में आए हिम सुनामी की याद से ही आम कश्मीरी सिंहर उठता है। हिम सुनामी की चेतावनी अभी भी दी जा रही है।

वैसे दुर्गम स्थानों में रहने वालों के लिए यह किसी सुनामी से कम नहीं है कि बर्फबारी के कारण उनकी जिन्दगी नर्क बन चुकी है क्योंकि प्रदेश के कई गांव पूरी दुनिया से कटने लगे थे। बीमारों के लिए कोई राहत नहीं है। खाने-पीने की वस्तुओं की कमी भी महसूस की जाने लगी है। हालांकि इन सबके बीच सरकारी दावे जारी थे जबकि इन दावों की सच्चाई यह थी कि प्रदेश के विभिन्न राजमार्गों और लिंक मार्गों से बर्फ हटाने का कार्य भी अभी जोर नहीं पकड़ पाया था जबकि भूस्खलन कई मार्गों में जान का खतरा पैदा करने लगा था।

वक्फ बोर्ड ने मुस्लिम व्यक्ति की जमीन पर ही ठोक दिया दावा

रीवा, 20 जनवरी (एजेंसियां)।

वक्फ बोर्ड अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। वह उन सम्पत्तियों पर भी अपना दावा कर रहा है, जो उसकी हैं ही नहीं। ताजा मामला मध्य प्रदेश के रीवा जिले का है, जहां मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने वक्फ बोर्ड के मंसूबों को बड़ा झटका देते हुए एक मुस्लिम व्यक्ति की जमीन पर कब्जा करने की प्रक्रिया पर रोक लगा दी है।

रीवा जिले के अमहिया में मुस्लिम व्यक्ति हाजी मोहम्मद अली नाम के व्यक्ति रहते हैं। उनकी जमीन को वक्फ बोर्ड ने क्लेम कर लिया और उसे अपने राजपत्र में शामिल कर लिया। मध्य प्रदेश वक्फ बोर्ड की इस हरकत पर हाजी मोहम्मद अली ने बताया कि 100 साल पहले रीवा के अमहिया में उनके दादा ने अपने पूर्वज अब्दुल मन्नान हाजी सैयद जहूर अली की मजार की मजार बनाई थी।

उत्तराखंड में मजार जेहाद बेकाबू

बाजपुर से काशीपुर के बीच बिछ गई अवैध मजारें

उधम सिंह नगर, 20 जनवरी (एजेंसियां)।

उत्तराखंड के तराई के इलाकों में भी मजार जेहाद का षड्यंत्र रचा जा रहा है। बाजपुर और काशीपुर के बीच मुख्यमार्ग पर अवैध मजारें बनी हुई देखी जा सकती हैं। सुल्तानपुर पट्टी क्षेत्र में ये अवैध मजारें मुख्यमार्ग पर बनी हुई हैं। सड़कों से दूर भी ऐसी कई अवैध मजारें हैं।

पिछले दिनों काशीपुर नगरीय और ग्रामीण क्षेत्र में करीब 30 अवैध मजारें होनी की खबरे चर्चा में आई थी।

सरकारी जमीनों पर कब्जे करने की नीयत से और निजी जमीनों में विवाद पैदा करने की योजना से यहां ये मजारें बनाई गई थी। काशीपुर शहर में एक मजार में अवैध निर्माण को लेकर प्राधिकरण ने नोटिस देकर दो हफ्ते में अवैध निर्माण हटाने की चेतावनी लिखित रूप में जारी की है। रामनगर काशीपुर मार्ग से एक अवैध मजार को प्रशासन ने नोटिस देकर हटा दिया था। उधम सिंह नगर में रुद्रपुर के मेन इंदिरा चौक पर एक मजार बनी हुई है जबकि इसी नाम की एक मजार बिलासपुर में भी है, यानि ये फ्रेंचाइजी मजारें है। ऐसी ही एक फ्रेंचाइजी मजार जसपुर के पास जंगल के भीतर कालू सैय्यद के नाम से है, जबकि इस नाम की मजारें गुजरात में भी देखी गई है जबकि उत्तराखंड में इनका सफाया, धामी सरकार ने पूर्व में बुलडोजर ने कर दिया था।

एक सर्वे के अनुसार, उत्तराखंड में एक हजार से ज्यादा अवैध मजारें थीं जिनमें से आधे 561अवैध मजारे धामी सरकार ने ध्वस्त कर दी है। शेष पर कारवाई अभी बाकि है। सीएम धामी कहते रहे हैं कि अवैध अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और सरकार इसे हटाकर ही अपना अभियान पूरा करेगी।

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया को दिसंबर तिमाही में 959 करोड़ रुपए का मुनाफा

नई दिल्ल,20 जनवरी (एजेंसियां)।

सार्वजनिक क्षेत्र के सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया (सीबीआई) ने वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही के नतीजे का ऐलान कर दिया है। 31 दिसंबर, 2024 को समाप्त (अक्टूबर-दिसंबर) तिमाही में बैंक का मुनाफा 33 फीसदी बढ़कर 959 करोड़ रुपये हो गया, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 718 करोड़ रुपये रहा था।

सेंट्रल बैंक ने सोमवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि तीसरी तिमाही में बैंक की कुल आय बढ़कर 9,739 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 9,139 करोड़ रुपये थी।

इस दौरान बैंक की ब्याज आय भी बढ़कर 8,509 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 7,809 करोड़ रुपये थी। बैंक का परिचालन लाभ बढ़कर 1,963 करोड़ रुपये हो गया, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में यह 1,931 करोड़ रुपये था। इसके अलावा परिसंपत्ति की गुणवत्ता के मामले में बैंक की सकल गैर-निष्पादित आस्तियां (एनपीए) पिछले वित्त वर्ष के 4.50 फीसदी से घटकर 31 दिसंबर, 2024 के अंत में कुल कर्ज का 3.86 फीसदी रह गईं।

वहीं, शुद्ध एनपीए भी पिछले वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही के अंत में 1.27 फीसदी से घटकर अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में 0.59 फीसदी हो गए हैं।

बैंक ने कहा कि उसे फ्यूचर जनरल इंडिया इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (एफजीआईआईसीएल) में फ्यूचर एंटरप्राइजेज लिमिटेड (एफईएल) की 24.91 फीसदी हिस्सेदारी और फ्यूचर जनरली इंडिया लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (एफजीआईएलआईसीएल) में एफईएल की 25.18 फीसदी हिस्सेदारी के प्रस्तावित अधिग्रहण के लिए 15 अक्टूबर, 2024 को भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) की मंजूरी मिल गई है।

न्यूज ब्रीफ

श्वेत वस्तुओं के लिए पीएलआई योजना के तहत 24 कंपनियों का हुआ चयन

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने व्हाइट गुड्स (श्वेत वस्तुओं) उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तीसरे दौर में 24 कंपनियों का चयन किया है, जिसमें कुल 3 निवेश प्रतिबद्धता 3,516 करोड़ रुपये है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने सोमवार को एक बयान में बताया कि उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीटीआईआई) ने व्हाइट गुड्स के लिए पीएलआई योजना के तीसरे दौर में 24 कंपनियों का चयन किया है, जिनकी कुल निवेश प्रतिबद्धता 3,516 करोड़ रुपये है। इसमें 18 नए आवेदकों के लिए 2,299 करोड़ रुपये और छह मौजूदा लाभार्थियों के लिए अतिरिक्त 1,217 करोड़ शामिल रुपये हैं। पीएलआई योजना के ऑनलाइन आवेदन विंडो के तीसरे दौर में कुल 38 आवेदन प्राप्त हुए। इन आवेदनों की समीक्षा के बाद सरकार ने 18 नई कंपनियों का अनंतिम रूप से चयन किया है। इन कंपनियों में एयर कंडीशनर के कलपुर्जों के 10 निर्माता और एलईडी लाइट के 8 निर्माता शामिल हैं, जिन्होंने 2,299 करोड़ रुपये के निवेश की प्रतिबद्धता जताई है। वाणिज्य मंत्रालय के मुताबिक 6 मौजूदा पीएलआई लाभार्थियों को उच्च निवेश श्रेणियों में अपग्रेड करने के लिए अनंतिम रूप से चुना गया है, जिससे 1,217 करोड़ रुपये का अतिरिक्त निवेश होगा। दो मौजूदा आवेदकों सहित 13 आवेदकों को जांच और उसकी सिफारिशों के लिए विशेषज्ञों की समिति (सीओई) के पास भेजा जा रहा है। आवेदकों का विवरण अनुलग्नक में दिया गया है। उल्लेखनीय है कि पीएलआई योजना से पूरे भारत में एसी और एलईडी लाइट के कलपुर्जों के उत्पादन को काफी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

पेटीएम को तीसरी तिमाही में 208.5 करोड़ रुपये का घाटा

नई दिल्ली। डिजिटल भुगतान प्लेटफॉर्म पेटीएम ब्रांड का स्वामित्व रखने वाली फिनटेक फर्म वन97 कम्युनिकेशंस का 31 दिसंबर, 2024 को समाप्त तीसरी तिमाही में घाटा कम होकर 208.5 करोड़ रुपये रहा है। पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में उसे 221.7 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। कंपनी ने सोमवार को रेगुलेटरी फाइलिंग में बताया कि चालू वित्त वर्ष 2024-25 की 31 दिसंबर, 2024 को समाप्त तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) में उसका समेकित घाटा कम होकर 208.5 करोड़ रुपये रहा है। पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में पेटीएम को 221.7 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। तीसरी तिमाही में पेटीएम की परिचालन आय 35.8 प्रतिशत घटकर 1,827.8 करोड़ रुपये रह गई, जो वित्त वर्ष 2023-24 की तीसरी तिमाही में 2,850.5 करोड़ रुपये रही थी। हालांकि, तिमाही आधार पर कंपनी के राजस्व में 10 फीसदी की वृद्धि हुई है। उल्लेखनीय है पेटीएम की पैरेंट कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस ने अगस्त 2009 में पेटीएम पेमेंट ऐप लॉन्च किया था। इसके फाउंडर विजय शेखर शर्मा हैं। फिलहाल देश में पेटीएम के 30 करोड़ से ज्यादा यूजर हैं। पेटीएम का मार्केट कैप करीब 28 हजार करोड़ रुपये है।

अरबपतियों की संपत्ति 2024 में 2000 अरब डॉलर तक बढ़ी: रिपोर्ट

दावोस। विश्व भर में अरबपतियों की संपत्ति पिछले साल 2024 में 2000 अमेरिकी डॉलर बढ़कर

15,000 अमेरिकी डॉलर हो गई जो 2023 की तुलना में तीन गुना अधिक है। यह जानकारी एक रिपोर्ट में दी गई। विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की वार्षिक बैठक से पहले सोमवार को रिपोर्ट यहां जारी की गई। रिपोर्ट ने अरबपतियों की संपत्ति में भारी उछाल और गरीबों की संख्या में 1990 के बाद से कोई खास बदलाव नहीं आने की तुलना की है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2024 में एशिया में अरबपतियों की संपत्ति में 299 अरब अमेरिकी डॉलर की वृद्धि हुई। साथ ही उसने अनुमान लगाया कि अब से एक दशक के भीतर कम से कम पांच खरबपति होंगे। वर्ष 2024 में अरबपतियों की सूची में 204 नए लोग शामिल हुए। औसतन हर सप्ताह करीब चार नाम इसमें शामिल हुए। इस वर्ष केवल एशिया से 41 नए अरबपति सूची में शामिल हुए। रिपोर्ट में कहा गया है कि ग्लोबल नॉर्थ के सबसे अमीर एक प्रतिशत लोग 2023 में वित्तीय प्रणालियों के जरिये 'ग्लोबल साउथ' से प्रति घंटे तीन करोड़ अमेरिकी डॉलर हासिल करेंगे।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

विश्व का...

उन्हें घुटने टेकने पर विवश कर दिया था। 1260 में गुलाम वंश की सेना ने जब कनखल पर हमला किया था, तो नागा साधुओं की सेना गुलाम वंश की सेना पर टूट पड़ी थी और 5,000 से अधिक नागा साधुओं ने अपने प्राणों का बलिदान दिया था और 22 हजार नागा साधुओं की सेना ने वीरता से युद्ध करके विजय प्राप्त की थी।अहमद शाह अब्दाली की सेना ने जब 1756-57 में मथुरा पर हमला करके हिंदुओं को मारना शुरू किया था, तो नागा साधुओं ने अब्दाली की सेना को मथुरा से खदेड़ा था और इसमें भी लगभग दो हजार नागा साधुओं ने अपने प्राणों का बलिदान दिया था। जिन नागा साधुओं का इतना समृद्ध इतिहास रहा है, जिनकी वीरता और बलिदानों से भारत का इतिहास भरा हुआ है, उनके विषय में बीबीसी ने जुगुप्सा पैदा करने वाले शब्द लिखे। यह हिंदुओं के प्रति घृणा की पराकाष्ठा है। और उससे भी बढ़कर महाकुंभ को नहाने वाला तमाशा बताया। बीबीसी की इस घृणा की जब आल-ोचना हुई तो बीबीसी ने चुपके से नागा साधुओं को होली-मेन (पवित्र लोग) लिख दिया, लेकिन इससे बीबीसी की कुमंशा छुपी नहीं, बल्कि और भी जगजाहिर हो गई।

न्यूयॉर्क टाइम्स ने महाकुंभ के विषय में लिखा है कि महाकुंभ हमेशा ही हिंदू धर्म का महत्वपूर्ण प्रतीक रहा है, मगर हिंदू राष्ट्र के विचार के उभरने तक इसका राजनीतिक प्रयोग नहीं किया गया था। इसमें इलाहाबाद के प्रयागराज नाम को लेकर भी लिखा है कि अकबर द्वारा दिए गए मुस्लिम नाम को भाजपा के हार्ड लाइन हिंदू पुजारी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रयागराज में बदल दिया। महाकुंभ के पवित्र अनुष्ठान के मौके पर न्यूयॉर्क टाइम्स का यह लिखना, उसके शैतान होने पर मुहर लगाता है।

दि वाशिंगटन पोस्ट ने भी नागा साधुओं को नंगा, राख में पुता साधु लिखा। हालांकि वाशिंगटन पोस्ट ने यह अवश्य लिखा है कि महाकुंभ विश्व का सबसे बड़ा ऐसा मेला है। इसने लिखा, अगले 45 दिनों में प्रयागराज में कम से कम 400 मिलियन लोगों के आने की उम्मीद है, जो संयुक्त राज्य अमेरिका की जनसंख्या से भी ज्यादा है। यह संख्या पिछले साल वार्षिक हज यात्रा के लिए सऊदी अरब के मुस्लिम पवित्र शहरों मक्का और मदीना में आए 2 मिलियन तीर्थयात्रियों से लगभग 200 गुना ज्यादा है। वाशिंगटन पोस्ट ने इस रिपोर्ट में भी राजनीतिक लाभ उठाने की बात करते हुए लिखा है कि यह धार्मिक पर्व मोदी के समर्थन आधार को बढ़ाएगा। वह लिखता है कि हालांकि भारत में पहले भी राजनेता हिंदुओं के साथ संबंध मजबूत करने के लिए त्यौहारों का सहारा लेते रहे हैं, मगर प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में यह पर्व हिंदू राष्ट्रवाद की वकालत करने का अभिन्न अंग बन गया है। मोदी और उनकी पार्टी के लिए भारतीय सभ्यता हिंदू धर्म से अलग नहीं है, हालांकि आलोचक कहते हैं कि पार्टी का दर्शन हिंदू श्रेष्ठतावाद का है। वाशिंगटन पोस्ट में भी इलाहाबाद के प्रयागराज होने का उल्लेख है और यह भी लिखा है कि मोदी सरकार ने हिंदू धार्मिक नेताओं की आलोचना के डर के कारण 2021 में हरिद्वार में कोरोना के मामलों में वृद्धि के बाद भी कुंभ रद्द करने से इन्कार कर दिया था।

पाकिस्तानी ट्रिब्यून ने एक तरफ महाकुंभ की प्रशंसा की, लेकिन साथ ही यह भी लिखा है कि इस वर्ष का यह आयोजन राजनीतिक है। इस पर्व को हिंदू एकता का प्रतीक माना जाता है और मोदी के नेतृत्व में इस पर्व का आयोजन बहुत भव्य हुआ है और यह राजनीतिक महत्व और राजनीतिक प्रतीकवाद दोनों ही मामलों मे बहुत बड़े पैमाने पर है। इस पाकिस्तानी अखबार में लिखा गया है कि इस बार के महाकुंभ में विवाद भी है क्योंकि पहली बार मुस्लिमों को वहां पर स्टॉल लगाने से रोका गया है और कथित रूप से मुस्लिम टैक्सी ड्राइवर्स को निर्देश दिया गया है कि वे तीर्थयात्रियों को न लेकर आएं। पाकिस्तानी पत्रकार आदिल भट ने यह तो बताया कि प्रयागराज में माहौल बहुत ही जीवंत और उत्साह से भरा हुआ है, मगर हर ओर प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री योगी के बिलबोर्ड लगे हुए हैं, जो भारतीय जनता पार्टी के हैं। कई आलोचकों का तर्क यह है कि इससे यह बताने का प्रयास किया जा रहा है कि वही इस धार्मिक उत्सव के मामलों के केंद्र में है।अंतरराष्ट्रीय समाचार एजेंसी रायटर्स ने भी अपनी रिपोर्ट में कहा है कि इस मेले का प्रयोग प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री योगी अपनी हिंदू राजनीति की छवि के लिए कर सकते हैं और कर रहे हैं। अमेरिकी समाचार चैनल सीएनएन ने इलाहाबाद का नाम प्रयागराज करने को मोदी सरकार द्वारा हिंदू मत के लिए और हिंदू मत का देश बनाने की तरफ कदम के रूप में बताया है और यह भी लिखा है कि अकबर द्वारा दिए गए नाम इलाहाबाद को बदलकर मोदी सरकार ने भारत की बहुलवादी एवं धर्मनिरपेक्ष देश को हिंदू राष्ट्र में बदलने की तरफ कदम बढ़ाया था।

यह कुत्सित मीडिया इस बात पर बहस नहीं करता कि आखिर हिंदुओं के इतने प्राचीन नगर प्रयागराज का नाम अकबर को इलाहाबाद करने की आवश्यकता क्यों पड़ी थी? क्या अकबर द्वारा हिंदुओं के प्राचीन नगर प्रयागराज को इलाहाबाद करते हुए यह बात ध्यान में नहीं आई थी कि वह हिंदुओं की पहचान पर सबसे बड़ा आक्रमण कर रहा है और क्यों कम्युनिस्ट मीडिया को यह दिखाई नहीं दे रहा है कि बहुलवाद पर हमला प्रयागराज का नाम इलाहाबाद करके किया गया था।

उत्तराखंड में ...

राजभवन ने विधेयक को मंजूरी के लिए राष्ट्रपति को भेजा। 11 मार्च को राष्ट्रपति ने यूसीसी विधेयक को अपनी मंजूरी दे दी। उसके बाद यूसीसी कानून के नियम बनाने के लिए एक समिति का गठन हुआ। नियमावली एवं क्रियान्वयन समिति ने हिंदी और अंग्रेजी दोनों संस्करणों में आज 18 अक्टूबर 2024 को राज्य सरकार को नियमावली सौंपी। 20 जनवरी 2025 को नियमावली को कैबिनेट की मंजूरी मिल गई।

यूसीसी लागू होने के बाद सभी धर्म-समुदायों में विवाह, तलाक, गुजारा भत्ता और विरासत के लिए एक ही कानून रहेगा। 26 मार्च 2010 के बाद से हर दंपति के लिए तलाक और शादी का पंजीकरण कराना अनिवार्य होगा। ग्राम पंचायत, नगर पंचायत, नगर पालिका, नगर निगम, महानगर पालिका स्तर पर पंजीकरण की सुविधा होगी। पंजीकरण न कराने पर अधिकतम 25,000 रुपए का जुर्माना होगा। पंजीकरण नहीं कराने वाले सरकारी सुविधाओं के लाभ से भी वंचित रहेंगे। विवाह के लिए लड़के की न्यूनतम आयु 21 और लड़की की 18 वर्ष होगी। महिलाएं भी पुरुषों के समान कारणों और अधिकारों को तलाक का आधार बना सकती हैं। हलाला और इद्दत जैसी प्रथा खत्म होगी। महिला का दोबारा विवाह करने की किसी भी तरह की शर्तों पर रोक होगी। कोई बिना सहमति के धर्म परिवर्तन करता है तो दूसरे व्यक्ति को उस व्यक्ति से तलाक लेने और गुजारा भत्ता लेने का अधिकार होगा। एक पति और पत्नी के जीवित होने पर दूसरा विवाह करना पूरी तरह से प्रतिबंधित होगा। पति-पत्नी के तलाक या घरेलू झगड़े के समय पांच वर्ष तक के बच्चे की कस्टडी उसकी माता के पास रहेगी। संपत्ति में बेटा और बेटी को बराबर अधिकार होंगे। जायज और नाजायज बच्चों में कोई भेद नहीं होगा। नाजायज बच्चों को भी उस दंपति की जैविक संतान माना जाएगा। गोद लिए, सरगोसी से असिस्टेड री प्रोडेक्टिव टेक्नोलॉजी से जन्मे बच्चे जैविक संतान होंगे। किसी महिला के गर्भ में पल रहे बच्चे के संपत्ति में अधिकार संरक्षित रहेंगे। कोई व्यक्ति किसी भी व्यक्ति को वसीयत से अपनी संपत्ति दे सकता है। लिव इन में रहने वाले प्रत्येक व्यक्ति के लिए वेब पोर्टल पर पंजीकरण अनिवार्य होगा। युगल पंजीकरण रसीद से ही किराया पर घर, हॉस्टल या पीजी ले सकेंगे। लिव इन में पैदा होने वाले बच्चों को जायज संतान माना जाएगा और जैविक संतान के सभी अधिकार मिलेंगे। लिव इन में रहने वालों के लिए संबंध विच्छेद का भी पंजीकरण कराना अनिवार्य होगा। अनिवार्य पंजीकरण न कराने पर छह माह के कारावास या 25 हजार जुर्माना या दोनों का प्रावधान होंगे।

उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) का वेब पोर्टल 21 जनवरी को प्रदेशभर में एक साथ उपयोग में आएगा। फिलहाल यह कवायद सरकार के अभ्यास (मॉक ड्रिल) का हिस्सा है। इसके बाद यूसीसी लागू हो जाएगा। मॉक ड्रिल में यूसीसी का प्रशिक्षण ले रहे रजिस्ट्रार, सब रजिस्ट्रार और अन्य अधिकारी अपने-अपने कार्यालयों में यूसीसी पोर्टल पर लॉगइन करेंगे। उसके जरिए विवाह, तलाक, लिव इन रिलेशन, वसीयत आदि सेवाओं के पंजीकरण का अभ्यास करेंगे। सुनिश्चित करेंगे कि यूसीसी लागू होने के बाद आम लोगों को उससे संबंधित सेवाएं मिलने में कोई तकनीकी बाधा तो नहीं आएगी। मॉक ड्रिल से सरकार, विशेष समिति और प्रशिक्षण टीम अपनी-अपनी तैयारियों को परख सकेंगी।

देश के पूर्व मुख्य न्यायाधीश रंजन गोगोई ने कहा, यूसीसी को मैं एक प्रगतिशील कानून मानता हूं। इससे तमाम उन परंपराओं में बदलाव होगा जो अब कानून बन चुकी हैं। इस बात में कोई दो राय नहीं है कि यह संविधान में निहित लक्ष्य है और हमें इसे प्राप्त करना है। जस्टिस गोगोई ने कहा, मैं समझता हूं कि यह (यूसीसी) देश की एकता के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे सामाजिक न्याय मिलेगा। यह बात साफ़ कर दी जानी चाहिए कि यूसीसी संविधान के अनुच्छेद 25 एवं 26 (धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार) का उल्लंघन नहीं करता। यह शादी, तलाक और विरासत जैसे मामलों से जुड़ा होगा। यह गोवा में बढ़िया तरीके से काम कर रहा है।उन्होंने कहा, मैं समझता हूं कि इस कानून के लिए आम सहमति बनाना और गलत जानकारी को फैलने से रोकना जरूरी है। सुप्रीम कोर्ट ने शाहबानो मामले में समेत 5 मौकों पर पूछा है कि केंद्र यूसीसी के मुद्दे पर क्या कर रहा। सुप्रीम कोर्ट इस मामले में आदेश जारी नहीं करेगा। मैं इस देश के सांसदों और सरकार से एक बात कहना चाहता हूं कि इस क़ानून के लिए जल्दबाजी न करें। आम सहमति बनाएं, इस देश के लोगों को बताएं कि असल में यूसीसी क्या है। समाज का एक तबका हमेशा ये कहेगा कि उसे समझ नहीं आएगा, वह ऐसा नाटक करेगा, उन्हें छोड़ दें।

एक ओर उत्तराखंड की पुष्कर सिंह धामी सरकार यूसीसी को लागू करने के लिए तैयार है, वहीं दूसरी ओर मुस्लिम संगठन इसके विरोध में अदालत जाने की बात कह रहे हैं। मुस्लिम सेवा संगठन, तंजीम-ए-रहनुमा-ए-मिल्लत तथा जमीयत उलेमा-ए-हिंद ने कहा है कि समान नागरिक संहिता के लागू होते ही वे अदालत का दरवाजा खटखटाएंगे। मुस्लिम सेवा संगठन के अध्यक्ष नईम कुरैशी ने उत्तराखंड में जैसे ही समान नागरिक संहिता लागू होगी, अगले ही दिन हम उत्तराखंड हाईकोर्ट पहुंच जाएंगे। कुरैशी ने कहा कि उत्-ाराखंड सरकार के द्वारा लाई जा रही समान नागरिक संहिता के जरिए एक धर्म की संस्कृति को दूसरे धर्म पर थोपने की कोशिश की जा रही है।

सेना में...

रूप में काम करेंगी। वर्तमान में, सेना, नौसेना और वायु सेना के पास अलग-अलग कमांड हैं। उन्होंने कहा कि तीनों सेनाओं के बीच एकीकरण लाने के लिए आठ कार्यक्षेत्रों का चयन किया गया है और इन कार्यक्षेत्रों के तहत 196 गतिविधियों पर काम पहले से ही चल रहा है। एकजुटता का मुख्य उद्देश्य ऐसी क्षमता विकसित करना है जो भविष्य में युद्ध की बदलती प्रकृति को ध्यान में रखेगी और एकीकृत संरचनाएं बनाएगी जो बहु-डोमेन संचालन कर सकें। उन्होंने कहा कि भविष्य में सभी वांछित क्षमताओं को एक साथ रखना सबसे बड़ी चुनौती होगी।

दूसरी तरफ, रक्षा क्षेत्र में रिसर्च के लिए जयपुर विश्वविद्यालय ने सेना की मदद करने का ऐलान किया है। राजस्थान के जयपुर स्थित मिलिट्री स्टेशन सप्त शक्ति कमांड लगातार रक्षा क्षेत्र में आधुनिकीकरण और रिचर्स के काम पर जोर दे रहा है। इसी सिलसिले में लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह, आर्मी कमांडर, साउथ वेस्टर्न कमांड ने निर्वाण यूनिवर्सिटी, जयपुर के वाइस चेयरमैन डॉ. आरके अरोड़ा से मुलाकात की।

इस दौरान रक्षा प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारतीय सेना के लिए विविध अनुसंधान और विकास के पहलुओं के बारे में चर्चा हुई। आर्मी कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह ने निर्वाण यूनिवर्सिटी रिसर्च और डेवलपमेंट के प्रयासों की सराहना की और रक्षा प्रौद्योगिकियों में आधुनिकीकरण के विभिन्न क्षेत्रों में सप्त शक्ति कमांड के साथ सहयोग के अवसरों पर प्रकाश डाला। आर्मी कमांडर ने यह भी दोहराया कि राजस्थान में प्रतिभाशाली युवाओं का एक बड़ा समूह है। जिनके पास उच्च तकनीकी क्षमताएं हैं। इसलिए समन्वय और सहयोग की आवश्यकता है। जो युवाओं को सशस्त्र बलों के लिए आवश्यक तकनीकी प्रगति की आवश्यकता को समझने और आवश्यक दिशाओं में अनुसंधान एवं विकास करने में सुविधा प्रदान करेगी।

इस बातचीत में तकनीकी नवाचार और परिवर्तन के क्षेत्र में सहयोग और साझेदारी की संभावना की पहचान की गई, जो एक आधुनिक सेना के लिए जरूरी है। यह अनुसंधान और विकास प्रयासों का मार्गदर्शन करेगा और रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। दरअसल, दक्षिण पश्चिमी कमान अग्रणी संस्थानों के साथ जुड़ने और सैन्य तकनीकी आवश्यकताओं के समाधान के लिए कई पहल कर रही है। विकसित भारत के दृष्टिकोण की दिशा में रक्षा क्षेत्र में आधुनिकीकरण, तकनीकी अवशोषण और क्षमता विकास जैसे कई प्रयास किए गए हैं।

सीमा पर बांध...

दूरी पर स्थित है। हालाँकि, उन्होंने यह भी कहा कि बांग्लादेश के तटबंध की लंबाई का कोई स्पष्ट आंकड़ा नहीं है, लेकिन उनके अनुसार लगभग एक किलोमीटर का हिस्सा दिखाई दे रहा है। इस पर काम अब भी चल रहा है और बांग्लादेश इसे स्थायी रूप (पक्का) से बनाने की तैयारी में है। चकमा ने कहा कि भारत को इस मामले में आवश्यक कदम उठाने चाहिए और राज्य सरकार इस मुद्दे को केंद्र सरकार के पास भेजने की योजना बना रही है।यह तटबंध निर्माण 1972 की इंदिरा-मुजीब संधि का उल्लंघन भी हो सकता है। इस संधि के तहत जीरो पॉइंट पर कोई स्थाई निर्माण नहीं किया जा सकता, सिवाय इसके कि दोनों देशों के बीच आपसी सहमति हो। जीरो पॉइंट दोनों देशों की सीमा पर लगे पिलर्स (खंभों) के 150 गज के भीतर आता है और इस पर कोई भी निर्माण भारतीय और बांग्लादेशी सरकार की सहमति के बिना नहीं किया जा सकता।

बांग्लादेश जिन तटबंधों को बना रहा है, उसकी वजह से भारत और बांग्लादेश की सीमा पर बहने वाली मनु नदी में पानी बढ़ जाने भारतीय इलाके में बाढ़ आ सकती है। खास बात यह है कि बांग्लादेश ने भारत को इस निर्माण के बारे में पहले से सूचित नहीं किया, जो भारत के लिए चिंता का कारण बन गया है। बांग्लादेश ने पहले ही भारत द्वारा सीमा पर बाड़ लगाने का विरोध किया था, जबकि वो घुसपैठ को रोकने के लिए बाड़ लगा रहा था। वहीं, दूसरी तरफ वो खुद तटबंध को बढ़ाकर भारतीय क्षेत्र में बाढ़ के खतरे को भी बढ़ा रहा है। इस मामले में भारतीय अधिकारियों का कहना है कि इसे जल्द से जल्द सुलझाने की आवश्यकता है, ताकि भारतीय क्षेत्रों में किसी भी प्रकार की इमरजेंसी की स्थिति से बचा जा सके।

दोषी घोषित संजय रॉय...

लेकिन तब तक तो चुप ही रहे।

उल्लेखनीय है कि कोलकाता के आरजी कर अस्पताल के सेमिनार हॉल में 9 अगस्त को पीजी ट्रेनी डॉक्टर का शव मिला था। 10 अगस्त को इस मामले में एक सिविल वालंटियर को गिरफ्तार किया गया था। इस घटना के बाद पूरे देश में उबाल आ गया। देशभर में डॉक्टरों ने आंदोलन शुरू कर दिया। इसके बाद 13 अगस्त को कलकत्ता हाईकोर्ट ने इस मामले की सीबीआई जांच का आदेश दिया था।

हमने मृत्युदंड की ...

सुनिश्चित की होती। मुख्यमंत्री ने मामले में सीबीआई जांच पर सवाल उठाए।

ममता ने कहा, हम सभी ने (दोषी के लिए) मृत्युदंड की मांग की थी, लेकिन अदालत ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। मामला हमसे जबरन ले लिया गया। अगर यह (कोलकाता) पुलिस के पास ही रहा होता, तो हम सुनिश्चित करते कि उसे मौत की सजा मिले। मुख्यमंत्री ने कहा, हमें नहीं पता कि जांच कैसे की गई। राज्य पुलिस द्वारा जांच किये गए ऐसे ही कई मामलों में मौत की सजा सुनिश्चित की गई। मैं (फैसले से) संतुष्ट नहीं हूं। सियालदह की अदालत ने संजय रॉय को राज्य सरकार द्वारा संचालित आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में प्रशिक्षु चिकित्सक से बलात्कार और हत्या के मामले में दोषी करार दिये जाने के बाद आजीवन कारावास की सजा सुनाई है।

सियालदह के अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश अनिर्बान दास की अदालत ने शनिवार को, रॉय को पिछले वर्ष नौ अगस्त को अस्पताल में स्नातकोत्तर प्रशिक्षु चिकित्सक के साथ हुए जघन्य अपराध के मामले में दोषी करार दिया था। न्यायाधीश दास ने कहा कि यह अपराध दुर्लभ से दुर्लभतम श्रेणी में नहीं आता, जिससे दोषी को मृत्युदंड दिया जा सके।

कराची में खिचड़ी ...

इसमें संदेह नहीं है कि बयान में आए शब्दों संयुक्त सैन्य अभ्यास, पारस्परिक यात्राएं और प्रशिक्षण विनिमय कार्यक्रम, दोनों देशों के बीच रक्षा संबंधों को मजबूत करना का निशाना भारत ही है। बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस जिन कदमों पर चल रहे हैं, उससे साफ है कि वह पश्चिम की डीप स्टेट के एक मोहरे जैसे हैं, नहीं तो कोई वजह नहीं थी कि वह बांग्लादेश की तरक्की में महत्वपूर्ण सहयोग करते आ रहे भारत को चुभने वाला ऐसा कोई कदम उठाते। कुर्सी पर बैठने के बाद से वह दो बार पाकिस्तानी प्रधानमंत्री मोहम्मद शाहबाज शरीफ से बात कर चुके हैं। शरीफ ने उनको पाकिस्तान बुलाया है और उन्होंने यात्रा का निमंत्रण स्वीकार किया है।बांग्लादेश में ऐसी हुकूमत के चलते पाकिस्तान को अगर अपनी शरारतों का दायरा बढ़ाने का खास मौका दिख रहा हो तो इसमें आश्चर्य नहीं। इसी गरज से पाकिस्तान की सरकार ने बांग्लादेशी हुकूमत के साथ गलबहियां डालना और रिश्तों को नरम बनाना शुरू किया है। इसके पीछे सिर्फ एक ही उद्देश्य हो सकता है और वह है साथ मिलकर भारत के विरुद्ध षड्यंत्र रचना। रणनीतिक विशेषज्ञों के अनुसार, हो सकता है पाकिस्तान बंगाल की खाड़ी में कोई हरकत करने की फिराक में है।बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार के कुर्सी से हटने के बाद वहां सत्ता के नाम पर हुकूमत चला रहे कट्टरपंथी तत्वों की वजह से भारत के खतरा दो तरफा हो गया है। अंतरिम मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ठीक वही कर रहे हैं जिसके लिए बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी की कट्टरपंथी सोच वाली अध्यक्ष खालिदा जिया और उनकी चहेती जमाते इस्लामी कहती है। भारत के विरुद्ध आतंकी साजिशें रचते आ रहे पाकिस्तान की बांछें बांग्लादेश में कट्टर मजहबी अंतरिम सरकार के आने के बाद से खिल उठी हैं। दोनों की सोच अब एक जैसी यानी कट्टरपंथी है इसलिए पंथनिरपेक्ष हिंदू बहुल भारत के विरुद्ध अब दोनों नए सिरे से जेहादी हरकत करने की चाल में लगे हुए हैं।भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने दो दिन पहले ही कहा कि पड़ोसी पाकिस्तान से संबंध इसलिए पटरी पर नहीं आ रहे हैं क्योंकि वह आतंकवाद का प्रायोजक है और भारत के खिलाफ सीमा पार आतंक जारी रखे हुए है। लेकिन आतंकवाद को अपनी विदेश नीति और कूटनीति का अंग बनाए पाकिस्तान को सद्बुद्धि आती नहीं दिख रही है। लेकिन अब बांग्लादेश में भी अपनी जैसी जिहादी सोच की सरकार आने के बाद से दोनों में साठगांठ बढ़ गई है और कट्टर दुश्मनी मद्धम पड़ती दिख रही है। इसकी पुष्टि करती है बांग्लादेशी नौसेना के एक प्रतिनिधिमंडल की पाकिस्तान के तटीय शहर कराची में मौजूदगी। बांग्लादेशी प्रतिनिधिमंडल कराची स्थित पाकिस्तानी नौसेना के मुख्यालय में खूब दावतें उड़ा रहा है। उसने पाकिस्तान के शिपयार्ड का मुआयना किया है। पाकिस्तान ने उसे अपने जंगी जहाज वगैरह दिखाकर अपनी ताकत का मुरीद बनाने और रिझाने की कोशिश की है। बेशक, पाकिस्तान की कोशिश है कि बांग्लादेश की नौसेना को अपने इस्लामी प्रभाव में लेकर बंगाल की खाड़ी में भारत विरोधी हरकतों में साझेदार बनाए।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, मंगलवार, 21 जनवरी, 2025

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

राज्यपाल जिष्णुदेव द्वारा हिंदी प्रचार सभा का कैलेंडर विमोचित

हैदराबाद, 20 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद के कैलेंडर का लोकार्पण तेलंगाना के राज्यपाल जिष्णुदेव वर्मा के करकमलों से किया गया। राजभवन में आयोजित इस कार्यक्रम के अवसर पर सभा के अध्यक्ष प्रोफेसर चंद्र देव कवडे, प्रधानमंत्री एस. गैबुवली एवं अन्य प्रतिनिधि मंडल के सदस्यों ने राज्यपाल को शाल, माला, पुष्प-गुच्छ व स्मारिका से सम्मानित किया।इस अवसर पर सभा का प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल को जानकारी दी कि सभा की स्थापना 1935 में उगादि पर्व के दिन हुई थी। सभा की चार प्रादेशिक सभाएं- तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र एवं कर्नाटक अहिंदी राज्यों में हिंदी का प्रचार प्रसार करते हुए हिंदी परीक्षाओं के माध्यम से लाखों छात्रों को हिंदी भाषा सीखा रहा है। सभा के छात्र हजारों की संख्या में हिंदी अध्यापक व प्राध्यापक सरकारी और गैर सरकारी पाठशालाओं में कार्यरत है और प्रचार सभा द्वारा हिंदी भाषा को बढ़ावा देने के कई कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं।

राज्यपाल जिष्णदेव वर्मा ने हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद के कार्यकलापों पर प्रसन्नता व्यक्त की और सभा के प्रतिनिधिमंडल का अभिनंदन किया। उक्त कार्यक्रम में कानूनी सलाहकार जे. वेंकटराम नरसिम्हा रेड्डी, परीक्षा मंत्री प्रोफेसर सुरेश पुरी, साहित्य मंत्री आर. बिच्चय्या, तेलंगाना हिंदी प्रचार सभा के अध्यक्ष के रामचंद्र, मंत्री ए. के. राजू, संयोजक श्रुतिकांत भारती, कार्यालय मंत्री के वेंकटेश तथा रजिस्ट्रार नामदेव वाघमारे, सी. शिवलिंगम और अन्य उप-स्थित थे।

ऋषि श्रृंग भवन में पाली राजस्थान से पधारे गोपाल उपाध्याय (पटवारी) पूर्व सिखवाल ब्राह्मण सेवा समिति के अध्यक्ष पाली एवं संपूर्ण राजस्थान में डिश टीवी केयर सेंटर के प्रमुख का नगरागमन पर सिखवाल प्रगति समाज द्वारा शॉल व माला से सम्मान किया गया। इस अवसर पर रामदेव नागला, मांगीलाल नागला, ताराचंद कोलरिया सुरेश कुमार व्यास, जुगल किशोर उपाध्याय, सुरेश जी उपाध्याय भगवान नागला, एडवोकेट रामदेव नागला, नंदकिशोर उपाध्याय, चंपालाल नागला, राधेश्याम उपाध्याय, सुरेंद्र कुमार उपाध्याय, श्रीनिवास नागला, राजकुमार उपाध्याय, कैलाश नागला , उमेश नागला एवं अन्य उपस्थित थे।

जामबाग मंडल, विकास कार्यालय, हिंदी नगर में जामबाग डिविजन के भाजपा पार्षद राकेश जयसवाल को केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड हैदराबाद क्षेत्र के सलाहकार सदस्य के रूप में नियुक्त किये जाने पर भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा उन्हें सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में रघु कांबले, प्रवीण बाबू, रामकृष्ण, रणुका, काजल, जगपति, भरत, नरसिंह, संदीप, रवि, मुकेश, कर्णि, रवि, राजू, सनी, पापु ने भाग लिया।

पोंगल त्यौहार के अवसर पर नवभारत निर्माण संघ ने बाल कल्याण सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. पैदी अंकैया को अमृत सम्मेलन हॉल, राघव रत्ना टॉवर, अबिड्स में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान सम्मानित किया और संक्रांति पुरस्कार प्रदान किया। इस अवसर पर प्रसिद्ध समाज सेवी अमृत कुमार जैन, संघ के अध्यक्ष एस. रवि कुमार, आनंद और अन्य शामिल हुए।

मलकपेट स्थित मूक बधिर बच्चों में पौश-6 के अवसर पर अन्नदान करते हुए भट्ट फाउंडेशन के चेयरमेन भारत भट्ट एवं अन्य।

अग्रवाल समाज गच्चीबावली शाखा का नववर्ष और मकर संक्रांति कार्यक्रम सम्पन्न

हैदराबाद, 20 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल समाज गच्चीबावली शाखा एवं महिला विंग का नव वर्ष एवं मकर संक्रांति कार्यक्रम जैन-4 सीजंस में सम्पन्न हुआ ।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति के अनुसार कार्यक्रम का प्रारंभ सर्वप्रथम महाराजा अग्रसेन जी की पूजा अर्चना से किया गया। गच्चीबोली महिला विंग शाखा की अध्यक्ष कमलेश अग्रवाल ने अपनी संस्कृति को कायम रखते हुए सभी का रोली तिलक से स्वागत किया । शाखा अध्यक्ष एडवोकेट सुरेश अग्रवाल ने संचालन एवं अग्र बधुंओ का स्वागत किया । अग्रवाल समाज तेलंगाना अध्यक्ष मनीष अग्रवाल ने कार्यक्रम में भाग लेकर सभी को प्रोत्साहित किया। जिनका स्वागत गच्चीबावली के संस्थापक, मानद मंत्री, पूर्व अध्यक्ष केपी अग्रवाल द्वारा किया गया। मनीष अग्रवाल ने अग्रवाल समाज के उत्तरदायित्व, कर्तव्य एवं समाज के प्रति निष्ठा उनके समय में किए गए नवीन कार्यों का

उल्लेख किया।

गच्चीबावली शाखा के नए सदस्य डॉ. प्रमोद अग्रवाल की सेवाओं को सराहा गया। गच्चीबोली शाखा की पूर्व अध्यक्ष एवं वर्तमान अग्रसेन टैलेंट कमेटी, चेयरमैन गीता अग्रवाल ने साहित्यिक क्षेत्र में अपनी उपलब्धियों के बारे में जानकारी एवं अग्रवाल समाज गच्चीबोली शाखा द्वारा साल में किए गए चारों कार्यक्रम को एक माला में पिरोकर कविता पाठ, गीत रूप में प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में विशेष प्रतियोगिताएं रखी गईं- जिसमें पतंग, डोर, लालटेन, चरखी, सूरज, तिल के लड्डू आदि खेल का अत्यंत सुंदर आयोजन अंजना टिबरेवाल एवं दीक्षा टिबरेवाल ने किया। जिसका सभी ने आनंद उठाया। नव वर्ष पर आधारित विशेष तंबोला नेहा अग्रवाल एवं प्रकाश अग्रवाल ने खिलाया। जिसमें प्रथम पायल गर्ग, द्वितीय पूर्णिमा गुप्ता तृतीय आकाश गुप्ता विजेता रहे। अग्रवाल समाज के वरिष्ठ सदस्य एवं पूर्व मानद मंत्री अग्रवाल समाज, तेलंगाना के डॉ.डी.के. गोयल ने अपने लेखन कार्य की उपलब्धियां एवं फिल्म लाइन से जुड़े अपने अनुभव सभी के साथ साझा किये। नेहा अग्रवाल, राजेंद्र कुमार रुंगटा, सुशील अग्रवाल, अखिलेश गुप्ता आदि ने गीत, कविता पाठ से वातावरण को गूंजायमान कर दिया। कुछ सदस्यों ने अपनी उपलब्धियां एवं अपने व्यवसाय के बारे में विस्तृत जानकारी दी, शाखा ने उन्हें आगे बढ़ने के मार्ग एवं सहयोग का आश्वासन दिया।

कार्यक्रम में सुरेश अग्रवाल- कमलेश अग्रवाल, के पी अग्रवाल- गीता अग्रवाल, दिनेश टिबरेवाल- अंजना टिबरेवाल , अंशुल टिबरेवाल -दीक्षा टिबरेवाल, दिव्या टिबरेवाल, मंगल धनुका, डॉक्टर डी के गोयल ,डॉ प्रमोद कुमार अग्रवाल, प्रकाश अग्रवाल- नेहा अग्रवाल ,संतोष टांटिया -संगीता टांटिया, अमित अग्रवाल - शिवानी अग्रवाल, वीरेश अग्रवाल- मीतू अग्रवाल, ए के गुप्ता- मीनाक्षी गुप्ता, राजेंद्र कुमार बंसल, दिनेश कुमार गुप्ता- नीलिमा गुप्ता, दर्पण गुप्ता, पुल्का गुप्ता, रमेश गोयल, अखिलेश गुप्ता, पूर्णिमा गुप्ता, आकाश गुप्ता, मधुबन गुप्ता, मोनिका गुप्ता, रजनीश गर्ग, पायल गर्ग, अशोक कुमार अग्रवाल, मधु अग्रवाल, अंकिश अग्रवाल, पुष्पराय अग्रवाल, सृष्टि अग्रवाल, प्रेरणा , प्रवीण गुप्ता, राकेश जिंदल, राजेंद्र रुंगटा, एम आर सुरेखा, एस के गुप्ता निर्मल गुप्ता, स्वरूप बागरिया- मुस्कान बागारिया, राजेंद्र कुमार जिंदल, किरण जिंदल, विशाल अग्रवाल, नेहा अग्रवाल, अन्वी ,अवयन, आदि ने कार्यक्रम में भाग लिया एवं अंत में सहरूची भोजन का आनंद लिया।

राधे राधे ग्रुप द्वारा नियमित अन्नदान के अंतर्गत सोमवार को राधे राधे ग्रुप एवं हरचंद्रा कौशल्यादेवी अग्रवाल परिवार (पटवारी फार्मा) की ओर से नामपल्ली स्थित पाब्लिक गार्डन, पिलर नं. ए1265 के समीप जरूरतमंद लोगों में अल्पाहार सेवा की गई। इस अवसर पर -सतीश गुप्ता, आशा अग्रवाल, महेश अग्रवाल जगत नारायण अग्रवाल, गायत्री अग्रवाल, नंदकिशोर अग्रवाल, भगतराम गोयल, अशोक अग्रवाल, ई. जगन (चंपापेट), मनीष फिटकारीवाला, प्रीतिका अग्रवाल, श्याम सुन्दर अग्रवाल, उमाकांत गुप्ता, - उर्मिला गुप्ता, जीतेन्द्र गुप्ता, संजय अग्रवाल, सविता अग्रवाल, सुशील गुप्ता, शीतल गुप्ता एवं राधे राधे ग्रुप के सदस्य उपस्थित थे।

आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के उप उच्चायुक्त महामहिम गैरेथ व्यान ओवेन को आगामी विश्व एरिना पोलो चैंपियनशिप में आमंत्रित करते हुए एचपीआरसी के अध्यक्ष चैतन्य आर. कुमार, स्नैप्स इंडिया के संपादक मो. शम्सुद्दीन और व्यवसायी अली बहेज़क। उक्त कार्यक्रम आगामी 23 फरवरी से 3 मार्च, 2025 तक आयोजित किये जा रहे हैं।

पंडित गांगाराम स्मारक मंच द्वारा संक्रांति पर्व का आयोजन

हैदराबाद, 20 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

पंडित गंगाराम स्मारक मंच की ओर से परम्परा अनुसार रविवार को संक्राति मेले का भव्य आयोजन आर्य कन्या विद्यालय, देवीदीन बाग, सुल-तान बाजार में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. विजयवीर विद्यालंकार ने की। विशेष वक्ता के रूप में धर्मेन्द्र जिज्ञासु उपस्थित थे। अन्य अतिथियों में श्रीमती शांति मेहरा, श्रीमती रत्नकला मिश्रा और श्रीमती सरिता सुराणा उप-स्थित थी।इस अवसर पर धमेन्द्र जिज्ञासु ने पण्डित गंगाराम जी के जीवन तथा उनके जीवन से जुड़ी अनेक स्मृतियों पर प्रकाश डाला। अपने अध्यक्षीय भाषण में डॉ. विजयवीर विद्यालंकार ने पण्डित गंगारामजी के व्यक्तित्व

और कृतित्व को उजागर किया। श्रीमती सरिता सुराणा ने भी पण्डित जी के जीवन के अनेक पहुलओं को उजागर किया। सभी वक्ताओं ने मंच के अध्यक्ष भक्तराम की ओर से किये जा रहे सेवाओं की प्रशंसा की और भविष्य में भी अनेक कार्यक्रम आयोजित करने का सुझाव दिया।संक्रांति मेले के उपलक्ष्य में कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। नगर के प्रमुख कवियों ने इसमें भाग लिया। इनमें- डॉ. प्रभास चन्दर सिंह चन्दर, डॉ पंकज मेहता, श्रीमती अरुंधती कुलकर्णी, श्रीमती सिम्मी, श्रीमती उमा तिवारी, श्रीमती रत्नकला मिश्रा, श्रीमती सरिता सुराणा और धर्मेन्द्र जिज्ञासु और अन्य शामिल है। कार्यक्रम का आरंभ यज्ञ/हवन से हुआ। प्रसाद के रूप में संक्रांति पर्व में प्रचलित तिल गुड़ वितरित किया गया।

कार्यक्रम का समापन विख्यात भजन गायक पण्डित ओमप्रकाश शास्त्री के मधुर भजनों के पश्चात प्रीतिभोज से हुआ।मंच के अध्यक्ष भक्तराम और संयोजक प्रदीप जाजू ने अतिथियों का स्वागत और सम्मानित किया। मंच के संयोजक श्रुतिकांत भारती ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। इस कार्यक्रम का संचालन संयोजक श्रीमती सुधा ठाकुर ने किया।गौरतलब है कि संक्रांति मेला पण्डित गंगाराम जी वानप्रस्थी के अध्यक्षता में केशव स्मारक विद्यालय, नारायण गुड़ा में 1968 से आयोजित किया जाता था। अब उसी परम्-परा को पण्डित गंगाराम स्मारक मंच ने पुनः प्रारम्भ किया है।

मीडिया लोकतंत्र का आधार स्तंभ है : जिष्णु देव वर्मा

हैदराबाद, 20 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना के राज्यपाल श्री जिष्णु देव वर्मा ने कहा कि लोकतंत्र में मीडिया क्षेत्र सबसे महत्वपूर्ण संस्था है। एक शब्द में कहें तो मीडिया लोकतंत्र की आधारशिला है।

उन्होंने कहा कि जनता और अधिकारियों के बीच सेतु बनना और समय-समय पर जानकारी उपलब्ध कराना बड़ी बात है। यह सराहनीय है कि पत्रकार बढ़ती प्रौद्योगिकी के साथ मीडिया क्षेत्र में हो रहे बदलावों के अनुरूप काम कर रहे हैं। हर कोई मीडिया क्षेत्र का ऋणी है, जो समय के साथ प्रतिस्पर्धा कर रहा है और समाज की पल-पल की देखभाल कर रहा है।

राज्यपाल ने सोमवार को राजभवन में तेलंगाना पत्रकार संघ (जेएटी) की 2025 डायरी का अनावरण किया। इसके बाद पत्रकार ने राज्य समिति से विशेष बातचीत की। उन्होंने उन पत्रकारों को बधाई दी जिन्होंने अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी को अपनाया है और प्रिंट तथा इलेक्ट्रॉनिक मीडिया से आगे बढ़कर डिजिटल क्षेत्र में काम कर रहे हैं।

उनका मानना था कि जो पत्रकार बिना किसी लाभ की भावना के लगातार सामुदायिक सेवा में लगे रहते हैं, वे अनुकरणीय हैं। इस अवसर पर उन्होंने सभी का नाम लेकर अभिवादन किया तथा मीडिया क्षेत्र में हो रहे बदलाव एवं समस्याओं के बारे में जानकारी ली। कार्यक्रम में पत्रकार संघ तेलंगाना के प्रदेश अध्यक्ष पगुडकुला बालास्वामी, प्रदेश महासचिव जुलुरी रमेश, नेता चिलुकुरी अखिलेश, अशोक, अनिल, मोहन, तिरुमलेश, राघवेंद्र गौड़, गिरिधर चारी, किशोर, सत्यम, दुर्गा प्रसाद, राममोहन रेड्डी, अंजनेयुलु और अन्य ने भाग लिया।

दक्षिण मध्य रेलवे
हमें X SCRailwayindia पर फॉलो करें
द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है
PUB/0057

सं. एनडब्लू/148/WIII/निविदा सूचना /2024-25 दि. : 16.01.2025

निविदा का विवरण जो पहले से ही **www.ireps.gov.in** पर अपलोड किया गया है।

क्रम. नं. 1, निविदा सं. टी-202425-3-074, **प्राधिकार :** को-ऑर्ड, **निविदा मूल्य (रु. में):** 7,88,52,085.18, **बयाना राशि (रु. में):** 54,43,00.00, **पूर्ण करने की अवधि:** 12 महीने, **कार्य का विवरण:** एसडब्लू-I- मनमाड मुदखेड (यूपी/डीएन) - सेस रिपेयर 86700 क्यूम और अकोला-पूर्णा-सेस रिपेयर 40000 क्यूम (आईआरपीएसएम आईडी-11.0.31.24.3.53.010 पीबी क्रमांक 157 वित्तीय वर्ष 2024-25) एसडब्लू-II नांदेड़ डिवीजन - मनमाड-मुदखेड (यूपी और एसएल) खंड एक्सग का सीटीआर(पी)। नए चौड़े पीएससी स्लीपरों पर नए 60 किग्रा आर260 ग्रेड रेल (एलडब्ल्यूआर) के साथ पीएससी6 स्लीपरों पर 60 किग्रा/90यूटीएस रेल 1660 संख्या/किमी घनत्व 1660 संख्या/किमी जिसमें पुनर्प्राप्ति और गिट्टी कुशन को 35 सेमी तक बढ़ाना और कुल 15.317 किमी के लिए गिट्टी की गहरी स्क्रीनिंग शामिल है। (स्वीकृत स्थान अनुलग्नक के रूप में संलग्न हैं) (परियोजना आईडी: 11.04.31.24.3.53.002 और 2024-25 की पीबी मद संख्या 155) (शेष कार्य उपकर कार्य) एसडब्लू-III- नांदेड़ डिवीजन मनमाड-मुदखेड (यूपी/डीएन/एसएल) खंड: एक्सग का सीटीआर(पी)। एक्स. स्लीपरों पर 52 किग्रा/90यूटीएस रेल 1540 संख्या/किमी घनत्व, नए चौड़े पीएससी5 स्लीपरों पर नए 60 किग्रा आर260 ग्रेड रेल (एलडब्ल्यूआर) के साथ 1660 संख्या/किमी, जिसमें 7.270 किमी की कुल लंबाई के लिए गिट्टी कुशन को 35 सेमी तक बढ़ाना और गिट्टी की गहरी स्क्रीनिंग शामिल है (अनुलग्नक के रूप में संलग्न स्वीकृत स्थान) (आईआरपीएसएम परियोजना आईडही 11.04.31.23.1.53.001 और 2023-24 की झड़ संख्या 514 (एडीईएन जालना के तहत नव स्थापित सतूना (एससीओ) गिट्टी डिपो के लिए शेष उपकर कार्य), **निविदा फॉर्म की लागत** (रु. में): शून्य

क्रम.सं. 1, निविदा सं. टी-202425-3-074, **समान प्रकृति का कार्य (50 लाख से अधिक लागत के लिए):** क्षेत्रीय कार्यों को छोड़कर कोई भी सिविल इंजीनियरिंग कार्य।

उपर्युक्त निविदा **07.02.2025 को 15.00** बजे बंद हो जाएगी।

वरिष्ठ डीईएन/को-ऑर्ड/नांदेड़

ई-निविदा आमंत्रण सूचना (www.ireps.gov.in के माध्यम से) PUB/0058

कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से मुख्य विद्युत अभियंता (निर्माण), दक्षिण मध्य रेलवे, सिकंदराबाद द्वारा एकल पैकेट निविदा प्रणाली में निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदा आमंत्रित :

क्रम सं. : 1, एनआईटी सं. : 07-2024-25-ई-जीएस-सीएन 20.01.2025, **कार्य का नाम:** निविदा संख्या: 07-2024-25-ई-जीएस-सीएन एमबीएनआर-डीएनई खंड: स्टेशन भवन में विद्युत व्यवस्था, एलसी गेट, पीएफ लाइटिंग, एटी आपूर्ति व्यवस्था, ट्रैक मशीन साइडिंग, ओआरएच, सर्कुलेटिंग एरिया और सीओपी/एफओबी लाइटिंग। एमबीएन-नआर-एमक्यूएन खंड के बीच मौजूदा बिजली लाइन क्रॉसिंग का स्थानांतरण और संशोधन, **विवरण:**- **अनुमानित लागत:** रु. 2,93,97,373.00, **ईएमडी:** रु. 2,97,000.00, **दस्तावेज लागत:** शून्य, **पूर्ण करने की अवधि:** 06 (महीने), **समापन तिथि:** 13/02/2025 15:00 बजे।

1) बोली दस्तावेज और अन्य विवरण के लिए, कृपया वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर लॉग इन करें

2) बयाना राशि का भुगतान, निविदा दस्तावेज की जमा राशि और लागत केवल नेट बैंकिंग/आईआरईपीएस में ऑनलाइन उपलब्ध। भुगतान गेटवे सुविधाओं के माध्यम से होनी चाहिए।

3) निविदाकर्ता निविदा प्रस्तुत करने की अवधि के दौरान अपने प्रस्ताव ऑनलाइन प्रस्तुत कर सकते हैं जो निविदा बंद होने से पंद्रह दिन की अवधि है।

4) निविदाकर्ता को निविदा प्रस्तुत करने की अवधि के प्रारंभ होने की तिथि तक किसी भी शुद्धिपत्र (केवल ऑनलाइन जारी) की प्रतीक्षा करनी चाहिए।

मुख्य विद्युत अभियंता (निर्माण)/ सिकंदराबाद

ई-निविदा सूचना सं. : 23 PUB/0059

कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से कार्यरत, वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (रखरखाव), गुंटूर द्वारा आईआरईपीएस पोर्टल **www.ireps.gov.in** के माध्यम से निम्नलिखित ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम.: 1, निविदा शीर्षक: जीएनटी डिवीजन: गुंटूर डिवीजन में सबस्टेशनों, सेवा भवनों, स्टाफ क्वार्टरों और स्टेशनों पर अर्थिंग व्यवस्था का प्रतिस्थापन, **निविदा संदर्भ संख्या:** जीएनटी-ई.23.2024-25, दि. 17-01-2025, **अनुमानित मूल्य (रुपये में):** 24,82,182.92, **बयाना राशि जमा (रुपये में):** 49,700,00, **निविदा फॉर्म की लागत (गैर-वापसी योग्य) रुपये में:** 0.00

ई-बोली ऑनलाइन जमा करने की अंतिम तिथि और समय: 10.02.2025 को 11.30 बजे तक।

आगे कोई भी संचार/शुद्धिपत्र केवल ई-पोर्टल **www.ireps.gov.in** पर प्रकाशित किया जाएगा।

वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/एम./गुंटूर
A0068

अतिरिक्त निविदा शर्तों/विवरणों के लिए और निविदा दस्तावेजों को डाउनलोड करने के लिए कृपया वेबसाइट : www.ireps.gov.in या http://www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

हैदराबाद में पानी का संकट शुरू

गर्मियों से पहले पानी की कमी और जलभराव ने चिंता बढ़ाई

हैदराबाद, 20 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हैदराबाद में पानी की भारी कमी पेश आ रही है और गर्मी के चरम पर पहुंचने से महीनों पहले ही ठंड के मौसम में यह समस्या उभरने लगी है। इस स्थिति ने खतरे की घंटी बजा दी है, खास तौर पर इसलिए क्योंकि शहर के विभिन्न हिस्सों में रहने वाले लोग पहले से ही भरोसेमंद जल स्रोतों तक पहुँचने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। इस बात को लेकर चिंताएँ बढ़ रही हैं कि गर्मियों के आने पर स्थिति कैसी होगी।हैदराबाद में इस साल पानी का संकट उम्मीद से पहले ही शुरू हो गया है, क्योंकि निवासियों को सर्दियों में पानी की कमी का असर पहले ही महसूस होने लगा है। पानी की समस्या का यह शुरुआती दौर इस बात का संकेत है कि गर्मियों के आते-आते शहर को और भी गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है, क्योंकि ताज़े पानी की मांग बढ़ने वाली है।निज़ामपेट भंडारी लेआउट समेत शहर के कई इलाकों में जलभराव की खबरें आई हैं, जिससे पानी की आपूर्ति की समस्या और भी बढ़ गई है। निवासियों को अपनी दैनिक पानी की ज़रूरतों को पूरा करने के लिए पानी के टैंकरों पर निर्भर रहना पड़ रहा है। इस स्थिति ने यह स्पष्ट कर दिया है कि शहर का जल आपूर्ति ढांचा बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए संघर्ष कर रहा है।निज़ामपेट भंडारी लेआउट, एक ऐसा क्षेत्र है जो जलभराव से जूझ रहा है, यह इस बात का एक प्रमुख उदाहरण है कि शहर किस तरह से जल-संबंधी चुनौतियों से जूझ रहा है। जलभराव न केवल स्वच्छता संबंधी समस्याएँ पैदा करता है, बल्कि ताजे पानी के कुशल वितरण में भी बाधा डालता है। पानी की कमी और जलभराव का संयोजन उन निवासियों के लिए एक विकट स्थिति प्रस्तुत करता है जो अपनी दैनिक जल आपूर्ति के लिए हैदराबाद जल बोर्ड पर निर्भर हैं।शहर भर में कई अपार्टमेंट परिसरों में, निवासी पानी के प्राथमिक स्रोत के रूप में पानी के टैंकरों की ओर रुख कर रहे हैं। ये टैंकर, हालांकि एक अस्थायी समाधान हैं, लेकिन शहर की बढ़ती पानी की मांग के लिए एक स्थायी जवाब नहीं हैं। पानी के टैंकरों पर यह निर्भरता मौजूदा जल आपूर्ति प्रणाली की विफलता को उजागर करती है, जो हैदराबाद की बढ़ती आबादी की जरूरतों को पूरा करने के लिए लगातार और पर्याप्त पानी उपलब्ध कराने के लिए संघर्ष कर रही है।

हैदराबाद में ठंड के महीनों में पानी की कमी और वितरण संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, तो गर्मियों में स्थिति कैसी होगी, इस बारे में व्यापक चिंता है। तापमान बढ़ने के साथ ही पानी की मांग भी बढ़ेगी, जिससे शहर की पहले से ही बोझिल जल आपूर्ति प्रणाली पर और दबाव बढ़ेगा।

हैदराबाद जल बोर्ड आपूर्ति संबंधी समस्याओं को प्रभावी ढंग से हल करने में असमर्थ रहा है, जिससे निवासियों को आने वाले महीनों के बारे में चिंता बनी हुई है। अधिकारियों से शहर के जल ढांचे में सुधार करने और निवासियों को ताज़ा पानी उपलब्ध कराने के लिए स्थायी समाधान खोजने के लिए तत्काल कार्रवाई करने की मांग बढ़ रही है, खासकर गर्मियों के महीनों के करीब आते ही।

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 31^0
न्यूनतम : 14^0

शेयर मार्केट

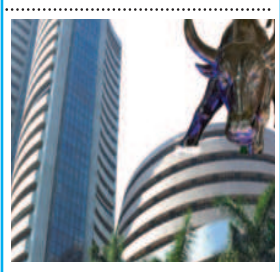

बीएसई : 77,073.44
+454.11 +0.59% ↑
एनएसई :23,344.75
141.55 (0.61%) ↑

हैदराबाद : जुबली हिल्स में 2,000 वर्ग गज पर अतिक्रमण

जीएचएमसी मेयर ने तत्काल कार्रवाई के आदेश दिए!

हैदराबाद, 20 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

जीएचएमसी की मेयर गडवाल विजयलक्ष्मी ने जुबली हिल्स पुलिस स्टेशन के पीछे स्थित 2,000 वर्ग गज भूमि पर अवैध अतिक्रमण पर कड़ी आपत्ति जताई है।सोमवार को संबंधित अधिकारियों के साथ स्थल के निरीक्षण के दौरान विजयलक्ष्मी ने पाया कि अतिक्रमणकारी आवश्यक अनुमति प्राप्त किए बिना भूमि पर सब्जियां उगा रहा था।निरीक्षण के बाद महापौर ने अधिकारियों को अतिक्रमणकारियों के खिलाफ तत्काल और निर्णायक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों को उचित मशीनरी का उपयोग करके दिन के अंत तक पूरे परिसर को खाली करने का निर्देश दिया।विजयलक्ष्मी ने कहा, सार्वजनिक भूमि पर अतिक्रमण अस्वीकार्य है और इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ऐसी गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए सख्त कदम उठाए जाएंगे। महापौर की त्वरित प्रतिक्रिया सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा और शहर में व्यवस्था बनाए रखने के लिए जीएचएमसी की प्रतिबद्धता को उजागर करती है।

एक राम भक्त की आध्यात्मिक यात्रा

हैदराबाद, 20 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अगर किसी के अंदर समर्पण और प्रतिबद्धता है, तो उसे असाधारण यात्रा पर निकलने से कोई नहीं रोक सकता।

हैदराबाद के चल्ला श्रीनिवास शास्त्री ऐसे ही रामभक्त हैं, जिन्होंने अयोध्या में भगवान राम के प्रति अपनी आस्था के साथ एक असाधारण यात्रा शुरू की है। पेशे से एक अनुभवी साउंड इंजीनियर और फिल्म उद्योग में पांच दशकों से अधिक के करियर वाले शास्त्री अब आध्यात्मिक प्रयासों की ओर मुड़ गए हैं और अयोध्या राम मंदिर पर अपनी अमिट छाप छोड़ रहे हैं।

अयोध्या में राम मंदिर से शास्त्री का गहरा व्यक्तिगत संबंध है और पारिवारिक विरासत में निहित है। राम जन्म भूमि आंदोलन में भाग लेने वाले अपने पिता की प्रतिज्ञा को पूरा करते हुए शास्त्री ने मंदिर की नींव के लिए 2.5 किलोग्राम वजन की पांच चांदी की ईंटें दान कीं। जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अयोध्या में मंदिर की नींव रखी, तो ये ईंटें मंदिर के निर्माण का अभिन्न अंग थीं। शास्त्री ने तमिलनाडु के रामेश्वरम से अयोध्या तक 7,200 किलोमीटर की पदयात्रा करके एक तरह का रिकॉर्ड बनाया था। उनकी छह महीने की कठिन यात्रा 22 जनवरी, 2024 को होने वाले प्राण प्रतिष्ठा समारोह से पहले अयोध्या में समाप्त हुई। तब से, उन्होंने और उनकी पत्नी ने प्रतिदिन 10,000 से अधिक भक्तों को लड्डू वितरित करके और 500-1,000 लोगों को मुफ्त भोजन प्रदान करके समुदाय की सेवा के लिए खुद को समर्पित कर दिया है। इस तरह, वे क्षेत्र में तेलुगु व्यंजनों की कमी को पूरा करते हैं। अपने अनूठे योगदान की परंपरा को जारी रखते हुए, शास्त्री ने मंदिर की पहली मंजिल पर भगवान राम की मूर्ति के हाथों में रखने के लिए 14 किलो वजन का धनुष बनाया है। इसमें 13 किलो चांदी और 1 किलो सोना है। यह धनुष वर्तमान में देश भर के दौरे पर है, विभिन्न मंदिरों से आशीर्वाद प्राप्त कर रहा है, और मार्च या अप्रैल 2025 तक अयोध्या पहुंचने की उम्मीद है। भविष्य को देखते हुए, शास्त्री ने तेलुगु भाषी तीर्थयात्रियों के ठहरने के लिए अयोध्या में एक धर्मशाला (विश्राम गृह) बनाने की योजना बनाई है, जिसका निर्माण फरवरी 2025 के बाद शुरू होने वाला है। इसके अतिरिक्त, वह अयोध्या हवाई अड्डे पर महर्षि वाल्मीकि की एक प्रतिमा स्थापित करने की योजना बना रहे हैं, जो शहर के आध्यात्मिक परिदृश्य को और समृद्ध करेगी।

बेंगलुरु में मेट्रो और बस किराए में बढ़ोतरी से हैदराबाद में चिंता

क्या अगला नंबर तेलंगाना का है? जानिए क्या है मामला!

हैदराबाद, 20 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

कर्नाटक सरकार द्वारा बस किराए में 15% की बढ़ोतरी के बाद, बेंगलुरु मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीएमआरसीएल) ने परिचालन लागत में वृद्धि का हवाला देते हुए मेट्रो किराए में 43% की तीव्र वृद्धि का प्रस्ताव दिया है। इस कदम से हैदराबाद के यात्रियों में अपने शहर में संभावित किराया वृद्धि को लेकर चिंता पैदा हो गई है।बीएमआर-सीएल के अधिकारियों ने बताया कि परिचालन शुरू होने के बाद से मेट्रो के किराए में कोई बदलाव नहीं किया गया है। स्टेशन और ट्रेन के रखरखाव, महिलाओं के लिए समर्पित कोच उपलब्ध कराने और वरिष्ठ नागरिकों के लिए विशेष सेवाएं देने सहित परिचालन खर्चों में वृद्धि के कारण किराए में वृद्धि आवश्यक समझी गई है। प्रस्तावित किराया संशोधन किराया निर्धारण समिति की सिफारिशों पर आधारित है। हालांकि, इस निर्णय को यात्रियों की ओर से कड़ी आलोचना का सामना करना पड़ा है, जो पहले से ही परिवहन लागत में वृद्धि के बोझ से दबे हुए हैं।

तेलंगाना सरकार ने कर्नाटक की तरह राज्य में भी महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा योजना लागू की है। हालांकि, यात्रियों को डर है कि इससे परिचालन लागत की भरपाई के लिए बस किराए में बढ़ोतरी हो सकती है।बेंगलुरु के प्रस्ताव के बाद हैदराबाद मेट्रो रेल लिमिटेड (एचएमआरएल) पर भी चिंताएँ मंडराने लगी हैं । एचएमआरएल के प्रबंध निदेशक एनवीएस रेड्डी ने हाल ही में बताया कि मेट्रो कंसेसनायर, एलएंडटी, भारी वित्तीय घाटे से जूझ रहा है, जो सालाना 1,300 करोड़ रुपये और पिछले कुछ वर्षों में 6,000 करोड़ रुपये का संचयी घाटा है।

नवंबर में एक कार्यक्रम के दौरान बोलते हुए रेड्डी ने इन घाटे के लिए उच्च ब्याज दर वाले बैंक ऋणों के कारण उत्पन्न भारी कर्ज के बोझ को जिम्मेदार ठहराया।

पड़ोसी राज्य कर्नाटक में परिवहन लागत बढ़ने के कारण हैदराबाद के निवासी इसके प्रभाव को लेकर चिंतित हैं। मेट्रो या बस सेवाओं में किसी भी तरह की बढ़ोतरी से दैनिक यात्रियों पर काफी असर पड़ सकता है, खासकर उन लोगों पर जो काम और शिक्षा के लिए सार्वजनिक परिवहन पर निर्भर हैं।

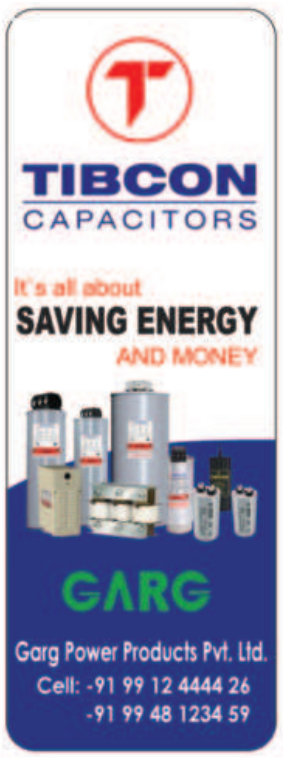

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 81,540/- (प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 92,300/- (प्रति किलोग्राम)

आईआईटी मद्रास के निदेशक ने गौमूत्र के औषधीय गुणों की पुष्टि की

कांग्रेस और डीएमके नेताओं को आ गया गुस्सा

चेन्नई, 20 जनवरी (एजेंसियां)।

आईआईटी मद्रास के डायरेक्टर प्रोफेसर वी कामकोटी ने गौमूत्र के औषधीय गुणों के की तारीफ़ की है। उन्होंने गौमूत्र से एक साधु का बुखार ठीक होने की घटना भी बताई है। उनके इस बयान के बाद कांग्रेस और डीएमके के नेता भड़क गए हैं। उनके इस बयान का तमिलनाडु भाजपा के अध्यक्ष के अन्नामलाई ने बचाव किया है।

प्रोफेसर वी कामकोटी ने गौमूत्र की यह तारीफ़ चेन्नई में एक कार्यक्रम में की। यह कार्यक्रम पोंगल के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि गौमूत्र में एंटी बैक्टीरियल, एंटी फंगल और पाचक गुण होते हैं। उन्होंने कहा कि गौमूत्र पेट की समस्याओं के लिए भी अच्छी दवा है।

उन्होंने इसके बाकी औषधीय गुण भी बताए। प्रोफेसर कामकोटी ने गौमूत्र की विशेषता बताए हुए कहा इससे बुखार कम होने की बात कही। उन्होंने इस बीच एक सन्यासी का नाम भी लिया। प्रोफेसर कामकोटी ने गौमूत्र के यह गुण आर्गेनिक फार्मिंग के फायदे बताते हुए गिनाए। उन्होंने कहा, अगर हम उर्वरकों का खाद का करेंगे तो हम भूमि माता को भूल जाएंगे। जितनी जल्दी हम जैविक, प्राकृतिक खेती की ओर रुख करेंगे, हमारे लिए उतना ही बेहतर होगा। उन्होंने गोवंश की देशी नस्लों की वकालत भी की और। उन्होंने इसके अर्थव्यवस्था और खेती में महत्व पर भी बात की।

प्रोफेसर कामकोटी के इस बयान पर डीएमके और कांग्रेस नेता भड़क गए। कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम ने इसे झूठा विज्ञान और गलत करार दिया। डीएमके के एक नेता ने इसे देश में शिक्षा व्यवस्था को बर्बाद करने का प्रयास बताया। तमिलनाडु के बाकी पेरियार समर्थक संगठनों ने इस बयान पर माफी की मांग की। उन्होंने प्रदर्शन की भी धमकी दी।

प्रोफेसर कामकोटी के बयान का तमिलनाडु भाजपा अध्यक्ष के अन्नामलाई ने बचाव किया है और इसके राजनीतिकरण न किए जाने की अपील की है। उन्होंने कहा, आईआईटी मद्रास के डायरेक्टर क्वांटम फिजिक्स के विशेषज्ञ हैं और वे शीर्ष सरकारी एजेंसियों के सदस्य भी रहे हैं। वह अपनी धार्मिक मान्यताओं और गाय के प्रति सम्मान में दृढ़ हैं, जो कहीं से गलत नहीं है। अन्नामलाई ने कहा, उन्होंने किसी को गाय का मूत्र पीने के लिए मजबूर नहीं किया और केवल अपनी मान्यताओं को व्यक्त किया। हमें ऐसे बयानों का राजनीतिकरण नहीं करना चाहिए। आईआईटी मद्रास के डायरेक्टर तमिलनाडु से हैं, जो हमारे प्रदेश के लिए गर्व की बात है। मैं उन्हें जानता हूं और मैं इसका राजनीतिकरण नहीं करना चाहता।

Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME
I, No. 6941708W Hav MAHENDRA KUMAR NAGAR of Admbn, Aoc Centre, Secunderabad, TS that my mother Name is changed from KALA BHI NAGAR to KALA BAI NAGAR and my father Name is changed from OM PRAKASH NAGAR to OMPRAKASH NAGAR.

CHANGE OF NAME
I, No. 15813197N Sep P.RAJA SHEKAR of Admbn, Aoc Centre, Secunderabad, TS that my father Name is changed from P.SATYANARAYANA to P.SATHYANARAYANA

CHANGE OF NAME
I, No. 15814989A Hav HANSRAJ of Admbn, Aoc Centre, Secunderabad, TS that my Name is changed from HANSRAJ to HANS RAJ.

CHANGE OF NAME
I No. 6945630N NK SARUN LAL C S of Adm bn, Aoc Centre, Secunderabad, TS that my Name is changed from SARUN LAL C S to SARUNLAL C S.

CHANGE OF NAME
I, MEGHA ARUN W/o. SC No.15820794LRank 1 HAV, Name: ARUN MOHAN M.C resident of Kizhakke. Thiruvoth, Thalakkulathur Kerala-673317- State, have Changed My name From MEGHA ARUN to MEGHA VISWAN K.T. Affidavit Date: 20-01-25, Secunderabad Court

CHANGE OF NAME
I, KOLVASHI DEVI Natural Mother of Service No.JC 702280K Sub Maj (Ambasst) JEETENDRA SINGH, R/o.Vill and Po:Gahmar, Dist:Ghazipur, Uttar Pradesh - 232327 have changed my name from KOLVASHI DEVI to KAULVASI DEVI vide affidavit dt:20-01-2025 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME & DOB
I, KRISHNAN NAIR K Natural father of Service No.15675805H Hav SINEESH K, R/o.Cheroth House, Vill:Unnikulam, Po:Ekarool, Dist:Calicut, Kerala-673574 have changed my name and DOB from KRISHNAN NAIR K, DOB: 01-07-1947 to KRISHNAN NAIR, DOB:01-04-1945 vide affidavit dt:20-01-2025 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME & DOB
I, SATHYA BHAMAT Natural Mother of Service No. 15675805H Hav SINEESH K, R/o. Cheroth House, Vill:Unnikulam, Po:Ekarool, Dist:Calicut, Kerala-673574 have changed my name and DOB from SATHYA BHAMAT, DOB:01-07-1952 to SATHYABHAMA, DOB: 10-05-1960 vide affidavit dt:20-01-2025 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, N Harikrishnan R/o 61 MED Regt, 925761, C/o 56APO, have changed my son's name from Komeshvaran to H Komeshwaran, vide affidavit dt. 20-1-2025 before Sec-Bad Court.

CHANGE OF NAME & DOB
I, Service No.JC 736172 NB SUB AMAR KUMAR JAISWAL of AOC, C/o.56 APO hereby declare that my mother name and DOB is changed from BIDIYAWATI DEVI, DOB:05-01-1962 to BIDIYA WATI DEVI, DOB:01-01-1957.

स्की जंपिंग विश्व कप : त्शोफेनिग ने पुरुष वर्ग का जीता खिताब

वारसॉ, 20 जनवरी (एजेंसियां)।

ऑस्ट्रिया के डेनियल त्शोफेनिग ने रविवार शाम पोलैंड के जाकोपेन में आयोजित एफआईएस स्की जंपिंग विश्व कप में पुरुषों की व्यक्तिगत एचएस 140 स्पर्धा का खिताब जीत लिया है।

पहले राउंड के बाद ऐसा लग रहा था कि स्लोवेनिया के एन्ज़े लैनिसेक ट्रॉफी जीत लेंगे क्योंकि उन्होंने 145 मीटर की छलांग लगाकर स्पष्ट बढ़त हासिल कर ली थी। हालांकि, अंतिम राउंड में, 28 वर्षीय खिलाड़ी केवल 130 मीटर ही बना पाए और चौथे स्थान पर पोडियम से चूक गए।

हालांकि इसके बाद त्शोफेनिग ने अपना मौका भुनाया। पहले राउंड में 136 मीटर की छलांग लगाने के बाद, ऑस्ट्रियाई खिलाड़ी ने 139.5 मीटर की छलांग लगाकर 316.7 अंकों के साथ प्रतियोगिता जीत ली।

नॉर्वे के जोहान आंद्रे फ़ोरफ़ैंग ने 137 मीटर और 136 मीटर की छलांग लगाकर रजत पदक जीता, जो विजेता से 7.3 अंक कम था। ऑस्ट्रिया के जान होर्ल 136 मीटर और 140 मीटर की छलांग लगाकर 309.3 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

प्रतियोगिता के बाद, त्शोफेनिग ने स्वीकार किया कि ज़कोपेन में विल्का क्रोकिव पहाड़ी पर उनकी जीत उनके लिए भी एक आश्चर्य थी।

उन्होंने कहा, लैनिसेक ने पहली छलांग बहुत अच्छी लगाई और मुझे पता है कि वह दबाव में बहुत अच्छा प्रदर्शन कर सकता है। इसलिए, मुझे वास्तव में नहीं लगा कि मेरे पास जीतने का मौका है। मैं बस अपना काम करने के लिए, अपनी छलांग लगाने के लिए स्वतंत्र था। इससे मुझे वास्तव में इस परिणाम तक पहुँचने में मदद मिली। सीज़न के विश्व कप में अपनी पाँचवीं जीत के बाद, त्शोफेनिग ने 1056 अंकों के साथ सामान्य वर्गीकरण में अपनी बढ़त को बढ़ाया। उनके हमवतन होर्ल 976 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर हैं, जबकि जर्मनी के पियुस पास्के 848 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर हैं।

शमी अभ्यास सत्र में पैर में पट्टी बांधे दिखे

कोलकाता। तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी इंग्लैंड के खिलाफ टी20 क्रिकेट सीरीज के लिए लगाये अभ्यास सत्र के दौरान लंगड़ाते हुए गए ड्रेसिंग रूम की ओर जाते दिखे। शमी को पैर पर पट्टी बांधे देखा गया और वो लंगड़ाकर ड्रेसिंग रूम की ओर जा रहे थे। भारतीय टीम को 22 जनवरी से इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज खेलनी है। इसमें शमी की फिटनेस की जांच भी हो जाएगी। शमी को अगले माह होने वाली चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए भी टीम में शामिल किया गया है। ऐसे में उनकी फिटनेस पर चयन समिति की भी नजरं रहेंगी। शमी जिस प्रकार से अभ्यास के दौरान असहज नजर आये उससे उनकी फिटनेस पर सवाल उठने लगे हैं। शमी एक साल से भी अधिक समय से टीम से बाहर हैं। साल 2024 के पूरे सत्र में वह टखने की चोट के कारण नहीं खेल पाये थे। गत वर्ष नवंबर में बंगाल की ओर से घरेलू क्रिकेट में उनकी सफल वापसी हुई। इसी को देखते हुए चयनकर्ताओं ने शमी को इंग्लैंड के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी से पहले मैदान में उतारा।

न्यूज़ ब्रीफ

ऑस्ट्रेलियन ओपन 2025: जैनिक सिनर ने होल्गर रून को हराकर क्वार्टर फाइनल में किया प्रवेश

मेलबर्न। डिफेंडिंग चैंपियन जैनिक सिनर ने सोमवार को ऑस्ट्रेलियन ओपन 2025 के क्वार्टर फाइनल में

प्रवेश कर लिया है। शीर्ष वरीयता प्राप्त सिनर ने रॉड लेवर एरेना में खतरनाक डेन होल्गर रून के खिलाफ 6-3, 3-6, 6-3, 6-2 से जीत हासिल कर अंतिम 8 में प्रवेश किया। सिनर को उमस भरी परिस्थितियों में संघर्ष करना पड़ा, उनका हाथ काँप रहा था और मेडिकल टाइमआउट के लिए कोर्ट छोड़ने से पहले तीसरे सेट में उनकी हृदय गति धीमी हो गई थी। जीत के बाद सिनर ने कहा, यह निश्चित रूप से बहुत ही कठिन था। मैंने मानसिक रूप से वहां रहने की कोशिश की, मैंने अपने सर्विस गेम से जुड़े रहने की कोशिश की और अपने रिटर्न गेम में देखता रहा कि क्या होता है। अंतिम 8 में सिनर का सामना ने आठवीं वरीयता प्राप्त एलेक्स डी मिनौर, या तेजी से उभरते युवा अमेरिकी एलेक्स मिशेलसन से हो सकता है।

तेजस शिरसे ने सीएमसीएम लक्ज़मबर्ग इंडोर मीटिंग में 60 मीटर बाधा दौड़ का राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा

नई दिल्ली। भारत के तेजस शिरसे ने सीएमसीएम लक्ज़मबर्ग इंडोर मीटिंग में पुरुषों की 60 मीटर बाधा दौड़ हीट में एक नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया है। उन्होंने प्रारंभिक दौर में 7.65 सेकंड का समय निकाला और सिद्धांत थिंगलाया द्वारा निर्धारित 7.70 सेकंड के पिछले राष्ट्रीय रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया और फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। फाइनल में, 22 वर्षीय खिलाड़ी ने राष्ट्रीय रिकॉर्ड की बराबरी की और कुल मिलाकर पांचवें स्थान पर रहे, पोलिश एथलीट जैकब सिजमान्स्की ने 7.41 सेकंड के समय के साथ पहला स्थान हासिल किया। पिछले साल, शिरसे ने फ़िनलैंड के ज्यवास्किला में वर्ल्ड एथलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर (चैलेंजर स्तर) बैठक में पुरुषों की 110 मीटर बाधा दौड़ में एक नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी बनाया था। उन्होंने फाइनल जीतने के लिए 13.41 सेकंड का समय लिया और 2017 में थिंगालाया द्वारा बनाए गए 13.48 सेकंड के पिछले रिकॉर्ड को तोड़ दिया।

डैनी ओल्मो चोटिल, बेनफिका के खिलाफ चैंपियंस लीग मैच से बाहर

मैड्रिड। एफसी बार्सिलोना को चैंपियंस लीग में मंगलवार को बेनफिका के खिलाफ महत्वपूर्ण मुकाबले

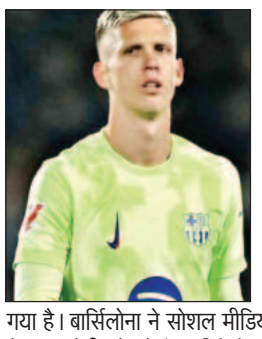

में मिडफील्डर डैनी ओल्मो के बिना उतरना होगा। क्लब ने रविवार को पुष्टि की कि 26 वर्षीय ओल्मो को दाहिने पैर की पिंडली में मांसपेशियों में खिंचाव के कारण टीम से बाहर रखा गया है। बार्सिलोना ने सोशल मीडिया पर जारी बयान में कहा, डैनी ओल्मो के दाहिने पैर की मांसपेशियों में खिंचाव आ गया है। उनकी वापसी चोट की प्रगति पर निर्भर करेगी। इस चोट के चलते ओल्मो अगले सप्ताहांत वालेंसिया के खिलाफ होने वाले ला लीगा मैच में भी उपलब्ध नहीं रहेंगे। ओल्मो ने शनिवार को गेटाफे के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ रहे मुकाबले में दूसरे हाफ में गैवी के स्थान पर मैदान में प्रवेश किया था। हालांकि, वह बार्सिलोना की मजबूत रक्षा को भेदने में नाकाम रहे और टीम को संतोषजनक प्रदर्शन नहीं मिल सका। चैंपियंस लीग में बार्सिलोना के लिए अहम मुकाबला बार्सिलोना की टीम अब लिस्बन के लिए रवाना हो चुकी है। चैंपियंस लीग के अंतिम 16 में अपनी जगह पक्की करने के लिए इस मुकाबले में जीत जरूरी होगी। हार की स्थिति में टीम को 29 जनवरी को अपने अंतिम ग्रुप मैच में अटलांटा के खिलाफ घरेलू मैदान पर हर हाल में जीत दर्ज करनी होगी। ओल्मो की अनुपस्थिति टीम के लिए एक बड़ा झटका है, लेकिन बार्सिलोना बेनफिका के खिलाफ जीत के लिए अपने मजबूत खेल पर भरोसा करेगी।

इंडिया ओपन 2025

विक्टर एक्सेलसन, एन से-यंग ने पुरुष और महिला वर्ग का जीता खिताब

नई दिल्ली, 20 जनवरी (एजेंसियां)।

एक सप्ताह तक चले लम्बे मैचों, अप्रत्याशित जीतों और स्थानीय स्तर पर निराशाजनक प्रदर्शन के बाद रविवार को इंडिया ओपन का फाइनल रोमांचक रहा, जिसमें चार शीर्ष मुकाबलों का फैसला सीधे गेमों में हुआ।

विक्टर एक्सेलसन और एन से-यंग ने रविवार को यहां क्रमश: पुरुष और महिला वर्ग का खिताब जीता।

एक्सेलसन ने पिछले साल के उपविजेता सिंगापुर के चेउक यिउ ली को 41 मिनट में 21-16, 21-8 से हराकर टूर्नामेंट में अपना तीसरा खिताब जीता। इस जीत के साथ ही उन्होंने 10 वर्षों में छह फाइनल में मलेशियाई दिग्गज ली चोंग वेई के यहां सबसे अधिक खिताब जीतने की बराबरी कर ली। वहीं, एन ने थाईलैंड की पोर्नपावी चोचुवोंग को 21-12, 21-9 से हराकर 2023 के बाद अपना दूसरा खिताब जीता।

इस जीत के साथ ही एक्सेलसन ने सीजन के पहले मलेशिया ओपन में ली से मिली अपनी पहले दौर की हार का बदला भी ले लिया और विश्व नंबर 20 के खिलाफ अपनी जीत का रिकॉर्ड 7-2 तक पहुंचा दिया।

पेरिस में जीत के बाद से दोनों ओलंपिक चैंपियनों का समय अलग-अलग रहा है, लेकिन खचाखच भरे केडी जाधव इंडोर हॉल में, उन्होंने सुपर 750 इवेंट में इसी तरह अपना दबदबा कायम किया।

जबकि एन ने महिला बैडमिंटन में अपना दबदबा बनाए रखा है। पेरिस के बाद से उनकी केवल दो हार चीन की ज़ी यी वांग के खिलाफ आई हैं।

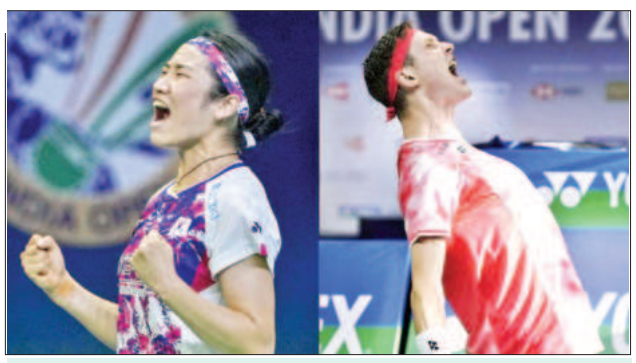

चंडीगढ़ ओलंपिक एसोसिएशन के चुनाव मार्च 2025 में कराये जाएंगे

चंडीगढ़। पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट ने चंडीगढ़ ओलंपिक एसोसिएशन के चुनावों को मार्च 2025 कराये जाने का फैसला दिया है। हाई कोर्ट की बैंच ने आदेश दिया है कि कि एसोसिएशन के चुनाव मार्च 2025 में स्वतंत्र और निष्पक्ष तरीके से कराए जाएं। हाई कोर्ट के इस फैसले से संगठन में चार साल से जारी गुटबाजी और चुनावी विवादों पर अंकुश लगेगा। गौरतलब है कि चंडीगढ़ ओलंपिक एसोसिएशन के अंतिम बार चुनाव 2016 में हुए थे। इसके बाद कोविड-19 महामारी और संगठन के अंदर बढ़ते विवादों के कारण चुनाव नहीं हो पाये। वहीं साल 2021 में दो अलग-अलग गुटों ने चुनाव करवाए थे पर विवाद और वैधानिक मुद्दों के कारण दोनों चुनाव वैध नहीं माने गए। इसी विवाद को लेकर एसोसिएशन के अधिकतर सदस्यों ने हाई कोर्ट में अपील की थी। हाई कोर्ट ने निष्पक्ष चुनाव के लिए एडमिनिस्ट्रेटर की नियुक्ति का आदेश दिया है। यह एडमिनिस्ट्रेटर अखिल भारतीय सेवा के अधिकारी से कम रैंक का नहीं होगा। वर्तमान पदाधिकारी एडमिनिस्ट्रेटर को सभी जरूरी दस्तावेज और रिकॉर्ड सौंपेंगे। वहीं चुनाव प्रक्रिया भारतीय ओलंपिक संघ और राष्ट्रीय खेल विकास कोड, 2011 के नियमों के तहत आयोजित होगी। चुनाव के बाद एडमिनिस्ट्रेटर नए चुने गए पदाधिकारियों को कार्यभार सौंपेंगे।

एक्सेलसन चोटों, प्रशिक्षण और प्रेरणा से जूझ रहे हैं, यहां तक ??कि पिछले दिसंबर में साल के अंत में विश्व चैंपियनशिप के फाइनल से भी बाहर हो गए।

उन्हें यहां भी अपनी लय और फॉर्म पाने के लिए संघर्ष करना पड़ा, लेकिन डेन ने अपने अभियान को समाप्त करने का सही तरीका ढूंढ लिया। धीमी शुरुआत और अनियमितता के कारण, 2017 और 2019 के चैंपियन 2-6 से पीछे थे, फिर 7-7 से बराबरी करने से पहले, छह अंक हासिल कर 13-8 से आगे हो गए और फिर 21-16 से जीत हासिल की।

पहला गेम जीतने के बाद, एक्सेलसन ने दूसरे गेम में अलग ही धमाल मचाया, गेम और खिताब जीतकर 66,500 की राशि और 11,000 रैंकिंग पॉइंट्स अपने नाम की।

एन, जो पोर्नपावी से पिछले नौ मुकाबलों में कभी नहीं हारी, ने सिर्फ़ 39 मिनट में अपना दबदबा 10-0 तक बढ़ाया, शुरुआत में 6-1 की बढ़त हासिल की और फिर 21-12 से जीत दर्ज की। दूसरा गेम भी अलग नहीं रहा, एन ने मैच को 21-12 पर समाप्त करने से पहले 7-1 की बढ़त बनाई, इस साल उन्होंने अपने 10 मैचों में से एक भी गेम नहीं गंवाया है।

इससे पहले दिन में, एक साथ अपना तीसरा इवेंट खेल रही गैरवरीयता प्राप्त जापानी जोड़ी अरिसा इगाराशी और अयाको सकुरामोटो ने दक्षिण कोरिया की किम हये-जियोंग और कोंग ही-योंग को 21-15, 21-13 से हराकर महिला युगल का खिताब जीता।

पुरुष वर्ग में, मलेशिया के गोह से फी और नूर इज़ुद्दीन ने निर्णायक मैच में दक्षिण कोरिया के किम वोन हो और सेओ सेउंग जे को 21-15, 13-21, 21-16 से हराकर खिताब जीता।

चीन की दूसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी जियांग जेन बैंग और वेई या शिन ने मिश्रित युगल में थॉम गिक्रेल और डेल्फिन डेलरू की फ्रांसीसी जोड़ी को 21-18, 21-17 से हराया।

ऋषभ को अधिक जिम्मेदारी से खेलना होगा : रैना

नई दिल्ली, 20 जनवरी (एजेंसियां)।

पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना ने कहा कि आक्रामक बल्लेबाज ऋषभ पंत को अधिक जिम्मेदारी से खेलना चाहिये। रैना के अनुसार इससे ऋषभ टीम के लिए बेहतर भूमिका निभा सकते हैं। रैना के अनुसार इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के साथ ही चैंपियंस ट्रॉफी में भी वह ऋषभ को बड़े स्कोर बनाते हुए देखना चाहते हैं। इसका कारण ये है कि अगसर ये बल्लेबाज 40 से 50 गेंदों का सामना भी कर लेता है तो 80 से 100 रन बना सकते हैं, ऐसे में टीम की जीत की संभावनाएं बढ़ जाएंगी।

ऋषभ ने अब तक 31 मैचों में 33.5 की औसत से 871 रन बनाए हैं, जिसमें उनका सर्वोच्च स्कोर 2022 में मैनचेस्टर में इंग्लैंड के खिलाफ नाबाद 125 रन रहा है। रैना ने कहा, हाल के समय में उन्होंने अपनी विकेटकीपिंग में बहुत सुधार किया है पर उन्हें बल्लेबाजी में अधिक जिम्मेदारी के साथ खेलने की जरूरत है क्योंकि यह 50 ओवर का टूर्नामेंट है। यह ऋषभ पंत के लिए एक अच्छा अवसर होगा कि वह एकदिवसीय सीरीज से चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए लय हासिल कर लें। मेरा मानना है कि अगर अगर यशस्वी शीर्ष क्रम में नहीं खेलते हैं तो ऋषभ चौथे स्थान पर बल्लेबाजी

40 से 50 गेंदों में बदल सकते हैं मैच

कर सकते हैं। साथ ही कहा, वह हार्दिक से पहले भी बल्लेबाजी करने भी आ सकते हैं क्योंकि अगर ऋषभ 40-50 गेंदें खेलते हैं तो वह खेल को तकरीबन समाप्त कर सकते हैं। उसे इसके लिए अपने से कहना होगा कि अगर मैं पचास गेंद खेलता हूं तो मैं 80 से 100 रन बना सकता हूं पर उसके लिए कुछ समय मैदान पर बिताना रहेगा। अगर वह लापरवाही से गलती करता है तो ये निराशा जनक होगा। उसके पास प्रतिभा और क्षमता है जिसका उसे उपयोग करना चाहिये।

गौरतलब है कि भारतीय टीम ने अंतिम बार साल 2013 में चैंपियंस ट्रॉफी जीती थी, उसमें रैना भी रोहित शर्मा, विराट कोहली और रवींद्र जडेजा के साथ विजेता टीम में शामिल थे। इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा, रोहित शर्मा अब कप्तान हैं। मुझे याद है कि जब रोहित को 2011 विश्व कप के लिए नहीं चुना गया था, तो उन्हें बहुत दुख हुआ था और वे चैंपियंस ट्रॉफी जीतना चाहते थे। हाल ही में उन्होंने टी20 विश्व कप जीता है। अब वे आईसीसी खिताब जीत रहे हैं, जो उन्होंने पहले नहीं जीते थे। रोहित हालातों को संभालना जानते हैं।

अंडर-19 टी-20 विश्वकप : नाइजीरिया की महिला क्रिकेट टीम ने न्यूजीलैंड को 2 रनों से हराया

कुचिंग, 20 जनवरी (एजेंसियां)।

नाइजीरिया की महिला क्रिकेट टीम ने न्यूजीलैंड को 2 रनों से हराकर महिला अंडर-19 टी-20 विश्वकप में अपनी पहली जीत हासिल की है। बारिश से प्रभावित इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए नाइजीरिया की टीम ने कप्तान लक्की पिटी 19, लिलियन उडेह 18 रनों की सहायता से निर्धारित 30 ओवरों में छह विकेट पर 65 रन बनाए। इस मैच में नाइजीरिया के छह बल्लेबाज दो अंकों तक भी नहीं पहुंच पाये। इसके बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य का पीछा करते हुए न्यूजीलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही। सलामी बल्लेबाज केट इरविन पहले ही गेंद पर पेवेलियन लौट गयीं।

इसके बाद दूसरी सलामी बल्लेबाज एम्मा मैकलियोड तीसरे ओवर में तेज गेंदबाज यूसेन पीस का शिकार बनी। न्यूजीलैंड के विकेट एक के बाद एक गिरते गये। 11 ओवर में ही उसने 49 रन पर पांच विकेट खो दिये। न्यूजीलैंड की ओर से अनिका टोड 19, वेकलिन 18 और ईव वोलैंड ने 14 रन बनाए वहीं अन्य बल्लेबाज दो अंकों तक भी नहीं पहुंच सके। न्यूजीलैंड को अंतिम दो ओवरो में 17 रन चाहिये थे। कीवी कप्तान टैश वेकलिन ने आठ रन बनाए।

आईकेकेएफ ने एशियाई खो-खो महासंघ को दी आधिकारिक मान्यता

सिंगापुर, 20 जनवरी (एजेंसियां)।

अंतरराष्ट्रीय खो खो महासंघ (आईकेकेएफ) ने एशियाई खो खो महासंघ को आधिकारिक मान्यता दे दी है, जो पूरे एशिया में खो खो के विकास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। 11 सदस्य देशों का प्रतिनिधित्व करने वाला यह महासंघ एशियाई क्षेत्र में इस खेल के लिए प्रमुख शासी निकाय के रूप में काम करेगा, जिसका अगला कदम इस खेल को ओलंपिक में ले जाना है।

20 दिसंबर 2024 को हुए एक ऐतिहासिक चुनाव में एशियाई खो-खो महासंघ ने अपनी नेतृत्व टीम नियुक्त की। असलम खान अध्यक्ष होंगे और एम. सदाशिवम महासचिव की भूमिका निभाएंगे। क्षितिज अग्रवाल को सह-सचिव, एम.एस. त्यागी को कोषाध्यक्ष और सान्या सिंह अग्रवाल को कार्यकारी निदेशक नियुक्त किया गया है।

महासंघ एशिया में खो-खो को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध ग्यारह देशों के गठबंधन को एक साथ लाता है। सदस्य देशों में बांग्लादेश, भूटान, भारत, इंडोनेशिया, ईरान, मलेशिया, नेपाल, पाकिस्तान, सिंगापुर, दक्षिण कोरिया और श्रीलंका शामिल हैं। यह विविध सदस्यता पूरे महाद्वीप में खेल के विकास के लिए एक मजबूत आधार का प्रतिनिधित्व करती है।

अंतरराष्ट्रीय खो-खो महासंघ के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल ने इस विकास का स्वागत करते हुए एक आधिकारिक बयान में कहा, एशियाई खो-खो महासंघ का गठन इस प्राचीन खेल को वैश्वीकरण करने के हमारे मिशन में एक महत्वपूर्ण कदम है

आईकेकेएफ पूरे क्षेत्र में खेल को बढ़ावा देने और विकसित करने के लिए एशियाई खो-खो महासंघ की पहल का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध है।

एशियाई खो-खो महासंघ के सह-सचिव क्षितिज अग्रवाल ने कहा, हमारा लक्ष्य सिर्फ टूर्नामेंट आयोजित करने से कहीं आगे तक फैला हुआ है। हम एशिया में खो-खो के लिए एक मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जिसमें खिलाड़ियों के विकास पर ध्यान केंद्रित किया गया है। ग्यारह राष्ट्रीय महासंघों से मिल रहा समर्थन पूरे एशिया में खो-खो के लिए बढ़ती रुचि को दर्शाता है, और हम ठोस कार्य योजनाओं के साथ इन आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए तैयार हैं। एशियाई खो-खो महासंघ जमीनी स्तर के कार्यक्रम विकसित करने, क्षेत्रीय टूर्नामेंट आयोजित करने और एथलीटों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने के अवसर पैदा करने पर ध्यान केंद्रित करेगा। यह मान्यता पूरे एशिया में खो-खो के विकास और विकास की नींव को मजबूत करती है।

वानखेड़े स्टेडियम ने मनाई स्वर्ण जयंती, सचिन तेंदुलकर ने अपने खास पलों को किया याद

मुंबई, 20 जनवरी (एजेंसियां)।

मुंबई के प्रतिष्ठित वानखेड़े स्टेडियम ने रविवार रात संगीत, नृत्य और लेजर शो के साथ अपनी स्वर्ण जयंती मनाई। इस खास मौके पर भारतीय क्रिकेट के दिग्गज सचिन तेंदुलकर ने स्टेडियम की समृद्ध विरासत को ट्रिब्यूट देते हुए अपने खास पलों को याद किया।

सचिन ने अपने शुरुआती दिनों को याद करते हुए कहा, मैं 10 साल की उम्र में वेस्टइंडीज के खिलाफ भारत का मैच देखने नॉर्थ स्टैंड में आया था। हम 25 लोग थे, लेकिन टिकट 24 ही थे। मेरी ऊंचाई कम होने की वजह से मुझे चुपके से अंदर जाने दिया गया। वानखेड़े पर 73 मैच खेल चुके तेंदुलकर ने 17 शतक और 23 अर्धशतकों के साथ कुल 4972 रन बनाए हैं।

तेंदुलकर ने 2011 विश्व कप जीत को अपने करियर का सबसे खास पल बताया। उन्होंने कहा, 1983 की जीत ने मुझे प्रेरित किया था। हमने 1996

और 2003 में मौका गंवाया, लेकिन वानखेड़े पर 2011 की जीत मेरे लिए सबसे यादगार रही।

50 साल की ऐतिहासिक विरासत

1975 में वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज के पांचवें और अंतिम टेस्ट के लिए बने इस स्टेडियम ने कई ऐतिहासिक पलों की गवाही दी है। कपिल देव की कप्तानी में 1983 विश्व कप जीत के बाद यहां टीम का सम्मान हुआ। 2007 टी20 विश्व कप और 2011 वनडे विश्व कप की जीत ने इस मैदान को खास पहचान दी।

एमसीए और शरद पवार का योगदान

वानखेड़े स्टेडियम के निर्माण में महाराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) और शरद पवार की अहम भूमिका रही। पवार ने 1960 के दशक में युवा खेल मंत्री रहते हुए इसके लिए जमीन आवंटित कराई थी। 2011 में इसका जीर्णोद्धार करके इसे नई पहचान दी गई।

मुंबई क्रिकेट का गढ़

मुंबई क्रिकेट की पावरहाउस मानी जाने वाली टीम ने वानखेड़े पर 42 में से 26 रणजी ट्रॉफी खिताब जीते। यहां अब तक 63 अंतरराष्ट्रीय मैच (27 टेस्ट, 28 वनडे, 8 टी20) खेले गए हैं। आईपीएल और घरेलू क्रिकेट के अनगिनत मुकाबलों ने इस मैदान को और खास बना दिया है।

रविवार रात आयोजित समारोह में एमसीए ने शरद पवार सहित कई गणमान्य व्यक्तियों को सम्मानित किया। वानखेड़े स्टेडियम, जो भारत के क्रिकेट इतिहास का अभिन्न हिस्सा है, ने अपनी 50 साल की शानदार यात्रा को इस समारोह के जरिए खास बना दिया।

विश्व आर्थिक मंच के लिए आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के मुख्यमंत्री और आईटी मंत्री दावोस पहुंचे

ज्यूरिख, 20 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के मुख्यमंत्री अपने आईटी मंत्रियों के साथ दावोस में प्रतिष्ठित विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) से पहले ज्यूरिख पहुंच गए हैं।

दोनों तेलुगु राज्यों के प्रतिनिधिमंडल का ज्यूरिख में तेलुगु समुदाय द्वारा गर्मजोशी से स्वागत किया गया, जिससे वैश्विक मंच पर दोनों राज्यों की बढ़ती प्रमुखता पर प्रकाश डाला गया।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू अपने-अपने प्रतिनिधिमंडल के साथ ज्यूरिख पहुंचे, जो दावोस में 2025 के विश्व आर्थिक मंच में उनकी भागीदारी की शुरुआत है। स्विट्जरलैंड के ज्यूरिख में दोनों नेताओं के आगमन का बड़ी संख्या में तेलुगु प्रवासियों ने उत्साहपूर्वक स्वागत किया, जो हवाई अड्डे पर उनका स्वागत करने के लिए पूरी ताकत से उमड़ पड़े।

दोनों राज्यों के नेताओं के विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) में उच्च स्तरीय चर्चाओं और बैठकों में भाग लेने की उम्मीद है, जिसमें राजनीतिक नेता, कारोबारी दिग्गज और वैश्विक प्रभावशाली लोग एक साथ आते हैं। उनकी उपस्थिति को अंतरराष्ट्रीय निवेश को आकर्षित करने और वैश्विक मंच पर तेलुगु राज्यों के विकास को बढ़ावा देने के लिए एक प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। मुख्यमंत्रियों के साथ आंध्र प्रदेश के आईटी मंत्री नारा लोकेश और तेलंगाना के आईटी मंत्री श्रीधर बाबू भी शामिल हुए । दोनों मंत्रियों से उम्मीद है कि वे सम्मेलन के दौरान अपने राज्यों की तकनीकी प्रगति, निवेश के अवसरों और विकास पहलों को प्रस्तुत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

इसके अलावा, केंद्रीय मंत्री राम एमएनके भी इस कार्यक्रम में भाग ले रहे हैं और ज्यूरिख हवाई अड्डे पर मौजूद थे। उनकी भागीदारी प्रमुख चुनौतियों से निपटने और देश की वैश्विक स्थिति को आगे बढ़ाने में राज्य और केंद्र सरकारों के बीच सहयोग के महत्व को रेखांकित करती है। डब्ल्यू ई एफ सम्मेलन राज्य के नेताओं को अंतर्राष्ट्रीय हितधारकों के साथ जुड़ने और मूल्यवान साझेदारी बनाने के लिए एक अनूठा मंच प्रदान करता है। आंध्र प्रदेश और तेलंगाना दोनों का लक्ष्य प्रौद्योगिकी, बुनियादी ढांचे और नवाचार में अपनी ताकत को उजागर करना है, जिसमें आईटी, विनिर्माण और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में निवेश आकर्षित करने पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

ज्यूरिख एयरपोर्ट पर दोनों मुख्यमंत्रियों के बीच हुई मुलाकात भी दोनों तेलुगु राज्यों के बीच आपसी हितों के क्षेत्रों में चल रहे सहयोग का प्रतीक थी। इस सहयोग से दोनों राज्यों की आर्थिक संभावनाओं को बढ़ावा मिलने और भारत के आर्थिक विकास में उन्हें प्रमुख खिलाड़ी के रूप में स्थापित करने की उम्मीद है।

देश का पहला वर्टिकल लिफ्ट-अप ब्रिज बनकर तैयार

पंबन सेतु से रखी जाएगी चीन की गतिविधियों पर नजर

रामेश्वरम, 20 जनवरी (एजेंसियां)।

देश का पहला वर्टिकल लिफ्ट-अप ब्रिज पंबन सेतु बनकर तैयार हो गया है। यह भारत में समुद्र पर बना पहला पुल है। इस पुल का ऐतिहासिक महत्व भी है, क्योंकि इसके निर्माण का काम 1870 में ही शुरू हुआ था। मेक इन इंडिया के तहत इस ब्रिज का निर्माण फिर से किया गया और यह अगले 100 साल तक सुरक्षित रहेगा। यह ब्रिज चीन की हरकतों पर नजर रखने के लिए भी काफी महत्वपूर्ण है। श्रीलंका ने हंबनटोटा में कुछ इंफ्रास्ट्रक्चर का काम चीन को दिया है। ऐसे में पंबन ब्रिज के बन जाने से हंबनटोटा पर चीनी गतिविधियों पर भी नजर होगी।

पंबन सेतु की कई खासियत है। रामेश्वरम के समुद्र में काफी तेज समुद्री हवाएं चलती हैं। कई बार यहां पर 100 किलोमीटर की रफ्तार से हवा चलती है। ऐसे में सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सिग्नल को विंड स्पीड से कनेक्ट किया गया है। इसका फायदा यह होगा जैसे ही 50 किलोमीटर से ऊपर की रफ्तार से हवा चलेगी, तुरंत ट्रेन अपने आप रुक जाएगी। रामेश्वरम में पंबन ब्रिज का निर्माण किया गया है और इसकी लंबाई करीब 2.2 किलोमीटर है। पुल की ऊंचाई समुद्र तल से 22 मीटर है।

यह पुल भारी रेल यातायात और तेज ट्रेनों को समायोजित करने के लिए तैयार किया गया है। साथ ही, यह बड़े जहाजों को बिना किसी व्यवधान के गुजरने की अनुमति देगा। पुल पर स्थित टावर 34 मीटर की ऊंचाई पर है जबकि ट्रैक सहित लिफ्ट स्पैन का कुल वजन 1,470 मीट्रिक टन है।

पुल की कुल लंबाई 2.2 किमी है और इसका 72 मीटर का हिस्सा जहाजों के गुजरने के लिए उठा हुआ है।

रामेश्वरम सदियों से एक पवित्र तीर्थस्थल रहा है। यह अपने मंदिरों, प्राचीन समुद्र तटों और आध्यात्मिक वातावरण के लिए भक्तों का प्रिय क्षेत्र है। पंबन ब्रिज इस पवित्र शहर की लाइफ लाइन के रूप में कार्य करेगा और इसे मुख्य भूमि से जोड़ता है। इसके अलावा यह पंबन ब्रिज तीर्थयात्रियों, पर्यटकों और व्यापारियों के मार्ग को सुविधाजनक बनाता है। पंबन ब्रिज 1988 तक रामेश्वरम और मुख्य भूमि के बीच एकमात्र लिंक हुआ करता था। बाद में अन्नाई इंदिरा गांधी रोड ब्रिज नामक एक सड़क पुल इसके पास बनाया गया था, जो राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच 49) को रामेश्वरम से जोड़ता था।

नैनी खदानों से मार्च में शुरू होगा कोयला उत्पादन : मल्लू

हैदराबाद, 20 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री और ऊर्जा मंत्री भट्टी विक्रमार्क मल्लू ने सोमवार को कहा कि ओडिशा में नैनी कोयला खदानों से कोयला उत्पादन मार्च में शुरू होगा उपमुख्यमंत्री ने यह घोषणा ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण मांझी के साथ कोणार्क, ओडिशा में आयोजित तीसरे राष्ट्रीय खनन मंत्रियों के सम्मेलन में की।

कार्यक्रम में बोलते हुए उपमुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि तेलंगाना में चूना पत्थर, लौह अयस्क, मैंगनीज, क्वार्ट्ज, ग्रेनाइट, रोड मेटल और डोलोमाइट सहित समृद्ध खनिज भंडार हैं।उन्होंने कहा कि राज्य के खनिज राजस्व में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है, जो 2014 में 1,958 करोड़ से बढ़कर 2023-24 में 5,540 करोड़ रुपये हो गई है।

उपमुख्यमंत्री ने वर्ष 2024-25 और 2025-26 में चूना पत्थर और मैंगनीज जैसे 32 प्रमुख खनिज ब्लॉकों की नीलामी करने की कार्ययोजना की घोषणा की। उन्होंने खनिज अन्वेषण और प्रबंधन को राष्ट्रीय और राज्य विकास लक्ष्यों के साथ जोड़ने के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि खनिज अमूल्य प्राकृतिक संसाधन हैं जो आर्थिक विकास, औद्योगिक प्रगति और तकनीकी प्रगति के लिए आवश्यक कच्चे माल के रूप में काम करते हैं।उन्होंने आयात पर निर्भरता को कम करने के लिए कुशल खनिज उपयोग की क्षमता पर भी प्रकाश डाला। आचार्य कौटिल्य के अर्थशास्त्र का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि खनिज संसाधन राष्ट्र की शक्ति और वीरता का प्रतीक हैं।तेलंगाना में वर्तमान में 2,552 चालू खनन और खनिज पट्टे हैं। नदी की मिट्टी और मेटा खनिजों के लिए एक विशेष नीति लागू की गई है, जिसमें तेलंगाना राज्य खनिज विकास निगम द्वारा पर्यावरण नियमों का पालन करते हुए रेत खनन का प्रबंधन किया जाता है।रेत को पारदर्शी तरीके से ऑनलाइन किफायती कीमतों पर उपलब्ध कराया जाता है। 2024 में, सूर्यपेट जिले में दो चूना पत्थर ब्लॉकों की नीलामी की गई, जिसमें सफल बोलीदाताओं को दस्तावेज जारी किए गए। राज्य ने लघु खनिजों के लिए आवश्यक अनुमतियों के साथ नीलामी आधारित ब्लॉक प्रणाली भी अपनाई है।उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने राज्य के खनन क्षेत्र में तकनीकी प्रगति पर भी प्रकाश डाला। ऑनलाइन खनिज ई-भुगतान और ई-परमिट प्रणाली (ओएमईपीपीएस) एक दशक से चल रही है, जबकि खनिज परिवहन के लिए ऑनलाइन ट्रांजिट पास नौ साल से लागू है।

सरकारी निर्माण परियोजनाओं में उपयोग किए जाने वाले सड़क धातु खनिजों के लिए शून्य-परमिट प्रणाली पिछले साल शुरू की गई थी, साथ ही खनिज से संबंधित प्रश्नों के त्वरित समाधान के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया भी शुरू की गई थी। खनिज वाहनों की प्रभावी निगरानी के लिए फील्ड अधिकारी अब टीजीमाइनिंग मोबाइल ऐप से लैस हैं।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि 2015 में अपनी स्थापना के बाद से, जिला खनिज फाउंडेशन (उच्चक्र) ने 5,537 करोड़ रुपये एकत्र किए हैं, जिसका उपयोग सरकारी स्कूलों जैसे प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में किया गया है, जिससे स्थानीय समुदायों को महत्वपूर्ण लाभ हुआ है।

हैदराबाद के युवक की अमेरिका में गोली मारकर हत्या

हैदराबाद, 20 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हैदराबाद के एक युवक रवि तेजा की अमेरिका में अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी। यहां मिली रिपोर्टों में कहा गया है कि यह घटना वाशिंगटन ऐस में हुई, गोली लगने के बाद रवि तेजा ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। चैतन्यपुरी थाना क्षेत्र के तहत आरके पुरम की ग्रीन हिल्स कॉलोनी के निवासी रवि तेजा उच्च अध्ययन के लिए मार्च 2022 में अमेरिका गये थे। हाल ही में अपनी मास्टर डिग्री पूरी करने के बाद, वह नौकरी के अवसरों की तलाश कर रहे थे।यह हमला कल रात हुआ जब हमलावरों ने रवि तेजा पर अंधाधुंध गोलियां चलाईं। स्थानीय पुलिस तुरंत घटनास्थल पर पहुंची, इलाके को सुरक्षित किया और शव को अस्पताल पहुंचाया। उन्होंने हैदराबाद में रवि तेजा के परिवार को इस दुखद घटना के बारे में सूचित कर दिया है।रवि तेजा की दुखद मौत ने विदेश में अपने सपनों को पूरा करने वाले अंतरराष्ट्रीय छात्रों और युवा पेशेवरों की सुरक्षा को लेकर चिंताएँ बढ़ा दी हैं।रवि तेजा की अचानक हुई मौत ने उनके परिवार और ग्रीन हिल्स कॉलोनी के समुदाय को शोक में डुबो दिया है। इस समाचार को स्वीकार करते हुए, उनके माता-पिता और प्रियजन इस मूर्खतापूर्ण हत्या के इर्द-गिर्द की परिस्थितियों को समझने के लिए संघर्ष कर रहे हैं।हालांकि गोलीबारी का विवरण अभी स्पष्ट नहीं हुआ है, अधिकारी घटना की जांच कर रहे हैं, तथा परिवार अपने बेटे की असामयिक मृत्यु का जवाब तलाश रहा है।रवि तेजा की दुखद मृत्यु ने विदेशों में बेहतर जीवन की तलाश कर रहे कई युवाओं के सामने आने वाले खतरों को उजागर किया है, तथा स्थानीय समुदाय के कई लोग उनके परिवार के दुःख को साझा करते हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.